धनबाद
सोमवार 14.09.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-203 पृष्ठ- 12
भाद्रपद शुक्ल पक्ष-3
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

अंचल अधिकारी ने 24 घंटे में अवैध मेला से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था

अवैध मेला संचालक और जोरापोखर थाना प्रभारी ने सीओ के आदेश को धत्ता बताया

धनबाद (कासं): जिले के जोरापोखर थाना क्षेत्र के डिगवाडीह १० नम्बर सर्कस मैदान जो कि राज्य सरकार की सरकारी जमीन है। उस पर मेला का खेला कर करोड़ों का घोटाला हर वर्ष करने वाले लोगों ने इस बार भी अवैध ढंग से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर १४ सितम्बर से ५ अक्टूबर तक मेला बिना अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश और बिना नीलामी लिए बिना अवैध ढंग से शुरू कर दिया गया है।

मेला को सरकार अवैध मान रही है और पूजा से मनाही नहीं है। लेकिन जोरापोखर पुलिस और नगर निगम के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के मिलीभगत से मेला शुरू हो गया है। जिससे झारखण्ड सरकार को एवं नगर निगम को ५० लाख रुपये का राजस्व की हानि हुई है। और इसकी भरपाई कौन करेगा।

नगर निगम से लेकर अनुमंडल पदाधिकारी धनबाद, डीसी धनबाद सभी को उच्च न्यायालय के आदेश पर अपनी रिपोर्ट झरिया अंचल अधिकारी मनोज कुमार द्वारा भेजी गई है लेकिन करोड़ों के काली कमाई के लिए सारे नियम और कानून को धत्ता बताते हुए अवैध ढंग से डिगवाडीह गणेश मेला शुरू हो गया है। नगर निगम और पुलिस अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाती है जबकि मेला के अवैध अतिक्रमण पर नगर निगम के आयुक्त आशीष गंगवार और थाना प्रभारी जोरापोखर श्री गुप्ता ने अंचल अधिकारी के आदेश के बाद भी अतिक्रमण अवैध मेले से नहीं हटवाया और बंद भी नहीं करवाया। जिससे जनता में नगर निगम की छवि धूमिल हो रही है। बिहार ऑबजर्वर अखबार जनहित में सच्ची खबर और सच्च प्रमाण के साथ खबर प्रकाशित करता है। अंचल अधिकारी झरिया ने अपने ज्ञापांक संख्या-८४९/११.८.२०२६ को नोटिस जारी कर अवैध मेला संचालन करने वाले मोहन यादव डिगवाडीह नम्बर १० को यह सूचित किया कि राजस्व उपनिरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार मौजा जोरापोखर मौजा नम्बर-११० हाल खाता-८३२ प्लॉट नम्बर-६४६१ जो कि हाल के खतियान में गैर आबाद खाते की सरकारी भूमि है।

एसएसपी अवैध मेले को बंद करवाएं राज्य के राजस्व एवं विधि व्यवस्था के हित में: प्रजापति

उक्त भूमि पर आपके द्वारा बांस-बल्ली से मेला एवं दुकान बनाया जा रहा है। जबकि उक्त भूमि सरकारी है और पत्रांक संख्या ८४८ दिनांक ११.८.२६ द्वारा नगर निगम को सैरात नीलामी के लिए पत्राचार किया गया है। अतः आपको निर्देश दिया जाता है सैरात बंदोबस्ती होने तक किसी प्रकार का कोई कार्य नहीं करेंगे।

आपके द्वारा बांस-बल्ली का अतिक्रमण हटाते हुए २४ घंटा के अंदर इसकी सूचना अधोहस्ताक्षरी को देना सुनिश्चित करें। इस पत्र की प्रतिलिपि अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने थाना जोरापोखर को सूचनार्थ और आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया है। लेकिन एक महीना तीन दिन बीतने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया है और थाना प्रभारी जोरापोखर ने सीओ के आदेश के बाद भी अवैध मेला को बंद नहीं करवाया है और इस मामले पर पवन कुमार प्रजापति ने एसएसपी प्रभात कुमार को लिखित शिकायत देते हुए कहा है कि पिछले वर्ष भी अवैध मेला का विरोध किया था जिस पर तत्कालीन थाना प्रभारी राजेश कुमार सिन्हा की मेला माफियाओं से सांठगांठ होने के कारण झुठे केस में मुझे जेल भेजा गया था और फिर इस बार मेला माफिया और जोरापोखर थाना के कुछ भ्रष्ट अधिकारी सीओ के मनाही के बाद भी अवैध ढंग से मेला शुरू करवा दिया है।

अतिक्रमण हटाना और मेला बंद करवाना तो दूर की बात है। उन्होंने एसएसपी प्रभात कुमार से इस मामले पर कार्रवाई की मांग करते हुए राजस्व हित और जनहित में मेला बंद कराने की मांग की है। इस मामले पर जोरापोखर संवाददाता कमलेश कुमार ने थाना प्रभारी श्री गुप्ता का पक्ष लेने के लिए फोन किया तो उनका फोन आउट ऑफ रेंज बता रहा था।

खनिज गाड़ियों पर झारखंड सरकार का नया टैक्स, सीमा में घुसते ही देना होगा शुल्क

रांची (एजेंसी): झारखंड में भी अब जल्द ही अंतरराज्यीय खनिज परिवहन को नियंत्रित करने के लिए नई व्यवस्था लागू होने जा रही है। राज्य सरकार दूसरे राज्यों से झारखंड में प्रवेश करने वाले लघु खनिज लदे वाहनों के लिए इंटर स्टेट ट्रांजिट पास (आईएसटीपी) व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है। इसके तहत बालू, गिट्टी और बोल्डर जैसे लघु खनिज लेकर झारखंड में प्रवेश करने वाले वाहनों से राज्य सरकार शुल्क वसूलेगी। खान एवं भूतत्व विभाग इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर रहा है, जिसे मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।

झारखंड में प्रवेश से पहले लेना होगा ऑनलाइन ट्रांजिट पास

नई व्यवस्था लागू होने के बाद दूसरे राज्यों से खनिज लेकर झारखंड आने वाले वाहनों को राज्य की सीमा में प्रवेश करने से पहले आईएसटीपी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ट्रांजिट पास लेना अनिवार्य होगा। इसके लिए वाहन मालिकों को पहले पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के बाद उन्हें यूनिक लॉग-इन आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके जरिए वे ट्रांजिट पास जारी करा सकेंगे।

चालान कटने के छह घंटे के भीतर बनाना होगा पास

नियम के तहत किसी दूसरे राज्य की माइनिंग साइट से खनिज का चालान जारी होने के बाद अधिकतम छह घंटे के भीतर आईएसटीपी जेनरेट करना होगा। निर्धारित समय-सीमा के भीतर पास नहीं बनवाने या बिना ट्रांजिट पास के खनिज लदा वाहन झारखंड की सीमा में प्रवेश करता पाया गया तो उसे अवैध खनिज परिवहन माना जाएगा। ऐसे वाहनों को तत्काल जब्त करने की कार्रवाई की जा सकती है।

बिहार के मॉडल पर तैयार हो रही नई व्यवस्था

झारखंड सरकार ने पड़ोसी राज्य बिहार में लागू व्यवस्था को देखते हुए आईएसटीपी ▶▶ 8

जहाजों पर नाविक अब युद्ध और संघर्ष वाले इलाकों में अकेले नहीं छोड़े जाएंगे

भारत ने ब्रिक्स समिट में 'सीफेयरर्स इमरजेंसी सपोर्ट नेटवर्क' बनाने का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली (ईएमएस): दुनिया के समुद्री व्यापार की रीढ़ माने जाने वाले मर्चेंट नेवी के नाविक अब युद्ध और संघर्ष वाले इलाकों में अकेले नहीं छोड़े जाएंगे। पीएम मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों के बीच 'सीफेयरर्स इमरजेंसी सपोर्ट नेटवर्क' बनाने का प्रस्ताव रखा है। इसका उद्देश्य समुद्र में संकट के समय नाविकों को तत्काल अलर्ट, मेडिकल सहायता, रेस्क्यू और उनके परिवारों तक सही सूचना पहुंचाने की व्यवस्था करना है। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य, फारस की खाड़ी और ब्लैक सी जैसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में व्यापारिक जहाजों पर हमलों का खतरा बढ़ा है। इन इलाकों में भारतीय नाविकों की बड़ी संख्या मौजूद है और हाल के संघर्षों में कई भारतीय नाविकों की जान भी गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्तावित नेटवर्क के तहत ब्रिक्स देशों के समुद्री प्राधिकरणों और राजनयिक मिशनों को आपस में जोड़ा जाएगा। किसी जहाज पर हमला या अन्य आपात स्थिति होने पर डिस्ट्रेस अलर्ट जारी किया जा सकेगा। इसके बाद मेडिकल सहायता, सुरक्षित निकासी और जरूरत पड़ने पर रेस्क्यू अभियान शुरू करने में तेजी आएगी। साथ ही नाविकों के परिवारों को भी आधिकारिक माध्यम से समय पर जानकारी देने की व्यवस्था विकसित की जा सकती है। इससे संकट के दौरान अफवाहों और सोशल मीडिया पर निर्भरता कम होगी।

भारत फिलीपींस के बाद दुनिया को सबसे ज्यादा समुद्री कर्मचारी उपलब्ध कराने वाले देशों में शामिल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ▶▶ 8

पीएम मोदी-जिनपिंग की मुलाकात के बाद जारी बयान में विरोधाभास आया नजर

भारत सीमा विवाद सुलझाना तो चीन विवाद को लंबित रखना चाहता है

नई दिल्ली (ईएमएस): गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक संघर्ष के करीब सात साल बाद चीनी राष्ट्रपति भारत आए थे। अपने दो दिवसीय दौरे में यहां उन्होंने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। वहीं, पीएम मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक भी हुई। बैठक में सीमा विवाद को सुलझाने पर सहमति बनती दिखी। हालांकि, इसके बाद जब दोनों देशों के द्वारा आधिकारिक बयान जारी किए गए तो उनमें विरोधाभास दिखा।

चीन ने अपने बयान में दोनों देशों से द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने और सीमा से जुड़े मुद्दों का समाधान निकालने का आह्वान किया। चीन ने कहा कि उन्हें सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखते हुए दोनों मोर्चों पर समानांतर और पारस्परिक रूप से मजबूत प्रगति की तलाश करनी चाहिए। इसका मतलब यह है कि चीन चाहता है कि सीमा विवाद सुलझने का इंतजार किए बिना अन्य क्षेत्रों में संबंध सामान्य किए जाएं। पीएम मोदी ने बैठक में इस बात पर जोर दिया कि सीमा पर शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए एक आवश्यक आधार बनी हुई है।

उन्होंने दोनों देशों को सीमा संबंधी मुद्दों पर मौजूदा समझौतों का पालन करने की जरुरत पर बल दिया। भारत की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और दोनों देशों के लोगों के दीर्घकालिक ▶▶ 8

2029 से पहले भाजपा शासित राज्यों में लागू होगा यूसीसी:गृह मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र की भाजपा सरकार के बाद अब भाजपा शासित राज्यों में भी समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी को लेकर बड़ा कदम उठाने की तैयारी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संकेत दिया है कि २०२९ से पहले भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी लागू किया जाएगा। इसके साथ ही भाजपा ने पीएम मोदी के जन्मदिन को बड़े सेवा अभियान से जोड़ने की योजना बनाई है। यानी एक तरफ यूसीसी को लेकर राज्यों में आगे बढ़ने की तैयारी है तो दूसरी तरफ मोदी के जन्मदिन से देशभर में एक महीने तक सेवा गतिविधियां चलाने की तैयारी है।

शाह ने एक तरफ २०२९ से पहले भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी लागू करने का संकेत दिया गया है। दूसरी तरफ पीएम मोदी के जन्मदिन से एक महीने तक चलने वाला सेवा संकल्प अभियान संगठन और जनता को जोड़ने की कोशिश के तौर ▶▶ 8

भारत बना वैश्विक डिजिटल और एआई का केंद्र

नई दिल्ली (ईएमएस): ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न देशों के विशेषज्ञों ने भारत की डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक भूमिका की जमकर सराहना की। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत तेजी से एक वैश्विक एआई केंद्र के रूप में उभर रहा है, जिसके चलते ब्रिक्स देशों के बीच तकनीकी साझेदारी, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने भारत के विशिष्ट डिजिटल भुगतान मॉडल, विशेषकर यूपीआई, को भी विश्व के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बताया, जो समावेशी विकास और वित्तीय समावेशन का एक प्रतीक बन गया है।

इस अवसर पर मिस्र के एआई विशेषज्ञ अहमद गमाल ने ब्रिक्स को उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए तकनीकी सहयोग और नवाचार का एक साझा मंच बताया। उन्होंने भारत और मिस्र के बीच एआई क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की व्यापक संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जिससे भविष्य में संयुक्त परियोजनाओं और ज्ञान साझा करने का मजबूत आधार तैयार हो सकता है। गमाल ने यह भी कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विशेषकर एजेंटिक एआई का उभरता दौर, आने वाले वर्षों में रोजगार और काम करने के तरीकों में बड़े बदलाव लाएगा।

बंगाल सरकार ने दिया 252 मदरसे बंद करने का आदेश

100 को कारण बताओ नोटिस; पहले मदरसों का बजट 3600 करोड़ कम किया था

कोलकाता (ईएमएस): कोलकाता में पश्चिम बंगाल सरकार ने २५२ मदरसों को बंद करने का आदेश दिया है। करीब १०० अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। सरकार का दावा है कि राज्यभर में हुए सर्वे में इन संस्थानों के पास जरूरी मंजूरी और बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलीं। यह कार्रवाई अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग ने की है।

आदेश जारी करने के बाद सरकार ने रविवार को ये भी बताया कि जरूरी मंजूरी वाले मदरसे चलते रहेंगे। नोटिस पाने वाले मदरसों पर उनके जवाब की जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी। इससे पहले २०२६ के बजट में बंगाल सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड ?५,७१३ करोड़ से घटाकर ?२,१६५.४२ करोड़ कर दिया था। यानी बजट में लगभग ?३६०० करोड़ की कटौती हुई थी।

सभी जिलों में हुआ सर्वे

अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने जून की शुरुआत से पश्चिम बंगाल के सभी जिलों में जमीनी सर्वे किया। इस सर्वे में सरकारी और निजी मदरसों की बुनियादी सुविधाएं, मंजूरी की स्थिति और प्रबंधन व्यवस्था की जांच की गई।

अधिकारियों ने बताया कि संबंधित मदरसों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। उनके जवाबों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह प्रक्रिया मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के निर्देश पर शुरू की गई थी। इसका मकसद अलग-अलग जिलों में अधिकृत और अनधिकृत मदरसों की संख्या पता करना था।

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

हिंदी दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं एवं जोहार

सन्देश

हिंदी हमारे देश की सबसे समृद्ध और व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। यह न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और भावनाओं की अभिव्यक्ति का भी प्रमुख साधन है। हिंदी न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान है, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और भावनात्मक एकजुटता का भी सशक्त माध्यम है। यह वह भाषा है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हमें एक सूत्र में बांधा और आज भी देश के कोने-कोने में संवाद का सेतु बनी हुई है।

हमारा झारखंड राज्य सांस्कृतिक विविधता और भाषायी समृद्धि से परिपूर्ण है। यहाँ बोली जानेवाली संथाली, मुंडारी, हो, खोरठा, नागपुरी, कुड़ुख आदि जनजातीय / क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों के बीच हिंदी संवाद और समन्वय की भूमिका बखूबी निभा रही है। यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि हिंदी ने हमारी भाषायी विविधता को एक साझा मंच प्रदान किया है।
आज के युग में हमें हिंदी को केवल बोलचाल तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि इसे शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, प्रशासन और रोजगार के क्षेत्रों में भी आगे बढ़ाना है। झारखंड में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, शोध और विकास के लिए राज्य सरकार संकल्पित है, और इसके लिए आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

हिंदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना है। इस अवसर पर राज्य के युवाओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों, साहित्यकारों, सभी बुद्धिजीवियों और शिक्षण संस्थानों से आग्रह है कि वे हिंदी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहें।

आइए, हम सब मिलकर इस हिंदी दिवस पर यह संकल्प लें कि हिंदी को जन-जन की भाषा बनाने की दिशा में हम सभी अपनी भूमिका निभाएँगे।

PR 389453 (Personnel Administrative Reforms and Raj Bhasa) 26-27
कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड

संपादकीय

हूतियों ने सऊदी पर हमले नहीं रोके तो पाकिस्तान क्या करेगा?

यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के दक्षिणी इलाकों में तेल ठिकानों और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों में 73 लोग घायल हुए हैं। इसके बाद पाकिस्तान ने ईरान को साफ चेतावनी दी है कि वह हूतियों को नियंत्रित करे। पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ अपने रक्षा समझौते का हवाला देते हुए कहा है कि अगर सऊदी की सुरक्षा पर हमला जारी रहता है तो उसके लिए चुप रहना आसान नहीं होगा। ऐसे में सवाल है कि अगर हूती हमले नहीं रुकते हैं तो पाकिस्तान की अगली चाल क्या हो सकती है? ये 3 संभावनाएं सबसे ज्यादा नजर आ रही हैं। सबसे पहली और फिलहाल सबसे आसान संभावना यही है कि पाकिस्तान सीधे युद्ध में उतरने के बजाय ईरान पर दबाव बढ़ाए। पाकिस्तान ने पहले ही तेहरान से कहा है कि वह हूतियों पर अपना प्रभाव इस्तेमाल करे और सऊदी अरब पर हमले रुकवाए। इसकी वजह भी साफ है। हूती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन हासिल है और पाकिस्तान नहीं चाहता कि सऊदी की रक्षा के नाम पर वह सीधे ईरान के साथ युद्ध में फंस जाए। पाकिस्तान के लिए ईरान एक महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है। इसलिए इस्लामाबाद पहले बातचीत, चेतावनी और क्षेत्रीय कूटनीति का रास्ता अपना सकता है। पाकिस्तान की प्रतिक्रिया को देखकर लग रहा है कि वह खुद भी जंग में उतरने से बचना चाहता है और कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता दे रहा है। अगर हूती हमले लगातार जारी रहते हैं और सऊदी के तेल या सैन्य ठिकानों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचता है, तो पाकिस्तान पर सैन्य मदद बढ़ाने का दबाव बन सकता है। यहां पाकिस्तान-सऊदी रक्षा समझौता अहम हो जाता है। दोनों देशों

के बीच सितंबर 2025 में हुआ रणनीतिक रक्षा समझौता किसी एक पर होने वाले हमले को दोनों पर हमला मानने की बात करता है। यही वजह है कि पाकिस्तान अब सऊदी की सुरक्षा को केवल रियाद की समस्या नहीं मान रहा। हालांकि इसका मतलब यह जरूरी नहीं कि पाकिस्तान तुरंत यमन में अपने सैनिक भेज देगा। वह सऊदी की जमीन पर एयर डिफेंस, खुफिया जानकारी, सुरक्षा और सैन्य समन्वय जैसी मदद बढ़ा सकता है।

सबसे गंभीर स्थिति तब बनेगी, जब हूती हमले रुकने के बजाय और तेज हो जाएं और पाकिस्तान को लगे कि सऊदी की सुरक्षा सीधे खतरे में है। ऐसी स्थिति में यमन में हूती ठिकानों के खिलाफ सीमित सैन्य कार्रवाई की संभावना पूरी तरह खारिज नहीं की जा सकती। हालांकि यह पाकिस्तान के लिए सबसे जोखिम भरा विकल्प होगा। इसका मतलब ईरान के साथ तनाव बढ़ना और पूरे मिडिल ईस्ट में संघर्ष का एक नया मोर्चा खुलना हो सकता है। पाकिस्तान के सामने पहले से आर्थिक और सुरक्षा चुनौतियां हैं, इसलिए वह सीधे युद्ध में उतरने से पहले कई बार सोचेगा। मौजूदा रिपोर्टों के मुताबिक इस्लामाबाद की कोशिश यही है कि सऊदी को सुरक्षा मिले, लेकिन पाकिस्तान खुद किसी बड़ी लड़ाई में न फंसे।

इस पूरे संकट में यमन का मोचा शहर भी अहम है।

मोचा लाल सागर के किनारे बसा है और रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण इलाके में आता है। अगर हूतियों का इस इलाके पर नियंत्रण मजबूत होता है तो उनकी पहुंच बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट के आसपास तक बढ़ने की चिंता पैदा होती है। बाब-अल-मंदेब लाल सागर और अदन की खाड़ी के बीच का महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। यहां तनाव बढ़ने का असर सिर्फ यमन या सऊदी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय जहाजों और तेल की सप्लाई पर भी पड़ सकता है।

मतदाता सूची से नाम हटाने पर लोकतंत्र को लेकर सवाल

चंद्रमोहन द्विवेदी

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से देश के 13 करोड़ नागरिकों के नाम हटा दिए गए। दिल्ली में 48 लाख और महाराष्ट्र में 2 करोड़ नाम हटाए गए। क्या ऐसा कदम संविधान और कानून के लिहाज से उचित माना जा सकता है? हमारे संविधान निर्माताओं ने वयस्क मताधिकार पर आधारित लोकतंत्र दिया था। संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार ऐसा हर व्यक्ति जो भारत का नागरिक है और जिसकी आयु 21 वर्ष (अब 18) है, मतदाता के रूप में खुद को पंजीबद्ध कराने का हकदार है बशर्ते वह पागल या अपराधी न हो। जब अधिकांश नागरिकों के पास आधार कार्ड, वोटर कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड, पासपोर्ट, जन्म प्रमाणपत्र या एसएससी पास करने का प्रमाणपत्र है तो करोड़ों लोगों का मताधिकार क्यों छीना गया ? चुनाव आयोग यह तो नहीं कह सकता कि यह विदेशी हैं। संविधान के अनुच्छेद 14 में समानता के अधिकार की गारंटी दी गई है, लेकिन मनमाने तौर पर मतदाता सूची से उनके नाम हटाए गए। जनप्रतिनिधित्व गए। जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 मतदाता की योग्यता के बारे में है। इसके खंड 3 में मतदाता सूची (इलेक्टोरल रोल) तैयार करने के बारे में कहा गया है। ऐसा व्यक्ति जो भारत का नागरिक नहीं है अथवा विक्षिप्त है अथवा भ्रष्ट कार्यकलाप करता हो उसे मतदाता के रूप में पंजीबद्ध नहीं किया जा सकता। सेक्शन 22 में मतदाता सूची में सुधार के बारे में बताया गया है। यदि कोई व्यक्ति जीवित न हो या अन्य चुनाव क्षेत्र में रहने चला गया हो तो उसका नाम मतदाता सूची से हटाया जा सकता है। यदि ऐसा है तो एकदम 13 करोड़ लोगों के नाम क्यों वोटर लिस्ट से हटाए गए? वह कब, कैसे और कहां अपना मतदान का अधिकार वापस हासिल कर सकते हैं? बीएलओ ने नाम हटा दिए और चुनाव आयोग ने सूची जारी कर दी। अपनी नागरिकता सिद्ध करने की जिम्मेदारी नागरिकों पर डाल दी गई। यदि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं रहेगा तो वह पासपोर्ट कैसे बनवा पाएंगे? मुफ्त अनाज तथा अन्य सरकारी सुविधाएं उन्हें कैसे मिल पाएंगी? बिहार और बंगाल में बड़ी संख्या में मतदाता सूची से नाम हटाए गए। इन लाखों-करोड़ों लोगों का भविष्य क्या होगा? इस बात में शक नहीं कि चुनाव स्वतंत्र व निष्पक्ष होने चाहिए। डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि मताधिकार लोकतंत्र की बुनियाद है। किसी स्थानीय सरकार के पूर्वाग्रह या किसी अधिकारी की सनक के चलते किसी का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जा सकता। कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने भी कहा था कि यदि लोकतंत्र चाहिए तो भारत की सार्वभौम जनता को निस्संदिग्ध रूप से अपने प्रतिनिधि निर्वाचित करने की आजादी होनी चाहिए। चुनाव आयोग का काम स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराना है। उसे किसी की नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है।

आज का कार्टून

बढ़ता व्यापार घाटा: भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने चुनौती

> भारत को अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, मध्य एशिया और आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र) देशों के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना होगा। साथ ही, स्थानीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाना होगा। चूंकि व्यापार घाटे का मुख्य कारण वस्तुओं का अधिक आयात और कम निर्यात है, लिहाजा इसे संतुलित करने के लिए कई क्षेत्रों में ठोस कदम उठाना जरूरी है। उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन योजना का द्वितीय चरण भी आवश्यक है। पीएलआइ (उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन) योजना ने कुछ क्षेत्रों में सफलता पाई है, लेकिन अब इसका विस्तार उच्च मूल्यवर्धन वाले उद्योगों में करने की आवश्यकता है।

जयंतीलाल भंडारी

भारत के विदेश व्यापार पर हाल ही में प्रकाशित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में व्यापार घाटा बढ़ने पर महत्त्वपूर्ण विश्लेषण प्रस्तुत किए गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की सितंबर 2026 की रिपोर्ट में भारत के बढ़ते व्यापार घाटे और उसके प्रभावों पर अहम विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। सितंबर के पहले सप्ताह में रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) बढ़ कर 4.2 अरब डालर (जीडीपी का 0.5 फीसद) तक पहुंच गया है।

रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि वस्तु व्यापार घाटे में 25 फीसद की उछाल दर्ज की गई है। वैश्विक संगठन 'मैकिन्से ग्लोबल ट्रेड अपडेट' सितंबर 2026 के अनुसार, मध्य-पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल तथा कोयले की वैश्विक कीमतों में वृद्धि ने भारत के आयात बिल और व्यापार घाटे को रिकार्ड स्तर पर पहुंचा दिया है।

इसके अलावा, इलेक्ट्रानिक पुर्जों की बढ़ती मांग ने चीन से होने वाले आयात को और बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2026-27 के तहत अप्रैल से अगस्त के दौरान भारत का वस्तु निर्यात करीब 15 फीसद बढ़ा है, लेकिन आयात में 19 फीसद से अधिक की तीव्र वृद्धि के कारण विदेश व्यापार घाटा ऊंचाई पर पहुंच गया है।

हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी भारत के बढ़ते व्यापार घाटे के आंकड़े केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि रणनीति बदलने का अवसर है। व्यापार घाटे को कम करने के लिए आयात पर प्रतिबंध लगाने के बजाय आयात प्रतिस्थापन, निर्यात विविधीकरण और सेवा क्षेत्र के विस्तार की रणनीति के साथ हमें आगे बढ़ना होगा।

यदि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में हरित बदलाव लाता है, ढुलाई लागत घटाता है, उच्च-स्तरीय विनिर्माण को गति देता है और सेवा क्षेत्र को नए वैश्विक माडल पर ले जाता है, तो निश्चित रूप से व्यापार घाटा नियंत्रण में रह सकेगा। इस समय भारत का सबसे ज्यादा व्यापार घाटा चीन के साथ है। वर्ष 2026 की पहली छमाही जनवरी से जून के बीच चीन से भारत का आयात रिकार्ड स्तर पर पहुंचने से यह घाटा और चुनौतीपूर्ण हुआ है। वर्ष 2026 की पहली छमाही में भारत और चीन के बीच कुल व्यापार घाटा 67.1 अरब डालर दर्ज किया गया है। दोनों देशों के बीच कुल कारोबार 91.72 अरब डालर रहा, जिसमें पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 23.6 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। भारत ने चीन से 79.41 अरब डालर का सामान मंगवाया, जबकि चीन को केवल 12.31 अरब डालर का ही सामान बेचा गया।

चीन से लगातार बढ़ता आयात और उसकी तुलना में बहुत कम निर्यात ही इस व्यापार घाटे की मुख्य वजह है। भारत मुख्य रूप से चीन से बिजली उपकरण, मोबाइल के पुर्जे, कंप्यूटर उपकरण, सेमीकंडक्टर, बैटरी और औद्योगिक मशीनरी का आयात करता है। यदि हम भारत-रूस व्यापार पर नजर डालें, तो पाते हैं कि चालू वित्त वर्ष में अगस्त तक रूस से सबसे ज्यादा कच्चा तेल आया।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में रूस से भारत का आयात 52.59 फीसद बढ़ कर 23.61 अरब डालर तक पहुंच गया। आयात में इस वृद्धि का मुख्य कारण कच्चा तेल है, जिसकी खरीद में 55 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई। तेल के अलावा भारत रूस से उर्वरक, पशु-वनस्पति चर्बी और कीमती पत्थरों का भी आयात करता है। ऐसे में व्यापार संतुलन पूरी तरह रूस के पक्ष में झुका हुआ है। पश्चिमी प्रतिबंधों और अमेरिका के राजनीतिक दबाव के बावजूद भारतीय तेलशोधक कंपनियों ने रूस से तेल की खरीद जारी रखी है।

यह भी अहम है कि भारत का व्यापार घाटा संयुक्त अरब अमीरात, इराक, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड और हांगकांग जैसे देशों के साथ भी बना हुआ है। अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाने के बाद भी भारत से अमेरिका को निर्यात, वहां से आयात की तुलना में अधिक है और व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। निस्संदेह, देश के बढ़ते व्यापार घाटे को कम करने के लिए हमें रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के लिए हरित हाइड्रोजन के उपयोग को भी बढ़ाना होगा। बीस फीसद एथेनाल वाले पेट्रोल के लगातार विरोध के बीच ई10 पेट्रोल लाने पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। हमें नवीकरणीय ऊर्जा का भी विस्तार करना होगा। सौर और पवन ऊर्जा के घरेलू उत्पादन को बढ़ा कर औद्योगिक ऊर्जा मांग को ग्रिड-आधारित हरित ऊर्जा में स्थानांतरित किया जा सकता है।

इससे तेल और कोयला आयात बिल में अरबों डालर की बचत होगी। सार्वजनिक और निजी परिवहन में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने से पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू खपत घटेगी, जिसका सीधा असर आयात बिल में कमी के रूप में दिखेगा। वैश्विक मांग में नरमी के बीच निर्यात बाजार का विविधीकरण बेहद जरूरी है। केवल कुछ पारंपरिक बाजारों पर अत्यधिक निर्भरता भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए जोखिम पैदा कर रही है। ऐसे में गैर-पारंपरिक बाजारों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

भारत को अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, मध्य एशिया और आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र) देशों के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना होगा। साथ ही, स्थानीय मुद्रा में व्यापार बढ़ाना होगा। चूंकि व्यापार घाटे का मुख्य कारण वस्तुओं का अधिक आयात और कम निर्यात है, लिहाजा इसे संतुलित करने के लिए कई क्षेत्रों में ठोस कदम उठाना जरूरी है। उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन योजना का द्वितीय चरण भी आवश्यक है। पीएलआइ (उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन) योजना ने कुछ क्षेत्रों में सफलता पाई है, लेकिन अब इसका विस्तार उच्च मूल्यवर्धन वाले उद्योगों में करने की आवश्यकता है।

व्यापार घाटा कम करने के लिए सेवा क्षेत्र को घाटे की भरपाई का मुख्य हथियार बनाना होगा। वैश्विक कंपनियों को भारत में ही अपने अनुसंधान और क्षमता केंद्र खोलने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इससे एआइ (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), डेटा विश्लेषण और उच्च-स्तरीय परामर्श सेवाओं का निर्यात भारत से बढ़ेगा, जिससे वीजा प्रतिबंध बेअसर हो जाएंगे। बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण करना होगा। बजटीय पूंजीगत व्यय को तेजी से धरातल पर उतार कर अवसंरचना को मजबूत करने की जरूरत है। बेहतर बुनियादी ढांचे से घरेलू उद्योगों की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और निजी निवेश आकर्षित होगा। इन प्रयासों के साथ-साथ विदेश व्यापार घाटे को काबू में करने के लिए इलेक्ट्रानिक पुर्जों, दवा सामग्री और दुर्लभ खनिज के स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने की जरूरत है। गैर-जरूरी आयात पर कड़े शुल्क और नियंत्रण लागू कर विदेशी सामानों पर निर्भरता कम की जानी चाहिए। निर्यात के लिए कुछ विशिष्ट राज्यों और उत्पादों पर निर्भर रहने के बजाय नए राज्यों की भागीदारी बढ़ानी होगी। आटोमोबाइल, रक्षा सामग्री और इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात पर विशेष ध्यान केंद्रित करना होगा। मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का देशहित में प्राथमिकता देते हुए प्रभावी उपयोग करना होगा। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता लागू करने के प्रयास करने होंगे। भारत के हितों को सुनिश्चित करने वाले नए व्यापार समझौते भी करने होंगे।

जब भाषा बन जाती है हथियार...

> हाल के दिनों में ऐसे समाचार आम हो गए है कि वाट्सएप समूह के संवाद ने संबंध ऐसे खराब कर दिए कि एक दूसरे पर घातक हथियारों से हमले हुए। भाषा का स्तर इसके लिए सबसे अधिक जिम्मेदार है। दुर्भाग्यवश ऐसे समूहों का रूप इतना अनौपचारिक है कि कानून बनाकर उसका नियमन संभव नहीं लगता। इस संदर्भ में 'वाट्सएप एडमिन' यानी समूह संचालक पर नियमन की जिम्मेदारी के समाचार भी आए, पर आजकल प्रत्येक समूह के एकाधिक संचालक है, तो वह जिम्मेदारी भी नाम भर की ही है। सामाजिक समरसता को देखते हुए भाषा के इस नए प्रारूप को अधिक गहराई और संवेदनशीलता से देखने की जरूरत है।

नीलम सिंह

किसी भी समाज को गहराई से समझना हो, तो सबसे गहरी पहचान का माध्यम भाषा होती है। मर्यादा को तार-तार करती भाषा व्यक्ति या समूह की कुंठाओं की सबसे बड़ी परिचायक है। यहां गालियों की बात नहीं हो रही है। उनका एक अपना समाजशास्त्र है और समाजशास्त्रीय विश्लेषण भी। यहां बात है आपसी संवाद के दौरान प्रयुक्त होने वाली भाषा की। बल्कि आपसी संवाद के लिए सोशल मीडिया मंचों पर उपयोग में लाई जाने वाली भाषा की। ये सामान्यतः दो बड़े समूहों में विभाजित किए जा सकते हैं। पहला वह, जो बड़े समूहों को समाहित कर सकते हैं- जैसे 'फेसबुक' या 'एक्स'। ऐसे समूहों में आवश्यक नहीं कि जुड़ने वाले लोग हमें व्यक्तिगत रूप से जानते हों।

यह वास्तविक आभासी दुनिया है, जिसमें हम लोगों के लाइक और कमेंट्स से अपनी छवि का निर्माण करते हैं। यह आभासी दुनिया एक ऐसी खतरनाक खाई है, जिसमें हम गिरें तो गिरते ही जाते हैं। इस आभासी दुनिया में भाषा का उपयोग एक मारक हथियार के तौर पर होता है और भाषा का स्तर कभी-कभी इतना गिर जाता है कि पता ही नहीं चलता कि संवाद चल रहा है या गाली-गलौज। चूंकि लिखने वाला आवश्यक नहीं कि हमें व्यक्तिगत रूप से जानता हो, इसलिए लिखते समय वह हमें संबोधित नहीं कर रहा होता है, उस विचार से संबोधित कर रहा होता है, जिस पर वह प्रतिक्रिया दे रहा है।

आभासी दुनिया का यह खतरा एक मायने में सुविधाजनक है कि हम ऐसी टिप्पणी डालने वालों को अपनी दोस्त सूची से बाहर कर सकते हैं या ब्लाक कर सकते हैं। दूसरा यह कि संवाद के ये माध्यम अब सार्वजनिक मंच के रूप में सर्वमान्य हैं, इसलिए ऐसे मंच के ऊपर की गई टिप्पणियां कानूनी कार्रवाई के लिए भी खुली हैं। यानी अगर हम किसी आभासी मंच के आभासी व्यक्ति नहीं हैं- जिसकी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, तो हम अपनी टिप्पणियों के लिए जेल की हवा भी खा सकते हैं। ऐसे मंच की भाषा का अपना एक अलग संसार है और इसे अलग खांचे में रखे जाने की आवश्यकता है।

आभासी दुनिया के संवाद का दूसरा माध्यम वाट्सएप, टेलीग्राम, सिग्नल जैसे एप हैं। आमतौर पर उन एप पर व्यक्तिगत संवाद के अतिरिक्त सामूहिक संवाद के भी रास्ते खुले हैं। ऐसे समूह फेसबुक आदि से इस मायने में भिन्न हैं कि ये किसी एडमिन द्वारा संचालित होते हैं और प्रायः समूह के सदस्य एक दूसरे से परिचित होते हैं। व्यक्ति के रूप में नहीं भी हो, तो समूह के रूप में। जैसे कालेज के विद्यार्थियों अथवा शिक्षकों का समूह। कोशिश होनी चाहिए कि ऐसे वाट्सएप समूहों की भाषा के कुछ पहलुओं की थोड़ी पड़ताल हो सके।

वाट्सएप समूह या समूह में भाषा के तौर-तरीके को देखते हुए कई बार महसूस किया जा सकता है कि भाषा किस प्रकार एक वर्चस्ववादी समूह की मनोवृत्ति को उजागर करती है। किस प्रकार कोई एक समूह अपने निहित स्वार्थों के लिए भाषा को एक सशक्त हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है। लच्छेदार हिंदी या अंग्रेजी द्वारा किस प्रकार अपनी विद्वता का आतंक फैलाकर औरों को नीचा दिखाने की कोशिश की जाती है।

किस प्रकार उकसाने के लिए अपने ही सहयोगियों का- बिना नाम लिए भी- कुत्ते की उपमा दी जाती है। किस प्रकार औरों को स्वार्थी या कायर और भयभीत बताकर खुद को अथवा अपने समूह को स्वार्थरहित- निडर-निर्भीक बताया जाता है। भाषा का यह मायाजाल ऐसे बुना जाता है कि अगर हम एक बार उसके दलदल में धंसे तो हमारी मुश्किल ज्यादा जटिल हो जाती है। भाषा के इस दलदल से निकलने का कोई रास्ता भी नहीं है। कई बार हम समूह छोड़ भी नहीं सकते। हमारे पास एक विकल्प होता है कि इन्हें 'आर्काइव' या संरक्षित कर दें, पर उसमें समस्या है कि हम आवश्यक मैसेज से भी वंचित हो जाते हैं। ऐसे में इस प्रकार के दलदल से बचने का एकमात्र उपाय है मन को शांत रखना।

यह जानना कि गाली स्वीकार नहीं करने पर गाली उसी आदमी के पास चली जाती है, जो गाली दे रहा है। ऐसे समूहों की एक बड़ी जमात खड़ी हो गई है, जिनके सदस्य बहुभाषी और बहुजातीय हैं। हालांकि वे किसी सामान्य तंतु से जुड़े हुए होते हैं, जैसे शिक्षकों या विद्यार्थियों के समूह, लेकिन उनके सदस्य अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए होते हैं। आवश्यक नहीं कि सभी मुद्दों पर इनके विचार आपस में मिलते हों, पर भाषा के स्तर पर असहमति को विरोध का पर्याय मान लिया जाता है।

ऐसे में यदि समूह वैचारिक रूप से दो या अधिक दलों में बंटा हो तो अगर किसी ने एक टिप्पणी डाली जो अन्य समूह के विचारों से मेल नहीं खाती है, तो दूसरे समूह के लोग उस व्यक्ति पर ऐसे टूट पड़ते हैं जैसे बर्र के छत्ते को हाथ लगा दिया हो। बात किसी एक बात को लेकर प्रारंभ होती है और समाप्त होते-होते उस व्यक्ति के चरित्र हनन तक पहुंच जाती है। होता यह है कि विचारों की लड़ाई बढ़ते-बढ़ते व्यक्तिगत दुश्मनी में बदल जाती है।

हाल के दिनों में ऐसे समाचार आम हो गए हैं कि वाट्सएप समूह के संवाद ने संबंध ऐसे खराब कर दिए कि एक दूसरे पर घातक हथियारों से हमले हुए। भाषा का स्तर इसके लिए सबसे अधिक जिम्मेदार है। दुर्भाग्यवश ऐसे समूहों का रूप इतना अनौपचारिक है कि कानून बनाकर उसका नियमन संभव नहीं लगता। इस संदर्भ में 'वाट्सएप एडमिन' यानी समूह संचालक पर नियमन की जिम्मेदारी के समाचार भी आए, पर आजकल प्रत्येक समूह के एकाधिक संचालक हैं, तो वह जिम्मेदारी भी नाम भर की ही है। सामाजिक समरसता को देखते हुए भाषा के इस नए प्रारूप को अधिक गहराई और संवेदनशीलता से देखने की जरूरत है।

अवैध कोयला खनन के दौरान मलबे में दबकर 3 की मौत

कतरास (ससे) : रामकनाली ओपी क्षेत्र स्थित केशलपुर कुम्हार पट्टी के पास सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां बंद पड़ी बीसीसीएल खदान के समीप कोयला चुनने के दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा मलबा धंस गया। इस हादसे में कतरास बाजार केवट टोला निवासी मूंगिया देवी, आद्री देवी और धनंजय कुम्हार की मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि सीमा देवी (पतिः भरत सोनी) गंभीर रूप से घायल हो गई। सीमा देवी के बाएं पैर में गहरी चोट आई है और उनका इलाज कतरास के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

बताया जाता है कि केवट टोला की चार महिलाएं सुबह जलावन के लिए कोयला एकत्र करने गई थीं, तभी ऊपर की जमीन में अचानक दरार पड़ी और भारी मात्रा में मिट्टी व मलबा नीचे गिर पड़ा। चीखपुकार सुनकर दौड़े स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्त के बाद सभी को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और बंद परियोजना क्षेत्र की जमीन पर कई जगह बड़ी दरारें दिखाई दे रही हैं। मामले पर रामकनाली ओपी प्रभारी अलीशा कुमारी ने बताया कि कोयला चुनने के दौरान महिलाओं की मौत हुई है और घटना की आधिकारिक जानकारी कतरास क्षेत्र के जीएम को दे दी गई है। वहीं, बीसीसीएल कतरास क्षेत्र के जीएम बी.के. झा ने स्पष्ट किया कि एकेडब्लूएमसी की इस बंद परियोजना के समीप स्थित कुम्हार बस्ती को एक वर्ष पूर्व ही घर खाली करने का नोटिस दिया जा चुका था और पूरे इलाके में डेंजर जोन के बोर्ड भी लगाए गए थे, लेकिन इसके बावजूद लोग चेतावनी को नजरअंदाज कर कोयला और मिट्टी लेने पहुंच रहे थे।

अवैध उत्खनन सीआईएसएफ की विफलता : विजय झा

कतरास (ससे) : बियाडा के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार झा ने कहा कि रामकनाली ओपी क्षेत्र के केशलपुर कुम्हार धौड़ा की घटना से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत है। लगातार हो रही भूधंसान की घटना यह दर्शाता है कि अभी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन हो रहा है। अवैध उत्खनन नहीं रोका गया तो प्रशासन अब बड़े घटना को आमंत्रण दे रही है। इसके पूर्व छाताबाद में भूधंसान की घटना घट चुकी है। पूर्वी क्षेत्र में एक सप्ताह पहले भूधंसान हो चुका है। दक्षिणी क्षेत्र लकड़का में भी भूधंसान की घटना घट चुकी है। उत्तरी क्षेत्र में केशलपुर के मुंडा धौड़ा में घटना बताता है कि चारों ओर अवैध उत्खनन हो रही है. एक माह के अंदर कतरास के चारों दिशाओं में भूधंसान हुआ है. भूधंसान दर्शाता है कि बड़े पैमाने पर यहां अवैध उत्खनन चल रहा है। सीआइएसएफ द्वारा टोल फ्री नंबर जारी करने के बावजूद भी यह अनवरत अवैध उत्खनन जारी है। यह सीआईएसएफ की विफलता है।

पूर्व मंत्री पहुंचे घटनास्थल पर

कतरास (ससे) : पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो ने राम कनाली ओपी क्षेत्र के केशलपुर में भूधंसान की सूचना पर घटनास्थल पहुंचे। भू-धसान के कारण मारे गए लोगों के प्रति गहरी दुख प्रकट किया। पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो ने कहा कि कतरास क्षेत्र में लगातार हो रहे भूधंसान की घटना से प्रबंधन कोई सबक नहीं ले रहा है। लगातार हो रहे भूधंसान की घटना से प्रतीक हो रहा है कि यहां अवैध उत्खनन बड़े पैमाने पर की जा रही है। बीसीसीएल में कोयला चोरी रोकना बीसीसीएल प्रबंधन की जिम्मेदारी है अवैध उत्खनन को रोकने के लिए केंद्र सरकार की सीआईएसएफ पूरी तरह विफल साबित हो रही है। अवैध उत्खनन के कारण आए दिन भूधंसान की घटना घट रही है। कतरास के चारों दिशाओं में भूधंसान की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। मौके पर प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप पाडेय, माधो सिंह, अजय पासवान, राजाराम, रंजीत पाडेय, रोबिन पाल, सुबोध बर्मन आदि उपस्थित थे।

खदान हादसे की जांच व कार्रवाई की मांग बिरेंद्र पासवान ने गृह मंत्री व कोयला मंत्री से की

धनबाद (कासं) : बिरेंद्र पासवान पूर्व प्रदेश सचिव सह प्रवक्ता बाघमारा विधायक प्रतिनिधि ने सोशल मीडिया एक्स पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भारत के कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, कोल मिनस्ट्री, कोल इंडिया हेड क्वार्टर, सीआईएसएफ हेड क्वार्टर, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, बाबूलाल मरांडी, अमर कुमार बाउरी, धनबाद मेयर संजीव सिंह सहित अन्य पदाधिकारी को वीडियो के माध्यम अवगत कराते हुए लिखा कि आप सभी को अवगत कराना चाहता हूं कि कुछ दिनों पहले इसी सोशल मीडिया के माध्यम से बीसीसीएल और सीआईएसएफ सहित अन्य पदाधिकारी को अवगत कराया था कि कतरास के रामकानाली थाना क्षेत्र अंतर्गत अवैध कोयला खनन का कार्य चल रहा है। परन्तु बीसीसीएल और सीआईएसएफ के पदाधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता पूर्वक नहीं लिया। केवल क्षेत्र में खाना पूर्ति करने का कार्य किया। क्षेत्र में बड़ी घटना घट गई।

सोशल मीडिया से मिलने वाली खबरों को बीसीसीएल और सीआईएसएफ के पदाधिकारियों के द्वारा एक्स को अनदेखा किया जाता है। इसलिए आए दिन धनबाद जिले में भूधंसान एवं अन्य अनहोनी घटनाएं घट रही है। उन्होंने कहा है कि धनबाद में कोयला खनन का कार्य करने और करवाने की जिम्मेदारी बीसीसीएल के पदाधिकारियों की है और कोयला की सुरक्षा का जिम्मेदारी सीआईएसएफ की है।

परंतु कोई भी अपनी जिम्मेदारियों को सही तरीके से नहीं निभा रहे हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि धनबाद में अवैध खनन पर लगाम नहीं लग पा रहा है। बिरेंद्र पासवान ने इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी व्यक्तियों और पदाधिकारियों को तत्काल निलंबित कर उनके उपर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश

धनबाद/कतरास (ससे) : राजगंज थाना क्षेत्र के पहाड़पुर पानी टंकी के समीप एक बाउंड्रीवाल के अंदर कथित रूप से अवैध तरीके से कोयला जमा किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां जमा किए गए कोयले को ट्रेलर समेत तीन अन्य वाहनों में लोड कर बाहर भेजने की तैयारी की जा रही थी।

मामले की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कथित कोयला डिपो के बाहर विरोध जताया। ग्रामीणों ने कोयला लदे ट्रेलर को रोक दिया तथा क्षेत्र में चल रहे कथित अवैध कोयला कारोबार को तत्काल बंद कराने की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि रिहायशी इलाके के समीप इस प्रकार कोयला जमा कर उसका परिवहन किया जाना गंभीर चिंता का विषय है। विरोध के दौरान मौके पर काफी देर तक गहमागहमी बनी रही। ग्रामीणों ने पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर तनाव का माहौल बना हुआ है। हालांकि, कथित अवैध कोयला कारोबार और कोयले की वैधता की आधिकारिक पुष्टि समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी है।

दुःख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े हुए विधायक

कतरास (ससे) : तेलमच्चो निवासी युधिष्ठिर महतो के पुत्र के सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन की हृदयविदारक खबर मिलते ही बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो तत्काल उनके आवास पहुँचे। विधायक ने दिवंगत के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने इस अपार दुःख की घड़ी में परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

खूंटी पूजा में सम्मिलित हुए विधायक राज

गोविंदपुर (ससे) : वाणी मंदिर, लाल बाजार, गोविंदपुर में आगामी दुर्गापूजा के पावन अवसर पर आयोजित खूंटी पूजा में विधायक राज सिंहा सम्मिलित होकर विधिवत पूजाअर्चना की एवं नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर बलराम साव, दिनेश मंडल, पप्पू विश्वकर्मा, नितेश गुप्ता,जीतू गुप्ता सहित अनेक श्रद्धालु एवं स्थानीयजन उपस्थित रहे। माँ दुर्गा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि का वास हो।

निरसा में सीआईएसएफ व ग्रामीणों के बीच झड़प

निरसा (ससे) : धनबाद के निरसा में सुबह को सीआईएसएफ और ग्रामीणों के बीच झड़प की घटना सामने आई है। आरोप है कि निरसा ईसीएल के चापापुर ओसीपी के पास सड़क से गुजर रही एक महिला को कोयला चोर कहकर सीआईएसएफ जवानों ने बेरहमी से पीट दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और मौके पर पहुंचकर सीआईएसएफ की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। देखते ही देखते ग्रामीणों और जवानों के बीच झड़प शुरू हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि सीआईएसएफ जवानों ने महिला के साथ मारपीट की, जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने जवानों पर हमला बोल दिया। ग्रामीणों ने जवानों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटने का भी आरोप लगाया है। वहीं, स्थिति को नियंत्रित करने के दौरान सीआईएसएफ जवानों की ओर से फायरिंग किए जाने का दावा किया जा रहा है। इसके बाद ग्रामीण और अधिक आक्रोशित हो गए और जवानों को घेर लिया।

घटना के बाद चापापुर ओसीपी के पास बड़ी संख्या में ग्रामीण जुटे हुए हैं। ग्रामीण घायल महिला के समुचित इलाज और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उनका गांव प्रोजेक्ट के पास स्थित है। ऐसे में सड़क से गुजरने वाले लोगों को कोयला चोरी के शक में पीटना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सीआईएसएफ कोयला चोरी रोकने में विफल है। उनका कहना है कि यदि कोयला चोरी हो रही है तो माइंस में कार्रवाई की जाए, लेकिन सड़क से गुजरने वाले ग्रामीणों को निशाना नहीं बनाया जाए। फिलहाल, घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। ग्रामीण घायल महिला के इलाज और मुआवजे की मांग पर अड़े हुए हैं। हालांकि, फायरिंग और मारपीट के आरोपों पर सीआईएसएफ का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है।

आज रहेगी विद्युतापूर्ति बाधित

गोविंदपुर (ससे) : डीवीसी द्वारा सब स्टेशन और लाइन मेंटेनेंस संबंधी कार्य किए जाने से सोमवार सुबह १० से २:३० बजे अपराह्न तक इनकमिंग फीडर के सर्किट संख्या१ से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस कारण खरिकाबाद से सभी ११ केवी फीडर से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी, लेकिन आमाघाटा से निकलने वाले सभी ११केवी फीडर से संबंधित क्षेत्रों में निर्धारित समय में रोटेशन आधारित विद्युत आपूर्ति की जाएगी। उक्त जानकारी कनीय अभियंता सुनील कुमार ने दी।

श्री गंगा गौशाला में गौपालन व जैविक खेती को ले संगोष्ठी

कतरास (ससे) : श्री गंगा गौशाला कतरास के प्रांगण में विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में भारतीय गौवंश रक्षण संवर्धन पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। संगोष्ठी में धनबाद जिला के अलावे झारखंड के देवघर एवं जमशेदपुर से भी कई किसान एवं गौपालक शामिल हुये। कार्यक्रम में गौपालन एवं जैविक खेती को लेकर महत्वपूर्ण बातों को किसानों के समक्ष रखा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष विपिन मंडल ने कहा कि समाज में किसानों के बीच और ग्रामीण क्षेत्रों में गौ माता के प्रति लोगों की रुचि कम हो रही है। पहले सभी घरों में गौपालन किया जाता था, आज समय के हिसाब से कमी देखने को मिल रहा है।

जैविक खेती को लेकर प्रांत गौरक्षा प्रमुख कमलेश सिंह ने कहा कि आज हम लोग घर में जो भी सब्जी खाते हैं सभी में सल्फेट की मात्रा रहती है किसानों को चाहिए कि वह जैविक खेती करें। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांत संगठन मंत्री चितरंजन कुमार, जिला अध्यक्ष विपिन मंडल, विशेष अतिथि विजय अग्रवाल, प्रांत गौरक्षा प्रमुख कमलेश सिंह, मंटू दुबे, संजय देव, मेघलाल महतो, महेश अग्रवाल आदि मौजूद थे।

सोलह आना के सहयोग से शिवहनुमान मंदिर की रखी गई नींव

गोविंदपुर (ससे) : रामनगर गोविंदपुर में सोलह आना के सहयोग से शिवहनुमान मंदिर की नींव रखी गई। ग्रामीणों की बैठक में सर्वसम्मति से श्रीश्री १०८ खड़ेश्वरी जी महाराज सार्वजनिक हनुमान मंदिर के निर्माण का निर्णय लिया गया था, जिसमें दो गुंबज वाला शिवहनुमान संयुक्त मंदिर बनाए जाने पर सहमति बनी। करीब ३० वर्ष पूर्व दिवंगत संत श्री खड़ेश्वरी बाबा ने यहां शिव-हनुमान का संयुक्त मंदिर बनवाया था। उक्त मंदिर को धराशाई कर उसी स्थान पर ग्रामीणों के आर्थिक सहयोग से नए सिरे से भव्य मंदिर निर्माण का निर्णय लिया गया है। इसके लिए ४३ सदस्यीय मंदिर निर्माण कमिटी गठित की गई है। जिसमें तपेश्वर सिंह को अध्यक्ष, नीरज सिंह को उपाध्यक्ष, धीरज शर्मा को सचिव, राजेश सिंह (रजनी) को सह सचिव, नकुल सिंह को कोषाध्यक्ष तथा रवि सिंह को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा रामप्रवेश शर्मा, कौशल

सिंह, विजय शर्मा, विजय सिंह, रामविनय शर्मा, उमाशंकर चौरसिया, वीरेंद्र सिंह, सच्चिदानंद सिंह, रमन प्रसाद सिन्हा आदि संरक्षक तथा सुजीत मिश्रा, संतोष विश्वकर्मा, कमल शर्मा, जयजीत मुखर्जी आदि कार्यकारिणी सदस्य बनाये गये हैं।

संविधान बचाओ महारैली को ले जनसंपर्क अभियान तेज

धनबाद (कासं) : संविधान बचाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर आगामी १९ सितंबर को धनबाद में संविधान बचाओ महारैली का आयोजन किया जाएगा। महारैली में हजारों लोगों के शामिल होने का दावा किया गया है। आरक्षण एवं यूजीसी एक्ट को मजबूती के साथ लागू करने की मांग को लेकर आयोजित इस महारैली की तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। महारैली को सफल बनाने के लिए समिति के नेता और कार्यकर्ता जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। इस दौरान लोगों को महारैली के उद्देश्य और मांगों की जानकारी देने के साथ उनसे सहयोग की अपील की जा रही है। समिति के नेताओं के अनुसार, महारैली को लेकर लोगों में उत्साह है और विभिन्न क्षेत्रों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। जनसंपर्क अभियान के लिए जिले में कई टीमों का गठन किया गया है। धनबाद, झरिया, भूली, पुटकी, गोधरकेन्दुआ और गोविंदपुर क्षेत्रों में लगातार संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, बलियापुर, सिंदरी, निरसा और चिरकुंडा क्षेत्रों में भी टीमों द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। धनबाद शहर में गोपाल यादव, दिलीप राम, शशिभूषण कुमार, मिथिलेश प्रसाद, गणपत महतो, और रंजीत दास जनसंपर्क अभियान में सक्रिय हैं। भूली क्षेत्र में बबलू दास और बबन पासवान लोगों से संपर्क कर रहे हैं। पुटकी में शंभु पासवान के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है।

झरिया क्षेत्र में शिव बालक पासवान, अनूप साव और शिव दत्त के नेतृत्व में जनसंपर्क अभियान जारी है। वहीं गोधर क्षेत्र में गणेश दास के नेतृत्व में लोगों से संपर्क किया जा रहा है। समिति के नेताओं ने दावा किया कि १९ सितंबर की महारैली को लेकर विभिन्न इलाकों में लोगों का समर्थन मिल रहा है और बड़ी संख्या में लोगों के धनबाद पहुंचने की उम्मीद है।

अवैध खनन रोकने को ले बीसीसीएल ने की कार्रवाई

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा सीआईएसएफ के सहयोग से क्षेत्र में अवैध कोयला खनन की संभावनाओं तथा उससे उत्पन्न जीवन एवं संपत्ति के संभावित खतरे को देखते हुए लगातार निवारक एवं प्रवर्तनात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत ७ सितम्बर को संबंधित क्षेत्र में ९० सीआईएसएफ बल सदस्यों के साथ एरिया डोमिनेशन किया गया। ४.९.२६ को कांटापहाड़ी क्षेत्र में छापेमारी के दौरान लगभग ११.४९ टन अवैध कोयला बरामद किया गया, जबकि ३.९.२०२६ को ५० सीआईएसएफ बल सदस्यों के साथ उक्त क्षेत्र में नाइट पेट्रोलिंग की गई। इससे पूर्व २.९.२६ को कांटापहाड़ी क्षेत्र में छापेमारी के दौरान लगभग २ हजार बोरी अवैध कोयला बरामद किया गया, जिसे परिस्थितिवश मौके पर ही नष्ट किया गया। इसके अतिरिक्त, सूचनाआधारित छापेमारी, नियमित क्यूआरटी पेट्रोलिंग, एरिया डोमिनेशन एवं सतत निगरानी के माध्यम से अवैध खनन गतिविधियों को रोकने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

अवैध खनन के मुहानों की भराई के लिए बीसीसीएल द्वारा १२ से विशेष अभियान के तहत ओवरबर्डन डालने का कार्य प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत अब तक लगभग ४६ हॉलपैक लोड ओबी डाला जा चुका है। क्षेत्र की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रबंधन के निर्देश पर ९.९.२६ को सीआईएसएफ के वरिष्ठ कमांडेंट द्वारा थाना प्रभारी, रामकनाली थाना को संबंधित क्षेत्र में हो रही अवैध खनन गतिविधियों/प्रयासों के संबंध में पत्र प्रेषित किया गया, जिसे निरंतर प्रयासों के उपरांत ११.९.२६ को स्थानीय पुलिस द्वारा प्राप्त किया गया। पत्र के माध्यम से स्थानीय पुलिस को अवैध खनन गतिविधियों से अवगत कराया गया तथा उपलब्ध वीडियो फुटेज एवं तस्वीरों के माध्यम से संदिग्ध/संलिप्त व्यक्तियों की पहचान संबंधी जानकारी साझा की गई। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया था कि उक्त क्षेत्र को कळडै द्वारा खनन के उद्देश्य से असुरक्षित घोषित किया गया है तथा वहां अवैध खनन के कारण किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। अतः अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर एवं विधिसम्मत कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया गया है।

डॉ. सरिता कुमारी को अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद ने किया सम्मानित

टुंडी (ससे) : टुंडी थाना क्षेत्र के ओझाडीह ग्राम निवासी गौतम कुमार ओझा की पत्नी डॉ. सरिता कुमारी को शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय हिंदी परिषद, झारखंड एवं संयुक्त ब्राह्मण समाज की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सह संयुक्त ब्राह्मण समाज के महासचिव सुरेश चंद्र तिवारी ने डॉ. सरिता कुमारी को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

डॉ. सरिता कुमारी ने वर्ष २०१९ में यूजीसीनेट परीक्षा में सफलता हासिल की। इसके अलावा उन्होंने छह विषयों में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने पूर्व एवं मध्यकाल में वैश्य समाज की स्थिति से संबंधित ऐतिहासिक विषय पर शोध कार्य करते हुए पीएचडी की उपाधि भी हासिल की है। सुरेश चंद्र तिवारी ने डॉ. सरिता कुमारी की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उनकी सफलता समाज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि निरंतर अध्ययन, मेहनत और लगन के बल पर महिलाएं हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर रही हैं। सम्मान समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी सपन कुमार ओझा, गौतम कुमार ओझा, नीतू ओझा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सीओ द्वारा चिन्हित जमीन की जगह स्कूल के आगे बना रहे पैक्स गोदाम, विरोध पर दंबगों ने 2 युवकों को पीटा

तिसरी/गिरिडीह (ससे): गिरिडीह के तिसरी प्रखंड अंतर्गत बरवाडीह गांव में उत्क्रमित उच्च विद्यालय के आगे पैक्स भवन निर्माण का विरोध करने पर २ युवकों के साथ दंबगों द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। शिकायत मिली है कि अंचलाधिकारी द्वारा चिन्हित जमीन पर लैम्प्स (पैक्स) का गोदाम बनाने की जगह स्कूल भवन के आगे इसका निर्माण जबरन किया जा रहा था।
जब गांव के २ युवकों ने विरोध किया तो दंबगों ने उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि थाने में मारपीट की शिकायत करते हुए लिखित आवेदन दिया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। आरोप यह भी है कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा पैक्स भवन निर्माण के संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी के पास की गई शिकायत पर भी संज्ञान नहीं लिया गया।

स्कूल प्रबंधन का साफ कहना है कि गोदाम से न केवल छात्र-छात्राओं को भविष्य में परेशानी होगी, बल्कि विद्यालय की प्रस्तावित चाहरदीवारी के निर्माण में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

गौरतलब है कि तिसरी प्रखंड के बरवाडीह पंचायत अंतर्गत डमुर मौजा में खाता संख्या-०२ और प्लॉट संख्या-०२ में गैरमजरुआ खास की परती जमीन को पैक्स गोदाम के निर्माण के लिए अंचलाधिकारी द्वारा चिन्हित किया गया था। गांव के मिथिलेश यादव ने तिसरी थाना में लिखित आवेदन देकर यह आरोप लगाया है कि तथाकथित दबंग भू-माफिया मनीष यादव और उसके परिजन अंचलाधिकारी द्वारा चिन्हित जमीन पर गोदाम का निर्माण नहीं होने दे रहे हैं। मिथिलेश यादव ने आरोप लगाया कि ठेकेदार और दबंग मनीष यादव की मिलीभगत से बरवाडीह उत्क्रमित उच्च विद्याललय भवन के पीछे वाली जमीन पर पैक्स गोदाम का निर्माण किया जा रहा था।

मिथिलेश यादव ने आवेदन में दावा किया है कि जेसीबी से उक्त जमीन पर खुदाई की जा रही थी। मिथिलेश यादव का आरोप है कि जब उन्होंने ऐसा करने से मना किया तो मनीष यादव ने अपने साथियों के साथ लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मिथिलेश यादव का दावा है कि मारपीट में उसकी छाती पर गंभीर चोट आई है।

मिथिलेश ने मनीष यादव के अलावा दरागी यादव, रामदेव यादव और सोनू कुमार को मामले में नामजद आरोपी बनाया है। पीड़ित युवक का आरोप है कि आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया है।

पीड़ित मिथिलेश यादव ने पुलिस से मामले में न्यायसंगत कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी और छीना गया मोबाइल फोन वापस दिलाने की मांग की है। कुछ ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि अंचल निरीक्षक, कर्मचारी ने पुलिस की मौजूदगी में मापी भी की थी। आरोपी, अंचलाधिकारी द्वारा चिन्हित जमीन और विद्यालय भवन के पास वाली जमीन पर अपना दावा जता रहा है।

जतीन्द्रनाथ दास की पुण्यतिथि पर राष्ट्र ने किया नमन

नई दिल्ली(ईएमएस): भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी जतीन्द्रनाथ दास की पुण्यतिथि पर देश भर में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, नितिन गडकरी, पंकज चौधरी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित कई प्रमुख नेताओं ने जतीन्द्रनाथ दास के बलिदान को याद किया और उनके अदम्य साहस एवं राष्ट्रनिष्ठा को सलाम किया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पोस्ट में कहा, विजय या मृत्यु के अटूट प्रण के साथ ६३ दिनों की भूख हड़ताल से ब्रिटिश साम्राज्य की नींद उड़ा देने वाले मां भारती के वीर सपूत, महान क्रांतिकारी, अमर हुतात्मा जतीन्द्रनाथ दास के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले इस लाल पर राष्ट्र सर्वदा गर्व करेगा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, महान स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी जतीन्द्रनाथ दास की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र अभिवादन। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और उत्तर प्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने एक्स पोस्ट में कहा, भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान क्रांतिकारी अमर शहीद जतीन्द्रनाथ दास के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि।

कोल इंडिया के अध्यक्ष ने ईसीएल के राजमहल क्षेत्र में खनन परिचालनों की समीक्षा की

सांकतोड़िया, आसनसोल (ससे): कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अध्यक्ष श्री बी. साईराम ने आज ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के राजमहल क्षेत्र का दौरा कर खनन परिचालनों की समीक्षा की तथा प्रमुख परिचालन गतिविधियों की प्रगति का जायजा लिया। अध्यक्ष का स्वागत ईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री सतीश झा, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री चित्रंजन कुमार तथा राजमहल क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री अरूप नंदा नायक सहित ईसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया।

दौरे के दौरान अध्यक्ष ने राजमहल ओपन कास्ट परियोजना (ओसीपी) एवं हुर्रा 'सी' ओसीपी का क्षेत्रीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जारी खनन परिचालनों की समीक्षा की तथा दोनों परियोजनाओं के परिचालन प्रदर्शन एवं विभिन्न गतिविधियों की प्रगति का जायजा लिया।

दौरे का मुख्य उद्देश्य परिचालन दक्षता, सुरक्षा, उत्पादकता तथा सतत खनन पद्धतियों को और सुदृढ़ करना रहा। इस क्रम में निरंतर कोयला उत्पादन बनाए रखने तथा क्षेत्रीय स्तर पर सामने आने वाली परिचालन संबंधी चुनौतियों के समाधान पर विशेष बल दिया गया। दौरे के क्रम में अध्यक्ष ने उर्जानगर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में भी सहभागिता की। इस अवसर पर सीआईएल एवं ईसीएल द्वारा पर्यावरणीय स्थिरता, पारिस्थितिक संरक्षण तथा उत्तरदायी खनन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया गया।इसके उपरांत ईसीएल एवं राजमहल क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख परिचालन विषयों, परियोजनाओं के प्रदर्शन तथा खनन परिचालनों को और सुदृढ़ करने हेतु भावी प्राथमिकताओं पर विस्तृत चर्चा की गई। यह दौरा राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए क्षेत्रीय स्तर पर निरंतर निगरानी, परिचालन उत्कृष्टता, सुरक्षा, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व तथा सतत कोयला उत्पादन के प्रति सीआईएल के निरंतर फोकस को रेखांकित करता है।

चास के तीन बंद घरों से लाखों की चोरी

बोकारो (ससे): बोकारो में चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है. चोरों ने एक ही रात में चीरा चास के बंद तीन घरों में लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया. मामला के.सिंह कॉलोनी स्थित नवीन कोऑपरेटिव का है. जहां चोरों ने एक ही रात बंद पड़े तीन घरों को निशाना बनाया और लाखों रुपए के समान पर हाथ साफ कर लिया. जानकारी के अनुसार अवधेश कुमार, शंकर प्रसाद और उमेश कुमार अपने घर को बंद कर कहीं चले गए थे, तभी चोरों ने ताला तोड़कर चोरी कर ली. हालांकि, पूरी घटना उउढत कैमरों में कैद हो गई है, जिसमें करीब ६ संदिग्ध नजर आ रहे हैं. घटना के बाद इलाके में सतर्कता बढ़ गई है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी भीड़

गिरिडीह (ससे):मर्सी हॉस्पिटल, गिरिडीह में रविवार को आयोजित नि:शुल्क मल्टी स्पेशलिटी स्वास्थ्य जांच शिविर में करीब २००+ मरीजों ने स्वास्थ्य जांच कराकर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। शिविर में गिरिडीह शहर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे।शिविर में स्त्री एवं प्रसूति रोग, जनरल

मेडिसिन, हड्डी एवं जोड़ रोग, जनरल सर्जरी, बाल रोग, नेत्र रोग, कान-नाक एवं गला रोग, दंत रोग, त्वचा रोग तथा मूत्र रोग से संबंधित मरीजों की जांच की गई। इस दौरान ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर की जांच नि:शुल्क की गई। साथ ही पैथोलॉजी जांच पर २० प्रतिशत, रेडियोलॉजी जांच पर १० प्रतिशत तथा आईपीडी बिल पर १० प्रतिशत तक की छूट दी गई। शिविर में पहुंचे लोगों को अस्पताल की ओर से नि:शुल्क मेंबरशिप कार्ड भी प्रदान किया गया।

मर्सी हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. पी. एच. मिश्रा ने कहा कि अस्पताल के निदेशकों की हमेशा से यही सोच रही है कि जरूरतमंद लोगों को समय-समय पर नि:शुल्क जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

निदेशकों के मार्गदर्शन में भविष्य में भी इस तरह के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन लगातार किया जाएगा।अस्पताल प्रबंधन ने शिविर को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं सहयोगियों का आभार जताया।

घुटवाली की पिंकी ने जीता ट्रैक साइकिलिंग लीग में दो स्वर्ण पदक

डुमरी (ससे): रांची के सिद्धू-कान्हू वेलोड्रोम स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय अस्मिता खेलो इंडिया ट्रैक साइकिलिंग लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए डुमरी प्रखंड की मधगोपाली पंचायत के घुटवाली निवासी महेश महतो व मंगरी देवी की पुत्री पिंकी कुमारी ने १०किलोमीटर की स्क्रैच रेस और १००० मीटर टाइम ट्राइल रेस में स्वर्ण पदक जीतकर डुमरी सहित गिरिडीह जिले का नाम रोशन किया है।१२ व १३ सितंबर को आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पिंकी कुमारी ने अपनी प्रतिभा,मेहनत और शानदार खेल कौशल का परिचय देते हुए दो स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक हासिल किया।उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र के खेल प्रेमियों और युवाओं में उत्साह का माहौल है।पिंकी कुमारी ने अपनी सफलता का श्रेय निरंतर अभ्यास, कड़ी मेहनत, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और परिवार को दिया।उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों में भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने की पूरी क्षमता है।दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पिंकी की इस उपलब्धि ने साबित कर दिया है बेटियां अवसर पाएं तो सफलता के नए इतिहास रच सकती हैं।सफलता पर साइकिलिंग एसोसिएशन के जितेन्द्र महतो,नरेश महतो, राजकुमार मेहता सहित सामाजिक कार्यकर्ता शिवेश भगत,मानिकचंद महतो,देवेश कुमार देव नव झारखंड फाउंडेशन के केन्द्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल मुखिया राजकुमार महतो राजू झाएकिमयू केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो जेएलकेएम केन्द्रीय महासचिव (विशेष प्रभार) रविन्द्र महतो मुखिया जागेश्वर महतो मुखिया नूरउद्दीन अंसारी आदि ने बधाई दी है।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद् ने कवि सम्मेलन के साथ मनाई मणिपद्म जयंती

बोकारो (ससे): बोकारो में मैथिली भाषा-भाषियों की लब्ध प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद् की ओर से साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित मैथिली भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. ब्रजकिशोर वर्मा मणिपद्म स्मृति जयंती समारोह सह मैथिली कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन रविवार की शाम सेक्टर ४ ई स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल परिसर के विद्यापति सभागार में हुआ। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ नाथ झा, मिथिला सांस्कृतिक परिषद के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष गणेश चन्द्र झा, परिषद के निदेशक मंडल सदस्य कृष्ण चंद्र झा, मिथिला सांस्कृतिक परिषद् के वर्तमान महासचिव नीरज चौधरी, उपाध्यक्ष श्रवण कुमार झा, सांस्कृतिक कार्यक्रम निर्देशक अरुण पाठक, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के उपाध्यक्ष बटोही कुमार, संयुक्त सचिव व इस कार्यक्रम के संयोजक सुनील मोहन ठाकुर, मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा आदि ने दीप प्रज्वलित कर तथा मणिपद्म की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन कर किया। अपने स्वागत भाषण में परिषद् के महासचिव नीरज चौधरी ने मैथिली साहित्य को समृद्ध बनाने में मणिपद्म जी के अवदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मिथिला सांस्कृतिक परिषद मणिपद्म जयंती पर वर्ष १९९० से लगातार साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

मिथिला गौरव सम्मान से नवाजे गए बुद्धिनाथ झा, पुस्तक का विमोचन

इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा को परिषद की ओर से मिथिला गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कवि डॉ रणजीत कुमार झा ने साहित्यकार बुद्धिनाथ झा के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मैथिली महाकाव्य ऊं महाभारत के रचयिता वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा साहित्य की हर विधा में पैठ रखते हैं। उनकी पहचान एक कुशल रंगकर्मी व देश स्तर के मंच संचालक के रूप में भी है। समारोह में कवयित्री कल्पना झा की काव्य पुस्तक हसरतों के बीच का विमोचन भी किया गया। साहित्यलोक के संयोजक अमन कुमार झा ने इस काव्य पुस्तक की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस कविता संग्रह में कवयित्री कल्पना झा ने प्रायः हर रस की कविताओं के माध्यम से अपनी काव्य प्रतिभा का परिचय दिया है। मुख्य वक्ता बुद्धिनाथ झा ने अपने संबोधन में मणिपद्म के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मणिपद्म बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी और एक अद्भुत प्रतिभा के धनी साहित्यकार थे। लोक गाथाओं पर आधारित उनके काई उपन्यास काफी चर्चित हुए। उनकी अन्य विधा की रचनाएं भी प्रशंसित हुई। मणिपद्म की रचनाएं सामाजिक सरोकार से ओतप्रोत है। वर्ष १९७३ में उन्हें उपन्यास नैका बनिजारा के लिए प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

रचनाओं के जरिए कवियों ने टटोलीं मानवीय संवेदनाएं

दूसरे सत्र में वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित मैथिली कवि सम्मेलन में कवि-कवयित्रियों ने मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत विभिन्न रस की कविताएं व गीत सुनाकर देर शाम तक श्रोताओं को आनंदित किया। कवयित्री कल्पना झा ने मैथिली कविता जो रे चांद तू कहिहें सजन सं हमर...व माय गे तू बकलोल नहि छैं..., कवि धनंजय कुमार दास ने मैथिली गुदगुदी, डॉ रणजीत कुमार झा ने समधि समधिन थारी में..., गंगेश कुमार पाठक ने ई जुनि बुझि मुन्ना झूठ बजै छी..., अरुण पाठक ने सद्भावना गीत जाति धर्म के नाम पर नहि बांटू इंसान के..., पूनम चौधरी ने की बखान करु अपन मिथिला के..., भुटकुन झा ने संवेदना व श्रद्धांजलि, सुनील मोहन ठाकुर ने हम ठाढे रही ओ चलिए गेली..., वरिष्ठ साहित्यकार विजय शंकर मल्लिक ने अपनी एक मैथिली कविता के माध्यम से मणिपद्म को याद किया- ओ मणिपद्म कहां आब पाबी, जिनकर गुण अछहुं सभ गाबी..., बुद्धिनाथ झा ने कविता कालजयी रचतै के... सुनाकर.सबकी प्रशंसा पायी। मंच संचालन सुनील मोहन ठाकुर व धन्यवाद ज्ञापन परिषद के उपाध्यक्ष श्रवण कुमार झा ने किया। इस अवसर पर श्रीमोहन झा, विजय कुमार झा, मिहिर कुमार झा राजू, अविनाश झा अवि, सुदीप कुमार ठाकुर, गोविन्द कुमार झा, शंभु झा, विजय कुमार मिश्र अंजु, विश्व नाथ झा, दुर्गानंद झा, गणेश झा, अशोक झा, मनोज झा, अरविंद कुमार मिश्र, शिव शंकर झा, बिनोद झा, विश्वनाथ गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

दिवंगत विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के आवास पहुंचे आदित्य साहू, दी श्रद्धांजलि

गिरिडीह (ससे): भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू रविवार को गिरिडीह पहुंचे। उन्होंने दिवंगत मंत्री एवं गिरिडीह सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आदित्य साहू ने दिवंगत नेता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इसके बाद उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त की और इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। मीडिया से बातचीत के दौरान आदित्य साहू ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू एक ऊर्जावान और सक्रिय मंत्री के रूप में जाने जाते थे। सार्वजनिक जीवन में उनकी सक्रियता और लोगों से जुड़ाव उनकी खास पहचान थी। उन्होंने कहा कि कम उम्र में उनका निधन राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू के निधन से झारखंड ने एक कर्मठ जनप्रतिनिधि खो दिया है। उनके कार्यों और लोगों के बीच उनकी सक्रियता को लंबे समय तक याद किया जाएगा। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य रखने की शक्ति मिलने की कामना की।

इस दौरान भाजपा के कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

भगवान वराह जयंती पर देशभर में उत्साह, नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली,(ईएमएस): भगवान श्री हरि विष्णु जी के तृतीय अवतार भगवान वराह की जयंती के पावन अवसर पर देशभर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखा गया। इस शुभ दिन पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई प्रमुख नेताओं ने देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। भगवान वराह को पृथ्वी के उद्धारकर्ता और धर्म के संरक्षक के रूप में पूजा जाता है, और उनकी जयंती विशेष रूप से धार्मिक अनुष्ठानों और प्रार्थनाओं के साथ मनाई जाती है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, भगवान वराह जयंती की शुभकामनाएं। उनके इस संदेश ने भक्तों के बीच उत्साह का संचार किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा गया, श्रीहरि के दिव्य अवतार भगवान श्री वराह की पावन जयंती पर समस्त श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भगवान श्री वराह धर्म की स्थापना, सृष्टि के संरक्षण एवं अधर्म पर धर्म की विजय के शाश्वत प्रतीक हैं, उनकी कृपा से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं मंगल का संचार हो, यही प्रार्थना है। मुख्यमंत्री के इस संदेश में भगवान वराह के महत्व और उनके आशीर्वाद की कामना की गई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से एक्स पोस्ट पर लिखा गया, श्री हरि विष्णु के वराह अवतार की पावन जयंती पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रभु श्री वराह आप सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्यता और समृद्धि का संचार करें।

कलराज मिश्र की पत्नी सत्यवती मिश्र का निधन

नई दिल्ली(ईएमएस): भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की पत्नी सत्यवती मिश्रा का रविवार को निधन हो गया। सत्यवती मिश्रा के निधन की खबर से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई। कलराज मिश्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक पोस्ट साझा कर यह दुखद जानकारी दी। उन्होंने लिखा, मेरी धर्मपत्नी सत्यवती मिश्रा, आज अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर ईश्वर के श्रीचरणों में विलीन हो गई हैं। प्रभु उनको अपने श्री चरणों में स्थान दें। इस खबर के सामने आते ही देशभर के कई प्रमुख नेताओं ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्यवती मिश्रा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य, पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी का निधन अत्यंत दुःखद है। विनम्र श्रद्धांजलि। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। अंडमान निकोबार के उपराज्यपाल दिनेश शर्मा ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, अत्यंत दुखद समाचार है कि पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की अर्धांगिनी सत्यवती मिश्रा, हम सब की चाची जी अब नहीं रहीं। उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने एक्स पर अपनी श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी सत्यवती मिश्रा के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने सोशल मीडिया पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ राजनेता एवं पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी सत्यवती मिश्र के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। मेरी विनम्र संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्रीराम जी दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस संकट की इस घड़ी में शक्ति व धैर्य प्रदान करें।केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने भी सत्यवती मिश्रा के निधन पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, पूर्व राज्यपाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्र की धर्मपत्नी सत्यवती मिश्रा के गोलोकगमन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

लंबित वारंटों के निष्पादन में तेजी लाएं : एसएसपी

धनबाद (कासं) : अपराध नियंत्रण एवं कानूनब्यवस्था को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर धनबाद पुलिस द्वारा लंबित वारंटों के निष्पादन और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का असर विगत अगस्त माह में हुई पुलिस कार्रवाई में भी स्पष्ट रूप से देखने को मिला। विगत

अगस्त माह में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस ने कुल ९१२ लंबित वारंटों का निष्पादन किया। निष्पादित वारंटों में ८७४ अभियुक्त वारंट, २८ स्थायी वारंट तथा १० कुर्की वारंट शामिल हैं। पुलिस टीमों द्वारा संबंधित थाना क्षेत्रों में लगातार अभियान चलाकर फरार एवं वांछित अभियुक्तों की तलाश की गई और लंबित वारंटों के निष्पादन की कार्रवाई सुनिश्चित की गई। इसके अलावा विगत अगस्त माह में पुलिस ने विभिन्न आपराधिक मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल १३४ अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। पुलिस की इस कार्रवाई से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त एवं विभिन्न मामलों में वांछित अभियुक्तों पर दबाव बढ़ा है। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने सभी थाना प्रभारियों को सितंबर माह में लंबित वारंटों के निष्पादन में और तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने अधिक से अधिक लंबित वारंटों का निष्पादन सुनिश्चित करने का लक्ष्य सभी थाना प्रभारियों को दिया है।

धनबाद पुलिस का फोकस फरार एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी, लंबित वारंटों के त्वरित निष्पादन तथा अपराध नियंत्रण पर है। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि लंबित वारंटों के निष्पादन और वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सोनूमोनू किड्स वेयर दुकान का उद्घाटन

धनबाद (कासं) : सरायढेला मेन रोड स्थित आलोकिक एम्पोरियो मॉल (प्रथम तल) में सोनू मोनू द्वितीय प्रतिष्ठान का भव्य उद्घाटन हुआ। सुशील मोदी जगदम्बा मोदी एवं आलोकिक ग्रुप के पदाधिकारियों रितेश शर्मा के पिता नथमल जी शर्मा ने सोनूमोनू द्वितीय प्रतिष्ठान का शुभ उद्घाटन किया। इस प्रतिष्ठान का विश्वास आज एक नये मुकाम पर है। धनबाद के लिए एक किफायती रेडीमेड कपड़े की दुकान बीच शहर में उपलब्ध होने जा रही है। इसके पूर्व सोनूमोनू का पहला प्रतिष्ठान १९८८ में शुरू हुई थी। उस प्रतिष्ठान की विश्वसनीयतापूर्वक संचालन हो रही है। यह हीरापुर का एक किफायती दुकान है। जहां किफायती कपड़ों में किड्स वियर, मेन्स वियर एवं स्कूल युनिफॉर्म की उपलब्धता प्राप्त हुई। उद्घाटन के बाद इस दुकान का उत्सव २० सितम्बर तक मनाया जाएगा। इस संस्थान में रेडीमेड कपड़ों जिसमें किड्स वियर, मेन्स वियर एवं स्कूल यूनिफॉर्म उपलब्ध है। नए लुक में बॉम्बे एवं इंदौर इलाके के खूबसूरत कपड़े उपलब्ध रहेगी। इस अवसर पर सुशील मोदी, जगदम्बा मोदी, अमित मोदी, सुमित मोदी, अजय अग्रवाल, डी, दीपक मोदी एवं अमित अग्रवाल उपस्थित थे।

भौंरा में गिरा घर, शिफ्टिंग की मांग तेज

जोड़ापोखर (ससे) : भौंरा छह नंबर मल्लाह पट्टी में बीती रात छाया देवी, पति नंद किशोर प्रसाद, राजू रवानी व दामोदर साव के घर की दीवार अचानक गिर गई। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। गनीमत रही कि हादसे के समय कोई व्यक्ति मलबे की चपेट में नहीं आया।

बताया जाता है कि छाया देवी के पति नंद किशोर प्रसाद ने पूर्व में कंपनी प्रबंधन से शिफ्टिंग की मांग को लेकर कुसुम विहार में आवास उपलब्ध कराने के लिए आवेदन दिया था। बावजूद इसके अब तक कंपनी की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई। मजबूर होकर नंद किशोर प्रसाद का परिवार धनबाद में किराये के मकान में रहने को विवश है।

स्थानीय लोगों के अनुसार करीब १५ दिन पूर्व भी छह नंबर क्षेत्र में जीवन निषाद एवं राज किशोर सिंह के घर की दीवार गिर गई थी। दोनों परिवार भी

फिलहाल दूसरे स्थान पर किराये के मकान में रह रहे हैं। लगातार मकानों के क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र के लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है।

घटना की सूचना मिलने पर बीसीकेयू के क्षेत्रीय अध्यक्ष रंजीत यादव मौके पर पहुंचे और प्रभावित परिवार से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि इस संबंध में परियोजना पदाधिकारी रवि कुमार से फोन पर बातचीत हुई है। परियोजना पदाधिकारी ने सोमवार को कार्यालय में शिफ्टिंग के मुद्दे पर वार्ता करने का आश्वासन दिया है।

रंजीत यादव ने कहा कि भौंरा छह नंबर में हजारों की आबादी रहती है और यहां दर्जनों रैयत परिवार भी हैं। लंबे समय से क्षेत्र के लोगों के पुनर्वास और शिफ्टिंग का मुद्दा उठाया जा रहा है, लेकिन प्रबंधन की ओर से अपेक्षित पहल नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि प्रबंधन जल्द ठोस कदम नहीं उठाता है तो छह नंबर के लोग अपने अधिकारों के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में हैं।

लायंस क्लब ऑफ गोविन्दपुर का चार्टर एनिवर्सरी समारोह

गोविंदपुर (ससे) : लायंस क्लब गोविंदपुर का ४८वां चार्टर एनिवर्सरी समारोह सेवा,

समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की ४८ वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा को समर्पित रहा। समारोह के मुख्य अतिथि सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज में बदलाव केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि संवेदनशील लोगों की सक्रिय भागीदारी से आता है। समारोह की शुरुआत क्लब अध्यक्ष ईसा शमीम ने की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन महज वर्षगांठ नहीं, बल्कि क्लब की ४८ वर्षों की सेवायात्रा और भविष्य में समाज के प्रति और अधिक जिम्मेदारी निभाने के संकल्प का उत्सव है। कार्यक्रम के चेयरपर्सन अनुराग प्रदीप एवं संदीप विश्वकर्मा थे। सचिव राकेश कुमार ने वर्षभर की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। चार्टर सदस्य पीडीजी आरपी सरिया को लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र में डॉ. अनिल कुमार, डॉ. यूएल विश्वकर्मा, डॉ. अभिनव गौरव, डॉ. प्रसून आनंद, डॉ. नीता श्रीवास्तव, डॉ. एसके दे, डॉ. जीएल प्रसाद, डॉ. शशि भूषण सिंह सहित अन्य चिकित्सकों को तथा शिक्षा क्षेत्र में विजेता दास, श्वेता सिन्हा, चा श्रावणी, विक्रम कुमार एवं मुस्तकीम अंसारी को सम्मानित किया गया। इंजीनियर प्रशांत कुमार भी सम्मानित हुए। विधायक ने क्लब की मैगजीन 'सेवा पथ' का विमोचन किया। लायंस एसएसबीबी स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों मोहित महतो, अखिलेष महतो एवं खुशबू कुमारी को ३३ हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी गई। मौके पर कमल अग्रवाल, एलएन सेन, एजाज अहमद, शमीम अहमद, जितेंद्र विश्वकर्मा, कुमारकांत जायसवाल, संजय कुमार आदि मौजूद थे। संचालन राजेश जायसवाल एवं एमएल शर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन रौशन अग्रवाल ने किया।

रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित

धनबाद (कासं) : पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल द्वारा रेल

कर्मचारियों के बच्चों के लिए विद्यालय केंद्रीय संख्या१, धनबाद में निबंध प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के कुल १३९ बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों की आयु के अनुरूप प्रतियोगिता को तीन समूहों में विभाजित किया गया था। ग्रुप१ (६ से ९ वर्ष) के लिए स्वस्थ भोजन अथवा पौष्टिक आहार तथा मेरे कक्षा अध्यापक अथवा मेरी कक्षा अध्यापिका विषय निर्धारित किए गए थे। ग्रुप२ (१० से १२ वर्ष) के लिए मनोरंजन गतिविधियों का महत्व तथा संयुक्त परिवार अथवा एकल परिवार विषय रखे गए थे। वहीं ग्रुप३ (१३ से १५ वर्ष) के प्रतिभागियों के लिए देश की बढ़ती जनसंख्याबरदान या अभिशाप तथा पीढ़ी जेड (जेन जेड) विषय निर्धारित किए गए। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्ष प्रिया मिश्र ने प्रतियोगिता स्थल पर उपस्थित होकर प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों के उत्साह एवं मनोबल को बढ़ाने के लिए उन्हें उपहार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान संगठन की उपाध्यक्ष अल्पना झा, मृणालिनी, शैलि सहित संगठन की अन्य सदस्याएँ उपस्थित रहीं।

संगठन की सदस्यों ने बच्चों की प्रतिभा एवं उत्साह की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसी रचनात्मक, ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी गतिविधियों में बढ़चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस निबंध प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक लेखन, विचारों की अभिव्यक्ति, भाषा कौशल तथा समसामयिक एवं सामाजिक विषयों के प्रति जागरूकता विकसित करना था। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने अपनी रचनात्मक सोच एवं लेखन प्रतिभा का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ब्लीस फैमिली रेस्टोरेंट एंड बैंक्वेट हॉल का शुभारंभ

जोड़ापोखर (ससे) : डिगावडीह गणेश पूजा मैदान के समीप नवनिर्मित ब्लीस फैमिली रेस्टोरेंट एंड बैंक्वेट हॉल का भव्य उद्घाटन झरिया की पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने रेस्टोरेंट के संचालक व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आर.एन. मंडल एवं उनकी

पूरी टीम को ढेरों बधाई व शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि स्थानीय क्षेत्र में इस तरह के आधुनिक सुविधाओं वाले वेज व नॉनबेज रेस्टोरेंट और बैंक्वेट हॉल के खुलने से लोगों को परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण भोजन, साउथ इंडियन, नॉर्थ इंडियन, चाइनीज और तंदूर व्यंजनों का आनंद लेने के लिए एक बेहतरीन जगह मिलेगी।

इस अवसर पर क्षेत्र के कई राजनीतिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुख्तार खान, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य योगेंद्र यादव, भगवान दास, अनिल पाण्डेय, फ़ैयाज़ अहमद, सुरेंद्र राम, प्रीतम रवानी, आफ़ताब अंसारी, शाने अहमद, परवेज आलम, रविंद्र प्रसाद, मृणालकांत सिंह, भोला यादव, झुन्नू गुप्ता, अमरजीत यादव, गुड्डू पाण्डेय, शिवप्रकाश सिंह, राजू कुंडू, रामप्रवेश ढाढी, मो. अमजद, चंद्रेश्वर सिंह, वीरेंद्र तिवारी, राजीव पाण्डेय, रवि वर्मा, रवि पासवान, मो. जममुद्दीन, चंद्र मोहन शर्मा, राहुल पासवान, कारण कुमार और राजन कुमार सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

जनसमस्याओं के निदान को ले माले करेगी आंदोलन

कतरास (ससे) : भाकपामाले कार्यालय निचितपुर में अंचल सचिव भैरवनाथ महतो की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में कतरास में व्याप्त जन समस्याओं पर चिंता जाहिर करते हुए इसके निदान की दिशा में ठोस पहल करने का निर्णय लिया गया। बैठक में भूधंसान, अवैध कोयला खनन, लाचार बिजली व्यवस्था, बिजली बिल, आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि, कतरास कॉलेज एवं डीएवी महिला कॉलेज में शिक्षकों की कमी, श्रमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा एवं दवाइयों की कमी व सुविधा का अभाव, बेरोजगारी, आउटसोर्सिंग कंपनियों में ७५ प्रतिशत स्थानीय को नौकरी नहीं देने आदि समस्याओं के विषय में चर्चा किया गया। इस दौरान भाकपामाले पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो ने कहा कि कतरास-बाघमारा में समस्याओं की कमी नहीं है। सबसे बड़ी समस्या भू-धसान है। आए दिन भूधंसान की घटनाएं सामने आ रही है और लोग असमय ही काल कवलित हो रहे हैं। इन घटनाओं के लिए जिल प्रशासन एवं बीसीसीएल प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि इनलोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी कई सालों से इन समस्याओं पर जिला प्रशासन और बीसीसीएल को लिखित रूप से उचित कार्रवाई की मांग कर रही है। लेकिन आज तक परिणाम सामने नहीं आया। उन्होंने सीबीआई जांच की मांग करते हुए कहा कि पीड़ितों को पुनर्वास एवं मुआवजा दिया जाए। यदि ऐसा नहीं होता है तो भाकपामाले जन आंदोलन करेगी।

उन्होंने २७ सितंबर को शहीद भगत सिंह की जयंती के दिन से जन आंदोलन की शुरुआत करने की घोषणा की। बैठक में सुनील महतो, कपूर पंडित, शंकर प्रजापति, शंकर महतो, लकी बेसरा आदि मौजूद थे।

कांग्रेस परिवार ने तीज पर किया साड़ी व पूजन सामानों का वितरण

कतरास (ससे) : कांग्रेस परिवार कतरास के तत्वावधान में तीज पर २५ महिलाओं के बीच साड़ी एवं पूजन का सामान वितरण किया। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता प्रदीप पांडेय ने कहा कि सुहागिन महिलाओं के लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण त्यौहार है अपने सुहाग के रक्षा के लिए भगवान शिव एवं पार्वती की पूजा करती है. कांग्रेस परिवार की ओर से महिलाओं को साड़ी एवं पूजन का सामान वितरण किया. मौके पर कतरास चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव मनोज गुप्ता, प्रवीण सिंह, मनोज कुमार, देवानंद बर्मन, मनीष कुमार आदि आदि मौजूद थे।

शमशेर नगर में कचरे का अंबार, लोग परेशान

झरिया (ससे) : बेहतर शहर अभियान के तहत झरिया विधानसभा युवा कांग्रेस कमिटी ने वार्ड नंबर ४३ के शमशेर नगर मोहल्ले का दौरा किया। यह तस्वीर किसी सुदूर गांव की नहीं, बल्कि धनबाद नगर निगम क्षेत्र के वार्ड ४३ की है। मोहल्ले के बीचोंबीच लंबे समय से कचरा खुले में पड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों ने युवा कांग्रेस की टीम को बताया कि इस गंदगी के कारण पूरे इलाके में दुर्गंध फैली हुई है, मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और बीमारियों का खतरा लगातार बना हुआ है। मौके पर पहुंची युवा कांग्रेस की टीम ने स्थानीय लोगों से साफसफाई और नाली की बदहाल स्थिति पर विस्तार से बातचीत की। इस मामले पर युवा कांग्रेस ने धनबाद नगर निगम से सीधा सवाल किया है कि जब सफाई के नाम पर निगम के पास पूरी व्यवस्था और संसाधन मौजूद हैं, तो इस जगह से कचरा नियमित रूप से क्यों नहीं उठाया जा रहा है?

युवा कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं है, बल्कि जनसमस्या का समाधान कराना है। युवा कांग्रेस ने मांग की है कि इस स्थान की तत्काल साफसफाई कराई जाए। भविष्य में यहाँ दोबारा कचरा जमा न हो, इसके लिए स्थायी व्यवस्था की जाए। युवा कांग्रेस का कहना है कि धनबाद को भाषण नहीं, समाधान चाहिए।

राजस्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन

जोड़ापोखर (ससे) : डिगवाडीह स्थित मोनार्च रेस्टोरेंट कंफ्रेंस कक्ष में मानव अधिकार प्रोटेक्शन भारत के प्रदेश कमिटी के महासचिव मो शादाब के नेतृत्व में राजस्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मो शदाब कि देखरेख में प्रोटेक्शन के प्रदेश, जिला एवं प्रखंड स्तर पर संगठन का विस्तार किया गया जिसमे मनोनीत किए गए सभी पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष कृष्णनंद सिंह, उमेश सिंह, सुशील सिंह, उमेश तिवारी, कौशिक मिश्रा ने इस्तियाक अहमद को प्रदेश उपध्यक्ष, मो शदाब को महासचिव, स्वरूप राय को

जोड़ापोखर अध्यक्ष, अक्षय गुप्ता, मो. कैफ़ी, आकिब कमर, अजय दुबे आदि पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनकी कमिटी धनबाद में बेहतर कार्य कर रही है जिसके चलते संगठन से लोग लगातार जुड़ रहे हैं। उन्होंने निर्वाचित सभी पदाधिकारियों को जनहित में समाज के लिए कार्य करने तथा सरकार कि योजनाओं में समाज में अपने अधिकार के लिए पिछड़े लोगों को उनका अधिकार दिलाने को संघर्ष करने का आह्वान किया। मोके पर मो. शदाब, मो. इस्तियाक, दिलीप सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बिजली की समस्या से परेशान नागरिकों ने किया सड़क जाम

कतरास (ससे) : बिजली की समस्या से परेशान बाघमारा के नागरिकों ने इंदिरा चौक में सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण छोटे बड़े वाहन जाम में फंस गये। सड़क जाम कर रहे लोगों की यह मांग है कि बिजली की समस्या यहाँ नासूर बन गया है। जब तक उसका पुख्ता निदान नहीं मिल जाता यह सड़क जाम रहेगा। जाम करने वालों में मुख्य रूप से सत्यनारायण पांडे, राजू शर्मा, शंकर साव, अजय साव, राजेश गुप्ता, सुरेश साव, विक्की गुप्ता, भास्कर पांडे, विकास गुप्ता समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

शिल्पे अनन्या पत्रिका का विमोचन

धनबाद (कासं) : त्रैमासिक बांग्ला पत्रिका शिल्पे अनन्या के ७६वें अंक का विमोचन विभूति अपार्टमेंट, धनबाद स्थित पत्रिका कार्यालय में एक सादे एवं गरिमापूर्ण समारोह में किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. दीपक कुमार सेन ने की। इस अवसर पर विश्वजीत गुप्ता, पार्थ सेनगुप्ता, बैसाखी चंद्र, भोलानाथ सिंह और विनय राय सहित साहित्य एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोग उपस्थित थे। पत्रिका का ७६वाँ अंक विशेष अनुवाद अंक है। इसमें देश के पाँच राज्यों के ३१ लेखकों की रचनाएँ शामिल की गई हैं। विभिन्न क्षेत्रों और भाषाई पृष्ठभूमि से आने वाले लेखकों की रचनाओं को बांग्ला में प्रस्तुत करने के माध्यम से पत्रिका ने भाषा, साहित्य, ज्ञान और संस्कृति के बीच संवाद स्थापित करने की महत्वपूर्ण पहल की है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर डॉ. दीपक कुमार सेन ने कहा कि ७६वें अंक का प्रकाशन शिल्पे अनन्या की निरंतर यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने

कहा कि इस अंक में देशबुनिया के जानेमाने व्यक्तियों से संबंधित कहानियों, शोध तथा अन्य महत्वपूर्ण सामग्री का बांग्ला में अनुवाद प्रकाशित किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में मातृभाषा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। व्यक्ति अपनी मातृभाषा में किसी विषय को अधिक सहजता और गहराई से समझ सकता है। ऐसे में शिल्पे अनन्या जैसी पत्रिकाएँ ज्ञान को व्यापक समाज तक पहुँचाने के साथसाथ भाषाई और सांस्कृतिक संवाद को भी मजबूत करती हैं।

पार्थ सेनगुप्ता ने कहा कि पत्रिका के ७६वें अंक के विमोचन समारोह में शामिल होकर उन्हें खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने पत्रिका के निरंतर प्रकाशन और विकास की कामना की।विश्वजीत गुप्ता ने शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शिल्पे अनन्या निरंतर प्रगति करती रहे और अपने पाठकों के बीच साहित्य, ज्ञान एवं विचारों का प्रसार करती रहे। बैसाखी चंद्र ने पत्रिका के प्रति अपने आत्मीय लगाव को व्यक्त करते हुए कहा, जब भी मुझे यह पत्रिका मिलती है, मैं इसे पढ़ने के लिए तीनचार रात तक जाग जाता हूँ। यह अत्यंत शिक्षाप्रद और ज्ञानवर्धक पत्रिका है।

विनय राय ने भी पत्रिका के ७६वें अंक के प्रकाशन पर शुभकामनाएँ देते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने अपना शुभकामना संदेश भेजा। उन्होंने कहा कि व्यस्तता के कारण वे समारोह में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन ७६वें अंक के प्रकाशन पर पत्रिका परिवार को हार्दिक बधाई देते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिल्पे अनन्या अपने उद्देश्य और पथ पर निरंतर आगे बढ़ते हुए समाज तक ज्ञानवर्धक, शिक्षाप्रद और उपयोगी सामग्री पहुँचाने का कार्य जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि आज पढ़ने की संस्कृति धीरेधीरे कमजोर होती जा रही है। ऐसे समय में नियमित रूप से प्रकाशित होने वाली पत्रिकाएँ पढ़ने की आदत को जीवित रखने तथा समाज में विचार और संवाद की संस्कृति को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकती हैं। शिल्पे अनन्या इस दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उत्तराखंड के रुद्रपुर से वरिष्ठ लेखक एवं चिंतक पलाश विश्वास ने भी पत्रिका के ७६वें अंक के प्रकाशन एवं विमोचन पर अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

पूर्व थाना प्रभारी को दी गई विदाई

केन्दुआ (ससे) : केन्दुआडीह थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर प्रमोद पांडेय का स्थानांतरण झरिया थाना में हो गया। शांति समिति, पुलिस जनसहयोग समिति, क्षेत्र के गणमान्य जनों और केन्दुआडीह थाना परिवार के द्वारा पूर्व थाना प्रभारी का अंगवस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर विदाई और नय थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर शशि रंजन कुमार का स्वागत किया गया।

श्री पांडेय ने कहा कि विगत २० महीना मे सभी के सहयोग, मार्गदर्शन एवं सुझाव से अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था बनाए रखने में भरपूर सहयोग मिला। लोगों ने कहा कि श्री पांडेय मृदु

भाषी, और न्याय प्रिय थे। उनकी कार्यशैली हम सभी पर अमीत छाप छोड दिया है। सभी ने उज्जवल भविष्य की कामना किया। वही नये पदस्थापित थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर शशि रंजन कुमार ने कहा कि सभी के सहयोग से विधि व्यवस्था और शांति व्यवस्था कायम रखने का भरपूर प्रयास करेगें। अपराध मुक्त क्षेत्र मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी। मौके पर रामगोपाल भुवानिया, हरि प्रसाद पप्पू, मनुव्वर आलम, गोविन्द राउत, नीतु सिंह मनोज राय आदि उपस्थित थे। वही पुटकी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर वक्कार हुसैन ने नये थाना प्रभारी मुकेश चौधरी को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए पदभार सौपा। श्री चौधरी ने कहा कि अपराध पर नियंत्रण और शांति व्यवस्था कायम करना प्राथमिकता रहेगी।

मातृभाषा को प्राथमिकता देना हमारी सरकार की नीति
विवादों का समाधान राज्य नेतृत्व करेगा : अमित शाह

मुंबई, (ईएमएस): केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मातृभाषा को प्राथमिकता देना केंद्र सरकार की नीति का हिस्सा है और मातृभाषा को लेकर किसी बड़े संघर्ष की स्थिति पैदा होगी, ऐसा उन्हें नहीं लगता। उन्होंने कहा कि राज्यों के पास अनुभवी नेतृत्व है और स्थानीय स्तर पर उठने वाले विवादों का उचित समाधान निकालने में राज्य नेतृत्व पूरी तरह सक्षम है। कुछ लोग जानबूझकर विवाद को भड़काने या उसे बढ़ाने का प्रयास करते हैं, लेकिन ऐसे मामलों में राज्य नेतृत्व उचित रास्ता निकाल सकता है। मुंबई में आयोजित पत्रकार परिषद में अमित शाह ने कहा कि २०१४ से पहले देश भ्रष्टाचार, परिवारवाद और जातिवाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में देश ने इन चुनौतियों से बाहर निकलते हुए विकास की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है।

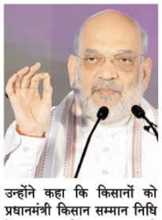

अमित शाह ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में २५ करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं और करीब १६ करोड़ लोगों को अपना घर मिला है। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत आर्थिक सहायता दी जा रही है, जबकि उज्ज्वला योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं।

उन्होंने बिजली कनेक्शन, सड़क और रेलवे के विस्तार का भी उल्लेख किया। शाह के मुताबिक, देश में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार के प्रयासों से नक्सलवाद पर भी प्रभावी ढंग से अंकुश लगाया गया है।

अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी ने शासन प्रमुख के तौर पर २५ वर्ष पूरे किए हैं। उन्होंने पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और बाद में देश के प्रधानमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली। शाह ने इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इसी अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से १७ सितंबर से १७ अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत देशभर में विभिन्न सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

'जेन-जी' आंदोलनों के सवाल पर अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है और भाजपा भारतीय लोकतंत्र तथा लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस की तरह 'इमरजेंसी माइंडसेट' में विश्वास नहीं करती।

शाह के मुताबिक, लोकतंत्र में जनता को आंदोलन करने का अधिकार है और सरकार इस अधिकार का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से होने वाले किसी भी आंदोलन की आवाज दबाने का सरकार का प्रयास नहीं होता। शाह के इन बयानों को भाषा, लोकतांत्रिक अधिकारों और केंद्र सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ आने वाले राजनीतिक अभियान के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वैष्णो देवी से लौट रहे दो श्रद्धालुओं की सड़क दुर्घटना में मौत

जालंधर,(ईएमएस) : जालंधर-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर भोगपुर की दाना मंडी के सामने रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों माता वैष्णो देवी के दर्शन करने के बाद ट्रैक्टर से सहारनपुर लौट रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनके ट्रैक्टर को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर के मडगार्ड पर बैठे बृज मोहन और महिपाल उछलकर सड़क पर जा गिरे। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने उन्हें और उनके साथी को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने बृज मोहन और महिपाल को मृत घोषित कर दिया। घायल साथी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान बृज मोहन पुत्र राम कला शर्मा निवासी पुआरका, थाना कोतवाली देहात, सहारनपुर और महिपाल पुत्र नकली निवासी सदारपुरा, थाना गंगू, जिला सहारनपुर के रूप में हुई है। दोनों के शव जालंधर सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखे गए हैं। पुलिस ने उनके परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है।

भोगपुर थाने के जांच अधिकारी तलविंदर के अनुसार रविवार देर रात करीब एक बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष से हादसे की सूचना मिली थी। इसके बाद थाना पुलिस और सड़क सुरक्षा बल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के बाद टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान के लिए हाईवे पर दुकानों और अन्य स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। हादसे के कारण हाईवे पर कुछ समय तक वाहनों की कतार लगी रही और यातायात प्रभावित हुआ।

गणेशोत्सव शोभायात्रा मामला: कांग्रेस सरकार पर बरसे आर. अशोक

बेंगलुरु,(ईएमएस) : कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा नेता आर. अशोक ने रविवार को गणेशोत्सव को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार राज्यभर में गणेशोत्सव मनाने वाले लोगों को परेशान कर रही है और पुलिस शोभायात्राओं पर तरह-तरह की पाबंदियां लगा रही है। अशोक ने टी. नरसीपुर में गणेशोत्सव आयोजकों को कथित रूप से धमकाने वाले पुलिस अधिकारी को तत्काल निलंबित करने की मांग की। अशोक ने आरोप लगाया कि सरकार त्योहार को लेकर एकतरफा रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं से मस्जिदों के सामने से शोभायात्रा नहीं निकालने, पटाखे नहीं फोड़ने और नृत्य नहीं करने को कहा जा रहा है। भाजपा नेता ने एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए दावा किया कि इसमें एक पुलिस अधिकारी गणेश पूजा समिति के सदस्यों को कथित तौर पर चेतावनी देते सुनाई दे रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अशोक ने कहा कि मद्दूर और कोलार समेत कई अन्य स्थानों पर भी गणेश प्रतिमाओं की स्थापना और शोभायात्राओं को लेकर अलग-अलग अनुमति लेने की शर्तें लगाई जा रही हैं। अशोक ने कहा कि आयोजकों को कई विभागों और कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर भी सवाल उठाया और आरोप लगाया कि समान नियम सभी धार्मिक स्थलों पर लागू नहीं किए जा रहे हैं।

ई 20 पेट्रोल वापस लें सरकार

मुंबई(ईएमएस): मशहूर वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और कार्यकर्ताओं के एक समूह ने सरकार से ई२० इंधन के रोलआउट को रोकने, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को समाप्त करने और देश भर में काला जादू विरोधी कानून बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी नीतियां वैज्ञानिक सबूतों पर आधारित होनी चाहिए। मुंबई में इंडिया मार्च फॉर साइंस के दौरान एक जॉइंट अपील जारी करते हुए हस्ताक्षर कर्ताओं ने छद्म विज्ञान को बढ़ावा देने, सबूतों को दरकिनार करने वाली सरकारी नीतियों और शिक्षा और रिसर्च में घटते सरकारी निवेश पर चिंता जताई है। इस अपील पर कई वैज्ञानिकों और कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर हैं। इसमें सीईबीएस मुंबई के पद्म भूषण मुंबई के पद्म भूषण पुरस्कार विजेता प्रो एमएस रघुनाथन; एसएसबी पुरस्कार विजेता और ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. एसजी दानी; एचबीसीएसई-टीआईएफआर के प्रो. अनिकेत सुले; मुंबई यूनिवर्सिटी और पूर्व टीआईएफआर के प्रो. बीएम अरोड़ा; पूर्व टीआईएफआर के डॉ. एन. कृष्णन; और मुंबई प्रेस क्लब के सचिव अनिल कुमार सिंह शामिल हैं।

बता दें, २०१७ में दुनिया के लगभग ६०० शहरों में इंडिया मार्च फॉर साइंस की शुरुआत हुई थी। इसके भारतीय चैप्टर सबूत-आधारित नीति-निर्माण और रिसर्च के लिए अधिक फंडिंग की वकालत करने के लिए देश भर में सालाना रैलियां आयोजित करते हैं। इस समूह ने ई२० फ्यूल पॉलिसी को तुरंत रोकने की मांग करते हुए लाइफ-साइकिल एनवायरनमेंटल असेसमेंट और सहायक बुनियादी ढांचे की कमी का हवाला दिया है।

इससे पहले भी विपक्षी पार्टियों खासकर आम आदमी पार्टी और शिवसेना ने सरकार के ई२० फ्यूल पॉलिसी की आलोचना की है। इस समूह की अपील में हाल ही में हुए पेपर लीक और देश भर में नीट के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन का भी हवाला दिया गया। और एनटीए को खत्म करने के साथ ही परीक्षा प्रणाली में बदलाव करने की मांग की है। इसके साथ ही, वैज्ञानिकों ने पिघलते ग्लेशियर, समुद्र के बढ़ते जलस्तर, इकोसिस्टम के खत्म होने और प्रजातियों के तेजी से विलुप्त होने पर चिंता जताई है।

वैज्ञानिकों की मांग है कि केंद्रीय बजट से कम से कम १० प्रतिशत और राज्य बजट से कम से कम ३० प्रतिशत हिस्सा शिक्षा के लिए आवंटित किया जाए। इसके साथ ही, रिसर्च पर होने वाले कुल खर्च को जीडीपी के मौजूदा ०.७ प्रतिशत से बढ़ाकर कम से कम ३ प्रतिशत करने की भी मांग की गई। आयोजकों ने विज्ञान अपनाएं, भविष्य सुरक्षित करें के नारे के तहत वैज्ञानिकों, शिक्षकों, छात्रों और नागरिकों से वैज्ञानिक पद्धति और तार्किक सोच को अपनाने का आग्रह किया, ताकि भारत के सामूहिक भविष्य को सुरक्षित किया जा सके।

वनतारा से 13 महीने बाद लौटी हथिनी महादेवी

कोल्हापुर(ईएमएस): हथिनी माधुरी, जिसे कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाना जाता है, करीब १३ महीने बाद गुजरात के वनतारा से महाराष्ट्र के कोल्हापुर लौट आई है। यहां नांदणी गांव स्थित जैन मठ पहुंचने पर शनिवार रात हजारों लोगों ने फूल बरसाकर उसका स्वागत किया। महादेवी को जुलाई २०२५ में हाई पावर कमेटी के निर्देश पर गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस फाउंडेशन के एनिमल सेंटर वनतारा भेजा गया था। कोल्हापुर में लोग इसका विरोध कर रहे थे।

केरल में 108 एंबुलेंस कर्मचारियों को हड़ताल की अनुमति नहीं

तिरुवनंतपुरम,(ईएमएस) : केरल के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने रविवार को 'कनिव-१०८' आपातकालीन एंबुलेंस सेवा के चालकों और कर्मचारियों को हड़ताल पर जाने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सरकार मरीजों की जान को खतरे में डालने की अनुमति नहीं देगी और १०८ एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवा में हड़ताल की इजाजत नहीं दी जा सकती।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कर्मचारियों ने इससे पहले भी वेतन संबंधी मांगों को लेकर हड़ताल का नोटिस दिया था। उस समय सरकार ने हस्तक्षेप कर उनके साथ समझौता किया था। इसके बावजूद कर्मचारी लगातार अपनी मांगें उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले में सख्त रुख अपनाएगी। मंत्री मुरलीधरन ने कहा कि १०८ एंबुलेंस सेवा गंभीर स्थिति वाले मरीजों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराती है। ऐसे में इस सेवा का बाधित होना मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार मरीजों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। विधानसभा चुनाव में हार की समीक्षा के लिए माकपा की विस्तारित राज्य समिति की बैठक पर भी स्वास्थ्य मंत्री ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि पार्टी को अपनी बैठक करने दीजिए, लेकिन उनके मुताबिक माकपा अपनी गलतियों को सुधारने के बजाय आगे और गलतियां करने की ओर बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि किसी भी स्थिति में पिनराई विजयन का नेतृत्व संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के लिए फायदेमंद ही साबित होगा।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर रोक

मुंबई (ईएमएस): मध्य प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने की चर्चा तेज हो गई है। प्रस्ताव का उद्देश्य डॉक्टरों की पूरी सेवाएं मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पतालों में उपलब्ध कराना है. मरीजों को बेहतर उपचार देना है। इसके साथ ही मेडिकल शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं छात्रों को प्रैक्टिकल ज्ञान ज्ञान हासिल हो. उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला और स्वास्थ्य आयुक्त की बैठक में इस बात पर विचार विमर्श किया गया है. डॉक्टरों के एक वर्ग ने इस तरह के प्रतिबंध पर सवाल उठाते हुए कहा है, पहले मेडिकल कॉलेजों में पर्याप्त सुविधाएं, स्टाफ, उपकरण, आवास और बेहतर वेतन उपलब्ध कराया जाए, उसके बाद निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाई जाए। डॉक्टरों का तर्क है, सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मरीजों का दबाव लगातार बढ़ रहा है, जबकि कई संस्थानों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी है। ऐसे में केवल निजी प्रैक्टिस रोकना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। देश के कुछ राज्यों में सरकारी डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर पहले से ही प्रतिबंध या कड़े प्रतिबंध लागू हैं। केरल और पश्चिम बंगाल में सरकारी डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर रोक है। बिहार ने अप्रैल २०२६ में सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर पूर्ण प्रतिबंध घोषित किया है। त्रिपुरा में भी अगरतला मेडिकल कॉलेज और जीबीपी अस्पताल के डॉक्टरों पर निजी प्रैक्टिस रोकते हुए २० प्रतिशत नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस मंजूर किया गया है। राजस्थान में मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य और अधीक्षकों पर निजी प्रैक्टिस की रोक का फैसला लागू है।

सागर शराब कांड में मृतक संख्या 36 हुई

सागर (ईएमएस): सागर जिले में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांड में उपचार के दौरान दो और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही जहरीली शराब से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर ३६ हो गई है। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अवैध शराब के निर्माण और बिक्री से जुड़े लोगों की तलाश में जुटी है।

वहीं, अस्पतालों में भर्ती अन्य प्रभावित लोगों के उपचार पर भी निगरानी रखी जा रही है। इस घटना ने अवैध शराब के कारोबार और प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता देने की मांग की है।

मोबाइल फोन नहीं मिलने से दुखी बच्ची ने उठाया खौफनाक कदम, इलाज के दौरान मौत

सूरत (ईएमएस): शहर के वराछा इलाके में मोबाइल फोन को लेकर एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। मोबाइल फोन नहीं मिलने से कथित तौर पर दुखी हुई एक बच्ची ने घर में अकेले रहने के दौरान गंभीर कदम उठा लिया। घटना के बाद परिजनों में मातम छा गया। जानकारी के मुताबिक, बच्ची ने अपनी मां से मोबाइल फोन मांगा था, लेकिन मां ने उसे मोबाइल देने से इनकार कर दिया। इसके बाद बच्ची कथित तौर पर काफी दुखी हो गई। इसी दौरान उसकी मां किसी काम से घर से बाहर चली गई थी और बच्ची घर में अकेली थी। बताया जा रहा है कि मां के बाहर जाने के बाद बच्ची ने घर का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और गंभीर कदम उठा लिया। कुछ समय बाद बच्ची की बहनों को घटना की जानकारी हुई। बहनों के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों और परिवारजनों को भी घटना का पता चला।

घर का दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण परिजनों और आसपास के लोगों ने दरवाजा खोलने का प्रयास किया। दरवाजा नहीं खुलने पर आखिरकार उसे तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया। बच्ची गंभीर हालत में मिली, जिसके बाद उसे तत्काल उपचार के लिए सूरत की स्मीमेर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्ची का उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी हालत बेहद गंभीर थी। इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद परिवार में गहरा शोक व्याप्त है। मोबाइल फोन को लेकर हुई नाराजगी के बाद बच्ची द्वारा इतना बड़ा कदम उठाए जाने की घटना ने बच्चों पर मोबाइल के प्रभाव और भावनात्मक संवेदनशीलता को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। घटना के वास्तविक कारणों और परिस्थितियों को लेकर पुलिस स्तर पर जांच की जा सकती है।

विमान का कबाड़ चोरी करने वाले तीन चोर गिरफ्तार

ग्वालियर,(ईएमएस): मध्यप्रदेश के ग्वालियर में वायुसेना स्टेशन से विमान का कबाड़ चोरी होने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर चोरी का सामान बरामद कर लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि शहर के महाराजपुरा इलाके में स्थित वायुसेना स्टेशन में कबाड़ गायब मिलने के बाद सुरक्षा अधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। महाराजपुरा थाने के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि वायुसेना स्टेशन से विमान संबंधी कबाड़ चोरी करने में कुछ मजदूर शामिल थे। उन्होंने बताया कि मामला वायुसेना से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

सीएम शिवकुमार का दावा- भाजपा के कई नेता कांग्रेस के संपर्क में

बेंगलुरु,(ईएमएस): कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को दावा किया कि भाजपा के कई नेता और कुछ केंद्रीय स्तर के नेता कांग्रेस के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि इन नेताओं की कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत चल रही है। शिवकुमार के इस बयान से राज्य की राजनीति में एक बार फिर संभावित दल-बदल की अटकलें तेज हो गई हैं।

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि भाजपा के कई नेता उनसे, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के अन्य नेताओं से बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला स्तर के मंत्रियों और पदाधिकारियों को कांग्रेस में शामिल होने के इच्छुक नेताओं की सूची तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस उन नेताओं का स्वागत करेगी जो पार्टी की विचारधारा और उसके नेतृत्व में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं को उनकी क्षमता और अनुभव के अनुसार जिम्मेदारियां दी जाएंगी। कांग्रेस पहले भी दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को संगठन और सरकार में अलग-अलग भूमिकाएं देती रही है और आगे भी जरूरत के अनुसार जिम्मेदारी दी जाएगी।

ब्रिक्स देशों के घोषणापत्र में भारतीय विदेश नीति की समावेशी और दूरदर्शिता दिखी: सीएम सरमा

दिसपुर,(ईएमएस): असम के सीएम हिमंत विसवा सरमा ने ब्रिक्स देशों के नई दिल्ली घोषणापत्र की सराहना करते हुए कहा कि यह बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारतीय विदेश नीति के ''व्यावहारिक, समावेशी और दूरदर्शी नेतृत्व'' को दर्शाता है। नई दिल्ली में १८वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में स्वीकार किए गए घोषणापत्र में ब्रिक्स देशों की मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों के प्रमुखों द्वारा हाल में जारी गुवाहाटी घोषणापत्र का भी स्वागत किया गया है। इसमें कहा गया है कि इससे ''ब्रिक्स देशों की मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों के बीच अभियानगत और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

सीएम सरमा ने एक पोस्ट में कहा है कि यह दस्तावेज बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारतीय विदेश नीति के व्यावहारिक, समावेशी और दूरदर्शी नेतृत्व का उदाहरण है। उन्होंने इस ऐतिहासिक दस्तावेज को सफलतापूर्वक स्वीकार किए जाने के लिए पीएम मोदी की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह घोषणापत्र भारत की अध्यक्षता की सफलता का सशक्त प्रमाण है। यह विषयवस्तु की दृष्टि से ठोस और दृष्टिकोण के लिहाज से दूरगामी है। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय सुधार और आतंकवाद से मुकाबले से लेकर नई प्रौद्योगिकी, कृषि एवं पशु संरक्षण के क्षेत्र में करीबी सहयोग तक कई अहम मुद्दों पर वैश्विक शक्तियों के बीच सहमति बनी है। इसमें 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को भी शामिल किया गया है। 'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें विकासशील, अल्प विकसित या अविकसित के रूप में जाना जाता है।

सरमा ने कहा कि नई दिल्ली घोषणापत्र में गुवाहाटी घोषणापत्र का उल्लेख अत्यंत प्रतीकात्मक और अहम कदम है क्योंकि असम मादक पदार्थों की तस्करी के एक अहम मार्ग पर स्थित है। जुलाई में स्वीकार किए गए गुवाहाटी घोषणापत्र में राष्ट्रीय कानूनों और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप सदस्य देशों के बीच सूचनाओं, खुफिया जानकारी और सर्वोत्तम तौर-तरीकों को समय पर साझा करने की जरुरत पर जोर दिया था। घोषणापत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कानून प्रवर्तन और नियामकीय प्रयासों को मजबूत करने के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों, डिजिटल माध्यमों और आंकड़ों पर आधारित तरीकों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। २०२६ में भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का मुख्य विषय 'लचीलेपन, नवोन्मेष, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' है। भारत की अध्यक्षता में ६-७ जुलाई को गुवाहाटी में ब्रिक्स देशों की मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों के प्रमुखों की दो दिवसीय बैठक हुई थी, जिसमें ब्राजील, चीन, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस और संयुक्त अरब अमीरात ने भाग लिया था।

बस सेवा की मांग को लेकर 27 किमी पैदल निकले 'जेन अल्फा' के छात्र

कच्छ (ईएमएस)। कच्छ जिले के नखत्राणा तालुका के नेत्रा गांव में विद्यार्थियों की बस सेवा से जुड़ी समस्या को लेकर एक अनोखा और ध्यान खींचने वाला विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। भुज से नारायण सरोवर के बीच चलने वाली बस सेवा नियमित करने की मांग को लेकर 'जेन अल्फा' पीढ़ी के छात्र और युवा सड़क पर उतर आए हैं। नेत्रा स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के पास से विद्यार्थियों ने २७ किलोमीटर लंबी पदयात्रा का शुभारंभ किया। इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में छात्र और युवा शामिल हुए। हाथों में अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद करते हुए विद्यार्थियों ने प्रशासन का ध्यान अपनी समस्या की ओर आकर्षित किया। विद्यार्थियों का कहना है कि नियमित बस सेवा उपलब्ध नहीं होने के कारण पढ़ाई के लिए आने-जाने वाले छात्रों को रोजाना काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए सार्वजनिक परिवहन की नियमित सुविधा शिक्षा तक आसान पहुंच के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

इसी समस्या के समाधान और भुज-नारायण सरोवर बस सेवा को नियमित करने की मांग को लेकर छात्रों ने विरोध का अनोखा गांधीवादी रास्ता चुना है। नेत्रा से शुरू हुई यह करीब २७ किलोमीटर लंबी पदयात्रा नखत्राणा बस डिपो पहुंचकर समाप्त होगी। यहां विद्यार्थी और युवा अपनी मांगों को प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखेंगे और बस सेवा को नियमित करने की मांग करेंगे। छात्रों के इस शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावी विरोध ने यह संदेश दिया है कि ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए नियमित परिवहन सुविधा केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि उनकी शिक्षा और भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है।

वालचंद देश में आधुनिक उद्योगों के जनक देश की पहली विमान निर्माता कंपनी बनाई

पुणे,(ईएमएस) : वालचंदनगर एक फेमस जगह है, जो महाराष्ट्र के पुणे जिले की इंदापुर तहसील में स्थित एक औद्योगिक टाउनशिप है। इस जगह का इतिहास दिलचस्प है, इसका नाम उद्योगपति सेठ वालचंद हीराचंद दोषी के नाम पर वालचंदनगर पड़ा। सेठ वालचंद हीराचंद दोषी का जन्म २३ नवंबर १८८२ को हुआ था। वे भारत के एक महान उद्योगपति, दूरदर्शी और वालचंदनगर इंडस्ट्रीज ग्रुप के फाउंडर थे। उन्होंने स्वतंत्रता के बाद भारत में आत्मनिर्भरता की नींव रखी और देश में भारी उद्योगों की शुरुआत की।

जानकारी के मुताबिक सेठ वालचंद एक जैन परिवार में जन्मे थे। अपने पिता के बैंकिंग और कॉटन के पारिवारिक बिजनेस में कुछ साल बिताने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें पारिवारिक बिजनेस में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने रेलवे के पूर्व क्लर्क लक्ष्मणराव बलवंत फाटक के साथ मिलकर कंस्ट्रक्शन के लिए रेलवे कॉन्ट्रैक्टर का काम शुरू किया। बाद में यह पार्टनरशिप फाटक-वालचंद प्राइवेट लिमिटेड बन गई। वालचंद एक सफल रेलवे कॉन्ट्रैक्टर साबित हुए, लेकिन वे बिजनेस के दूसरे आइडियाज के लिए भी तैयार थे।

सेठ वालचंद हीराचंद ने साल १९३४ में यहां एक चीनी कारखाने की स्थापना की थी। उन्होंने इस बंजर जमीन को गन्ने की खेती के लिए विकसित किया और इसी कारखाने के इर्द-गिर्द इस आधुनिक टाउनशिप का निर्माण हुआ, जिसे वालचंदनगर नाम दिया। वालचंदनगर को पुणे जिले में स्थित कलंब नाम के एक पुराने ग्रामीण इलाके के आस-पास बसाया गया था।

मैं दिमागी नक्सल हूं' यह कह कपिल सिब्बल ने भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली,(ईएमएस): राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने रविवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए खुद को 'दिमागी नक्सल' बताया। उन्होंने 'हॉर्स ट्रेडिंग एंड डेमोक्रेसी' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन की शुरुआत इसी टिप्पणी से की। सिब्बल ने कहा कि उन्हें यह स्वीकार करना है कि वह 'दिमागी नक्सल' हैं। 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की ओर से वैचारिक विरोधियों पर राजनीतिक हमले के लिए किया जाता रहा है। सिब्बल ने इसी शब्द का इस्तेमाल करते हुए सरकार और भाजपा पर तंज कसा। कार्यक्रम में सिब्बल ने विधायकों और सांसदों की खरीद-फरोख्त पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में युद्ध जीतने के लिए घोड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती थी और घोड़ों के व्यापारी खरीदारों को प्रभावित करने की कोशिश करते थे। उनके मुताबिक, आज राजनीतिक परिस्थितियां बदल गई हैं और नेताओं की खरीद-फरोख्त लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बन गई है।

सिब्बल ने कहा कि विधायकों और सांसदों की खरीद-फरोख्त कोई छोटा राजनीतिक घोटाला नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र के लिए बड़ा संकट है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद पैसों का लालच, पद का वादा या जांच से बचाने जैसे दबावों के जरिए बहुमत तैयार किया जाता है।

बिहार के 100 प्रोफेसर जाएंगे ऑक्सफोर्ड : सीएम सम्राट

पटना (एजेंसी): बिहार में उच्च शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ऐलान किया है कि राज्य के १०० सहायक प्रोफेसरों को ऑक्सफोर्ड समेत दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में ट्रेनिंग के लिए भेजा जाएगा। यह ट्रेनिंग एक महीने की होगी और इसका पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी। सरकार का मकसद बिहार के शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षण व्यवस्था और कोर्स से परिचित कराना है, ताकि राज्य में विद्यार्थियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।मुख्यमंत्री रविवार को बापू सभागार में २११ नए डिग्री कॉलेजों में नवनियुक्त शिक्षकों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने उच्च शिक्षा में सुधार को लेकर यह घोषणा की।

म ने कहा कि १०० शिक्षकों का चयन किया जाएगा और उन्हें ऑक्सफोर्ड सहित दुनिया के बड़े विश्वविद्यालयों में भेजकर वहां की शिक्षण व्यवस्था और कोर्स से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए दुनिया के अच्छे संस्थानों से जुड़ना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों से भी सुझाव लिए जाएंगे। अगर किसी शिक्षक को लगता है कि दुनिया में कोई ऐसा बेहतर संस्थान है, जिससे बिहार को जुड़ना चाहिए, तो वह इसकी जानकारी शिक्षा विभाग को दे सकता है। सरकार ऐसे १० संस्थानों को चिन्हित करेगी, जिनसे बिहार सरकार अपने खर्च पर सीधे संवाद स्थापित करेगी।

सम्राट चौधरी ने कहा कि एक समय बिहार में शिक्षा के विस्तार पर जोर दिया गया, जिससे बड़ी संख्या में विद्यार्थी पढ़ाई से जुड़े। लेकिन अब सिर्फ विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। शिक्षा में क्वालिटी और क्वांटिटी दोनों को साथ लेकर चलना होगा।

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से जुड़ाव इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने नए डिग्री कॉलेजों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक विद्यार्थी कॉलेज आकर पढ़ेंगे नहीं, तब तक संस्थानों का महत्व नहीं होगा। अधिकारियों और शिक्षकों को कॉलेजों में विद्यार्थियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीएम ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों के लिए ७५ फीसदी न्यूनतम उपस्थिति जरूरी होनी चाहिए। सरकार इस व्यवस्था की निगरानी के लिए भी काम करेगी। इसके साथ ही कॉलेजों में लाइव क्लास की व्यवस्था शुरू करने पर भी जोर दिया गया है।

निखिल कोचिंग संचालक ने मांगी सुरक्षा, कहा- खान सर से खतरा

पटना(ईएमएस) : बिहार की राजधानी पटना के मशहूर कोचिंग शिक्षक खान सर उर्फ फैजल खान एक बार फिर गंभीर विवादों में घिरे नजर आ रहे हैं। पहले रोशन आनंद के साथ उनके विवाद ने सुर्खियां बटोरी थीं, और अब करीब एक महीने पहले उत्तर प्रदेश की एक लड़की ने खान सर के खिलाफ पटना के पीरबहोर थाने में सुरक्षा को लेकर एक आवेदन दिया था, जिससे नया विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में निखिल कोचिंग संस्थान के डायरेक्टर निखिल कुमार ने उस लड़की का खुलकर समर्थन किया है, जिसके बाद उन्होंने खान सर के कथित गुर्गों द्वारा धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है।निखिल कुमार ने इस संबंध में पटना सिटी एसडीपीओ और पटना एसएसपी को एक लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में उन्होंने अपनी जान को खतरा बताते हुए कहा है कि उनके गुर्गों द्वारा उनकी रेकी (जासूसी) की जा रही है और उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है।

निखिल कुमार उर्फ रंजीत कुमार ने अपनी बात रखते हुए बताया कि जब उत्तर प्रदेश की लड़की ने आवेदन दिया था, तो उसमें उनका नाम भी लिखा गया था। इसके बाद उन्होंने खुलकर उस लड़की का समर्थन किया और मीडिया के सामने भी आए। निखिल कुमार का दावा है कि इसके बाद खान सर ने उन्हें बुलाया और पैसे के लेनदेन की बात की। उन्होंने कहा, खान सर ने मुझे बुलाया था जिसका तस्वीर भी मेरे पास है। उन्होंने कहा कि आपको जो चाहिए बोलिए और इस मामले में चुप रहिए। हालांकि, निखिल कुमार ने पैसे लेने से इनकार कर दिया और कहा कि वह उन लड़कियों का खुलासा करेंगे जिनका खान सर ने कथित तौर पर शोषण किया है। निखिल कुमार के अनुसार, इस घटना के बाद से उनके गुर्गे उनकी रेकी करते हैं और धमकी देते हुए कहते हैं कि आप पीछे हट जाइए नहीं तो पछताना पड़ेगा। इन धमकियों के बाद ही उन्होंने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। यह भी जानकारी सामने आई है कि खान सर शुरुआती दौर में निखिल कोचिंग में ही पढ़ाते थे। निखिल कोचिंग के डायरेक्टर निखिल कुमार अब उत्तर प्रदेश की लड़की के मामले पर खान सर को दोषी बता रहे हैं। उन्होंने एक बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि खान सर कई लड़कियों के साथ शोषण कर चुके हैं। निखिल कुमार ने दावा किया, सात से आठ लड़कियां हैं जो खान सर से प्रताड़ित हैं।

पटना हाई कोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश ने ली शपथ
शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए सम्राट चौधरी

पटना (एजेंसी): बिहार लोक भवन में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने पटना उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने समारोह में भाग लिया और नए मुख्य न्यायाधीश को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। समारोह में न्यायिक अधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्ता और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव का जन्म ७ अगस्त १९६५ को हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से भूगोल में ऑनर्स और एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। वे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश रहे और बाद में कर्नाटक उच्च न्यायालय में भी कार्य किया, जहां उन्होंने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में भी सेवाएं दीं। अब वे पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभाल चुके हैं।

समारोह के दौरान ली गई तस्वीरों में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी नए मुख्य न्यायाधीश के साथ बैठे दिखे, साथ ही राज्यपाल द्वारा शपथ दिलाने का दृश्य भी दर्ज किया गया।

नवजात को निजी अस्पताल ने बनाया बंधक, पुलिस ने छुड़ाया

गोरखपुर (ईएमएस): बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए रेफर की गई एक नवजात बच्ची को एंबुलेंस चालक ने धोखे से फातिमा बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचा दिया। स्वजनों का आरोप है कि निजी अस्पताल ने पहले ९६ हजार रुपये वसूले और फिर बच्ची को बंधक बनाकर डिस्चार्ज के लिए ९० हजार रुपये और मांगे।

पुलिस के हस्तक्षेप के बाद अतिरिक्त ३० हजार रुपये लेकर बच्ची को छोड़ा गया। कुशीनगर के कसया स्थित वरदान अस्पताल में २९ अगस्त को जन्मी इस बच्ची को सांस लेने में दिक्कत थी। प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने ५ सितंबर को उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। बच्ची के बाबा अर्जुन कुशवाहा ने बताया कि इसी दौरान एक निजी एंबुलेंस चालक ने उन्हें गुमराह किया और बेहतर इलाज का झांसा देकर शाहपुर के फातिमा बाईपास स्थित एकता मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती करा दिया।

व्यास पीठ से बहने वाली ज्ञान की धारा ने सामाजिक एकता बढ़ाई : सीएम योगी

रायबरेली,(ईएमएस) : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि मध्यकाल में देश की राजनीतिक कमजोरियों के बावजूद आध्यात्मिक चर्चा के पारंपरिक केंद्र व्यास पीठों से बहने वाली ज्ञान की धारा ने सामाजिक एकता को मजबूत करने का काम किया। इससे भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्थान को भी आगे बढ़ाने में मदद मिली। मुख्यमंत्री रायबरेली में आयोजित शिव महापुराण कथा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि भारत में धर्म को केवल पूजा-पाठ की विधियों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इसे समाज की जीवन शक्ति के रूप में अपनाया गया। धर्म को कर्तव्यों से जोड़ा गया और राष्ट्र की प्रेरक शक्ति माना गया। उन्होंने कहा कि मध्यकाल में विदेशी आक्रांताओं ने भारत के पवित्र स्थलों को नुकसान पहुंचाया, लेकिन व्यास पीठों से निकली ज्ञान की धारा ने समाज को एकजुट बनाए रखा। मुख्यमंत्री योगी ने श्रीरामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें मुगल बादशाह अकबर के दरबार के नवरत्नों में शामिल होने का प्रस्ताव दिया गया था। योगी के मुताबिक, जब तुलसीदास के सामने यह प्रस्ताव रखा गया तो उन्होंने पूछा कि अकबर कौन है। उन्हें बताया गया कि वह भारत का सम्राट है। इस पर तुलसीदास ने कहा कि उनके लिए एकमात्र राजा भगवान राम हैं। योगी ने कहा कि तुलसीदास ने उस दौर में भी भगवान राम को अपना एकमात्र राजा मानते हुए अकबर की सत्ता को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने भगवान शिव के विषपान का उल्लेख करते हुए कहा कि शिव ने संसार के कल्याण के लिए विषपान किया और नकारात्मकता को फैलने से रोका।

भरत तिवारी की मौत के बाद पहली बार घर पहुंचे डीएम-एसपी

पटना (एजेंसी): १७ जून को पुलिस एनकाउंटर में भरत तिवारी की मौत के बाद चर्चा में आए भोजपुर के बिलौटी गांव में शनिवार को डीएम मनीष कुमार मीना और एसपी अभिषेक दीक्षित पहली बार उनके पैतृक घर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने करीब आधे घंटे तक भरत के माता-पिता और परिजनों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। परिजनों ने भरत की मौत के मामले में न्याय, उनकी याद में स्मारक बनाने और घर व आसपास मिट्टी भराई की मांग रखी। घटना की जांच के लिए न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया है।

परिजनों ने गंगा कटान से प्रभावित बिलौटी के विस्थापित परिवारों की समस्याएं भी अधिकारियों के सामने रखीं। परिवार के मुताबिक, कई बाढ़पीड़ित अब तक सरकारी सहायता की सूची में शामिल नहीं हैं और विस्थापित इलाके में घर, सड़क व अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी है। डीएम ने भरोसा दिया कि पानी कम होने के बाद मिट्टी भराई, पक्की सड़क और घरों के लिए सहायता की दिशा में काम किया जाएगा। उन्होंने एसडीएम और सीओ को जरूरी कागजी प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए।

स्कूल को बनाया निशाना, 50 लाख की रंगदारी की धमकी

मुजफ्फरपुर (एजेंसी): मुजफ्फरपुर के कांटी में एक स्कूल को निशाना बनाकर देर रात जमकर फायरिंग की गई है। कांटी थर्मल पावर स्टेशन के ठीक सामने स्थित चंद्रशील स्कूल की बाउंड्री वॉल पर बदमाशों ने एक-दो नहीं, बल्कि लगातार १८ राउंड गोलियां चलाई। फायरिंग के बाद स्कूल की दीवार पर ५० लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाला धमकी भरा पोस्टर भी चिपकाया गया। घटना के बाद से स्कूल प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक और आसपास के लोगों में डर का माहौल है। गोलियों की आवाज इतनी तेज थी कि देर रात पूरा इलाका दहल उठा। जानकारी के मुताबिक, हथियारों से लैस बदमाश देर रात चंद्रशील स्कूल पहुंचे। उन्होंने स्कूल की चारदीवारी और गेट को निशाना बनाते हुए लगातार १८ चक्र फायरिंग की। गोलीबारी के निशान अब भी स्कूल की पक्की दीवार और गेट पर साफ देखे जा सकते हैं। मौके पर १८ खोखे भी मिले हैं।

पोस्टर में स्कूल प्रबंधन से ५० लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई है। साथ ही रकम समय पर नहीं देने पर गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी भी दी गई है। पोस्टर में स्कूल प्रबंधन को जान-माल के नुकसान की भी चेतावनी दी गई है। घटना की जानकारी मिलते ही कांटी थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दीवार पर चिपका धमकी वाला पोस्टर जब्त कर लिया है। इसके अलावा घटनास्थल से मिले १८ खोखों और दूसरे अहम सबूतों को भी जांच के लिए कब्जे में लिया गया है। अब पुलिस अपराधियों तक पहुंचने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। स्कूल परिसर के साथ-साथ नेशनल हाईवे के आसपास लगे कैमरों को भी देखा जा रहा है।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस ने पीएम मोदी का जताया आभार

नई दिल्ली,(ईएमएस): विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने रविवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी की ओर से किए गए स्वागत के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को मजबूत करने और 'हेल्थ फॉर ऑल' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए ब्रिक्स की प्रतिबद्धता की तारीफ की। घेब्रेयसस ने एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह ब्रिक्स नेताओं की ओर से डब्ल्यूएचओ और बहुपक्षवाद के लिए दिए गए मजबूत समर्थन की सराहना करते है।

उन्होंने कहा कि नई दिल्ली घोषणा में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज, मजबूत और लचीली स्वास्थ्य प्रणालियों, महामारी समझौते के तहत पैथोजन एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग एनेक्स पर वार्ता सफलतापूर्वक पूरी करने, टीबी को समाप्त करने के प्रयासों, स्वास्थ्यकर्मियों को मजबूत करने, डिजिटल स्वास्थ्य, पारंपरिक चिकित्सा के एकीकरण और 'हेल्थ फॉर ऑल' को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई। बता दें शनिवार को नई दिल्ली में १८वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपनाई गई 'नई दिल्ली घोषणा २०२६' में वैश्विक स्वास्थ्य पहलों में सहयोग बढ़ाने का स्वागत किया गया। साथ ही लचीले, समावेशी और लोगों को केंद्र में रखने वाले दृष्टिकोण के जरिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

रिपोर्ट के मुताबिक घोषणा में कहा गया कि ब्रिक्स देशों के बीच लगातार सहयोग जरूरी है और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए अनुभवों, नवाचारों तथा सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा किया जाना चाहिए। नेताओं ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुपक्षीय सहयोग को बनाए रखने और मजबूत करने पर जोर देते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की अहम समन्वयकारी भूमिका को रेखांकित किया।

ब्रिक्स नेताओं ने जुलाई में चंडीगढ़ में हुई १६वीं ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक के परिणामों का भी स्वागत किया। उन्होंने टीबी को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बताया और इससे निपटने के लिए समन्वित कार्रवाई, निरंतर निवेश, अनुसंधान तथा अनुभवों और नवाचारों के प्रभावी आदान-प्रदान की जरूरत पर जोर दिया।

इस बीच, डब्ल्यूटीओ की महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवेला ने भी पीएम मोदी के साथ हुई बातचीत के बाद बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और डब्ल्यूटीओ सुधार के लिए उनके समर्थन का आभार जताया। इवेला ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पीएम मोदी के साथ बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और डब्ल्यूटीओ की स्थिति पर सार्थक बातचीत हुई। इसमें संगठन में सुधार से जुड़े अवसरों और चुनौतियों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के साथ-साथ सार्थक डब्ल्यूटीओ सुधार के लिए अपना समर्थन जताया। ब्रिक्स के २०२६ के अध्यक्ष के रूप में भारत नई दिल्ली के भारत मंडपम में १८वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

खुली ई-निविदा सूचना

सं. सीओएस/सीआरजे/पीयूबी/ई-निविदा/19/0162, दिनांक: 10/09/2026 । निम्नलिखित ई-निविदाएँ लिंक www.ireps.gov.in के अधीन प्राप्त की जा सकती हैं। ऐसी ई-निविदा के लिए प्रस्ताव लिंक www.ireps.gov.in →login→ E-Tender Stores/Supply एक्सेस करते हुए केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जमा किया जा सकता है। किसी विशेष निविदा के बारे में कोई स्पष्टीकरण पाने के लिए या आईआरईपीएस संबंधित जानकारी, यदि कोई है, के लिए विक्रेतागण निम्नलिखित अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं: उप सीएमएम/पी/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन, 9163340721 या एएमएम/पी, 9163383704। क्रम सं.:[1]। निविदा सं.: 91260949 । सामग्री का संक्षिप्त विवरण: स्कीम-1 रोटर के लिए एंड रिंग प्लेट, ड्रॉइंग नंबर: एसकेईएल 4739 ऑल्ट.-3 या नवीनतम, स्पेसि. नं.: 4टीएमएस.096.068, रिव-2, ऑल्ट-3, एसटीआर नं.: सीएलडब्ल्यू/टीएम18109, रिव-1, ऑल्ट-1। [वारंटी की अवधि: डिलीवरी की तिथि के बाद 30 माह]। मात्रा: 3345.00 अदद। बयाना राशि जमा (रुपये): ₹445630.00। निविदा की अंतिम तिथि और समय (आईएसटी): 09/10/2026 को सुबह 11.00 बजे।

PR3/483 पीसीएमएम/चिरेका/चित्तरंजन

हमें: www.facebook.com/clwrailways पर लाइक करें

कु दिल्ली के 10 स्मारकों का होगा संरक्षण

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली के ऐतिहासिक स्मारकों को संरक्षित करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) की ओर से बड़े स्तर पर संरक्षण कार्य शुरू होने जा रहा है। पहले चरण में राजधानी के १० स्मारकों में संरक्षण कार्य को प्राथमिकता वाली सूची में लिया गया है। इनमें हौजखास, जंतर-मंतर और अग्रसेन की बावली, कुतुबमीनार परिसर और सफदरजंग मकबरा, हुमायूं का मकबरा, तुगलकाबाद किला और गयासुद्दीन तुगलक का मकबरा, कोटला फिरोज शाह और पुराना किला जैसे स्मारक शामिल हैं। हालांकि कुछ में काम शुरू भी हुआ है, मगर उसकी अभी गति धीमी है।

गोवा में जीएफपी गठबंधन का ऐलान

नई दिल्ली,(ईएमएस): २०२७ में होने वाले गोवा विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने राज्य की क्षेत्रीय पार्टी गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के साथ गठबंधन का ऐलान किया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को गठबंधन की घोषणा करते हुए इसका नाम 'गोवा फर्स्ट' रखा। उन्होंने कहा कि गठबंधन का उद्देश्य गोवा की जनता को एक राजनीतिक विकल्प उपलब्ध कराना है। केजरीवाल ने कहा कि गणेश चतुर्थी के अवसर पर इस गठबंधन की घोषणा करना शुभ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से गोवा के लोगों के सामने मुख्य रूप से कांग्रेस और भाजपा के बीच ही विकल्प रहा है। उनके मुताबिक, २०१७ में भाजपा से नाराज लोगों ने कांग्रेस को वोट दिया था, लेकिन बाद में कांग्रेस के विधायकों के भाजपा में जाने से राज्य में फिर भाजपा की सरकार बनी। केजरीवाल ने २०२२ के चुनाव का भी जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भी लोगों ने भाजपा के खिलाफ मतदान किया, लेकिन कांग्रेस के विधायकों के समर्थन से भाजपा की सरकार बनी। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां चुनाव के दौरान एक-दूसरे के खिलाफ बोलती हैं, लेकिन बाद में सरकार बनाने के लिए साथ आ जाती हैं। उन्होंने इसे गोवा की जनता के साथ धोखा बताया।

गोवा फॉरवर्ड पार्टी का नेतृत्व विजय सरदेसाई करते हैं। पार्टी की स्थापना २५ जनवरी २०१६ को हुई थी और उसका चुनाव चिह्न नारियल है। २०१७ के गोवा विधानसभा चुनाव में जीएफपी ने चार सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से तीन पर उसे जीत मिली थी। पार्टी को उस समय भाजपा की सरकार बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पार्टियों में माना गया था। केजरीवाल ने कहा कि 'गोवा फर्स्ट' गठबंधन राज्य के लोगों के सामने कांग्रेस और भाजपा से अलग विकल्प पेश करेगा।

चीन के सामने सुनियोजित आत्मसमर्पण की नीति अपना रही सरकार : जयराम

नई दिल्ली,(ईएमएस): ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय बैठक के बाद भारत-चीन संबंधों को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी से चार सवाल पूछे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चीन के सामने ''सुनियोजित आत्मसमर्पण'' की नीति अपना रही है। हालांकि, इन आरोपों पर सरकार या भारतीय जनता पार्टी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री की बैठक के बाद देश इन सवालों के जवाब जानना चाहता है। उन्होंने पहला सवाल १९ जून २०२० को चीन को दी गई प्रधानमंत्री की कथित ''क्लीन चिट'' को लेकर पूछा। रमेश ने कहा कि गलवान घाटी में १५-१६ जून २०२० की रात हुई झड़प में २० भारतीय जवान शहीद हुए थे। इसके चार दिन बाद सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा था कि न कोई भारत की सीमा में घुसा है और न ही कोई घुसा हुआ है। कांग्रेस नेता ने पूछा कि क्या इस बयान से बाद की बातचीत में भारत की स्थिति कमजोर नहीं हुई।

जयराम रमेश ने दूसरा सवाल लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में चीन की कथित क्षेत्रीय बढ़त को लेकर किया। उन्होंने दावा किया कि पूर्वी लद्दाख के बड़े हिस्से में भारत के पारंपरिक गश्त और चराई के अधिकार प्रभावित हुए हैं। साथ ही उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में चीनी गतिविधियों, स्थानों के नाम बदलने और ब्रह्मपुत्र नदी पर मेदोग परियोजना का मुद्दा उठाया।

कांग्रेस नेता जयराम ने तीसरे सवाल में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को चीन के कथित समर्थन को लेकर सरकार की नीति पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि २०२५ में सैन्य प्रतिष्ठान की ओर से चीन की भूमिका को लेकर जो आकलन सामने आया था, बाद में पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान के बयान में अलग रुख दिखाई दिया। जयराम रमेश ने पूछा कि क्या यह बदलाव शी जिनपिंग के साथ बैठक से पहले माहौल बदलने की रणनीति का हिस्सा था।

चौथे सवाल में उन्होंने चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर सरकार को घेरा। रमेश के मुताबिक, २०२५-२६ में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा ११२.६ अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण कच्चे माल, कलपुर्जों और मध्यवर्ती वस्तुओं के लिए चीन पर निर्भरता बढ़ना चिंता का विषय है।

सुरक्षा परिषद में भारत को मिलेगा वीटो पॉवर

नई दिल्ली,(ईएमएस): रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को सुरक्षा परिषद में शामिल करने की बात करते हैं तो अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के विश्लेषक इसे सीधे तौर पर भारत की स्थाई सदस्यता के समर्थन के रूप में देख रहे हैं। एशिया से भारत आज ना केवल दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है बल्कि आर्थिक और सामरिक दृष्टि से ग्लोबल साउथ का सबसे प्रभावी नेतृत्वकर्ता बनकर उभरा है। अब सवाल यह है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार क्यों अनिवार्य देखिए वर्तमान सुरक्षा परिषद का ढांचा १९४५ की परिस्थितियों पर आधारित है। जहां केवल स्थाई सदस्यों के पास वीटो पावर है और पिछले आठ दशक में दुनिया पूरी तरह बदल चुकी है। पूरे अफ्रीकी महाद्वीप और लैटिन अमेरिका से एक भी स्थाई सदस्य नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिअक दुनिया की ६०फीसदी से अधिक आबादी एशिया में रहती है। फिर भी यहां से केवल एक स्थाई सदस्य है। समकालीन वैश्विक संकट युद्ध और मानवीय युद्ध को हल करने में मौजूदा ढांचा बार-बार अप्रभावी साबित हुआ है। वैसे भारत लंबे समय से जी४ भारत, जापान, जर्मनी, ब्राजील के जरिए सुधारों की मांग उठाता रहा है और सबसे बड़ी बात भारत के पक्ष में ठोस तर्क है। संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में शांति अभियानों में सबसे बड़ा सैन्य और मानवीय योगदान देने वाले देशों में भारत पहले नंबर पर रहा है। भारत ने हमेशा विकासशील देशों, ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं जैसे खाद्य सुरक्षा, जलवायु न्याय और डिजिटल समावेशन को वैश्विक एजेंडे पर मजबूती से रखा है।

दिल्ली में अब 4 मंजिला बिल्डिंग झुकी लोगों को बाहर निकाला गया

नई दिल्ली (ईएमएस): पिछले हफ्ते दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने के बाद अब गांधी नगर में ४ मंजिला बिल्डिंग एक तरफ झुक गई। इससे पहले कि किसी तरह की कोई अनहोनी हो, लोगों को बिल्डिंग से बाहर निकाल दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस और नगर दिल्ली में अब शाहदरा इलाके के गांधी नगर में चार मंजिला इमारत अचानक एक तरफ झुक गई। इससे आसपास रहने वाले लोगों में घबराहट फैल गई। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि इमारत में रहने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने तुरंत इमारत को खाली करा लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और एहतियात के तौर पर इलाके की घेराबंदी कर दी। सुरक्षा कारणों से लोगों को इमारत के पास जाने से रोक दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली नगर निगम की एक टीम भी मौके पर पहुंची और इमारत की हालत का जायजा लिया।

15 तक ही जमा होगा फॉर्म-6, एसआईआर में नाम जुड़वाने का आखिरी मौका

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की समय रहते फॉर्म-6 और घोषणा पत्र जमा करने की अपील

रांची (एजेंसी): विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-६ जमा करने की अंतिम तारीख १५ सितंबर है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने ऐसे सभी पात्र भारतीय नागरिकों, खासकर युवाओं से समय रहते फॉर्म-६ और घोषणा पत्र जमा करने की अपील की है, जो अभी तक मतदाता सूची के प्रारूप में शामिल नहीं हो पाए हैं। आवेदन ईसीआईनेट या संबंधित बीएलओ के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिन युवाओं ने एक अक्टूबर २०२६ को १८ वर्ष की आयु पूरी कर ली है, उन्हें १५ सितंबर तक फॉर्म-६ जमा कर अपना नाम एसआईआर की मतदाता सूची में शामिल कराना चाहिए। इसके बाद वर्तमान एसआईआर के तहत तैयार होने वाली मतदाता सूची में उनका नाम शामिल नहीं हो सकेगा।

एसआईआर सूची का भविष्य में भी मिलेगा लाभ

के. रवि कुमार ने कहा कि एसआईआर के तहत तैयार मतदाता सूची को स्थायी दस्तावेज के रूप में संधारित किया जाएगा। वर्तमान एसआईआर में वर्ष २००३ की मतदाता सूची के दस्तावेजों से मिलान के आधार पर मतदाताओं और उनके बेटे-बेटियों को कई अन्य दस्तावेज देने से छूट का लाभ मिल रहा है। इसी तरह भविष्य में वर्तमान एसआईआर की मतदाता सूची में दर्ज नाम का लाभ संबंधित मतदाता और उसके बच्चों को मिल सकता है। इसलिए पात्र नागरिक समय रहते फॉर्म-६ जमा करें।

75 मतदान केंद्रों पर एक भी फॉर्म-6 नहीं

१३ सितंबर तक फॉर्म-६ की मतदान केंद्रवार समीक्षा में राज्य के ३१,८९२ मतदान केंद्रों में से ७५ मतदान केंद्र ऐसे मिले, जहां अब तक एक भी फॉर्म-६ प्राप्त नहीं हुआ है। वहीं ५,५९१ मतदान केंद्रों पर केवल एक से पांच आवेदन मिले हैं। आंकड़ों के अनुसार ८,६१८ मतदान केंद्रों पर ६ से १०, ११,३२९ केंद्रों पर ११ से २०, ४,०७६ केंद्रों पर २१ से ३० और २,२०३ मतदान केंद्रों पर ३० से अधिक फॉर्म-६ प्राप्त हुए हैं।

रांची में 62 मतदान केंद्रों पर शून्य आवेदन

जिन मतदान केंद्रों पर अब तक एक भी फॉर्म-६ नहीं आया है, उनमें रांची के सर्वाधिक ६२ मतदान केंद्र शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्रवार देखें तो कांके (अजा.) में ५२ मतदान केंद्रों पर अब तक एक भी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

वहीं एक से पांच फॉर्म-६ वाले मतदान केंद्रों में रांची के ९०४, हजारीबाग के ६२८, गिरिडीह के ५१५, देवघर के ४५५ और चतरा के ३६९ मतदान केंद्र शामिल हैं।

बीएलए-2 से युवाओं को जोड़ने में सहयोग की अपील

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अपने बीएलए-२ को सक्रिय करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि बीएलए-२ अपने-अपने मतदान केंद्र क्षेत्र के पात्र युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें। साथ ही ईसीआईनेट अथवा बीएलओ के माध्यम से फॉर्म-६ भरने में उनकी सहायता करें। मतदाता सूची तैयार करने में राजनीतिक दलों को महत्वपूर्ण हितधारक बताते हुए उन्होंने इस काम में सहयोग की अपेक्षा की है।

877 पदों पर अनुशंसा के बाद भी नियुक्ति पत्र की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थी, बंधु तिर्की से लगाई गुहार

रांची (एजेंसी): झारखंड में +२ स्कूलों के लिए माध्यमिक आचार्य के १,३७३ पदों पर पहली बार निकली नियुक्ति प्रक्रिया में ८७७ पदों के लिए नियुक्ति की अनुशंसा संबंधित विभाग की ओर से हो चुकी है, लेकिन सफल अभ्यर्थियों को अब तक नियुक्ति पत्र नहीं मिला है। मिली खबर के मुताबिक करीब दो महीने से नियुक्ति पत्र का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों ने अब सरकार से जल्द नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की मांग की है।

इसी मांग को लेकर अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की से मुलाकात की और उन्हें अपनी समस्या से अवगत कराया। अभ्यर्थियों ने कहा कि जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के साथ राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, कंप्यूटर साइंस समेत कुल २३ विषयों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। ऐसे में अनुशंसा के बाद नियुक्ति पत्र जारी करने में हो रही देरी से अभ्यर्थियों में निराशा बढ़ रही है।

सरकार तक पहुंचाएंगे शिकायत

अभ्यर्थियों के अनुसार, झारखंड गठन के २६ वर्षों के बाद राज्य के +२ स्कूलों में माध्यमिक आचार्य के १,३७३ पदों पर नियुक्ति के लिए पहली बार विज्ञापन जारी किया गया था। वर्तमान में आयोग एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से ८७७ पदों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा की जा चुकी है। इसके बावजूद सफल अभ्यर्थी नियुक्ति पत्र के लिए लगातार इंतजार कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बंधु तिर्की से जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं समेत अन्य विषयों के सफल अभ्यर्थियों को जल्द नियुक्ति पत्र वितरित कराने के लिए सरकार के स्तर पर पहल करने की मांग की। बंधु तिर्की ने अभ्यर्थियों को भरोसा दिलाया कि उनकी बात को सरकार तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कृषि मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की से मुलाकात कराने के साथ मुख्यमंत्री से भी अभ्यर्थियों की भेंट कराने का आश्वासन दिया। इस बीच नागपुरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हरि उरांव भी सक्रिय रहे। मुलाकात के दौरान विनय टुडू, जेवियर मरांडी, मुजफ्फर अंसारी, मीना कुमारी, मिलन कुमार प्रजापति, अनिमेश उरांव, संजय नायक, आजाद बर्णवाल, प्रदीप उरांव, अमर उरांव समेत अन्य अभ्यर्थी मौजूद थे।

बीएसएफ ने गंगा की तेज धार में फंसे 10 बांग्लादेशियों की बचाई जान

साहिबगंज (एजेंसी): भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने एक बार फिर अपनी मुस्तैदी और इंसानियत का सबूत दिया है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में गंगा की तेज धारा में डूब रहे १० बांग्लादेशी नागरिकों को जवानों ने सुरक्षित बचा लिया। बीएसएफ की ७१वीं बटालियन के जवान रघुनाथगंज थाना क्षेत्र के खंडूआ इलाके में ड्यूटी पर थे। इसी दौरान उन्हें नदी की धारा में कुछ लोगों के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। जवानों ने बिना देर किए अपनी स्पीड बोट उतारी और नदी में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू किए गए सभी लोग बांग्लादेश के चपैनबाबगंज जिले के रहने वाले हैं। पूछताछ के दौरान पीड़ितों ने बताया कि उनके गांव में बाढ़ का पानी भर गया था। वे अपनी जान बचाने के लिए नाव से अपने ही देश के किसी सुरक्षित स्थान की ओर जा रहे थे। रास्ते में गंगा नदी की तेज धारा के कारण उनकी नाव अनियंत्रित होकर डूब गई।

पूजा में सुरक्षा से समझौता नहीं, रात 10 बजे बाद लाउडस्पीकर बंद

राजधानी में दुर्गा पूजा को लेकर 28 बिंदुओं की गाइडलाइन, पंडालों में सीसीटीवी और अग्नि सुरक्षा अनिवार्य

रांची (एजेंसी): दुर्गा पूजा के दौरान पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था से लेकर ध्वनि नियंत्रण और विसर्जन तक के नियम तय कर दिए गए हैं। रांची जिला प्रशासन ने पूजा समितियों के लिए २८ बिंदुओं की गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत रात १० बजे से सुबह छह बजे तक लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर रोक रहेगी। पंडालों में अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार और पर्याप्त सीसीटीवी की व्यवस्था करनी होगी। वहीं, बिजली सजावट के लिए स्वीकृत कनेक्शन और विद्युत सुरक्षा प्रमाणपत्र लेना अनिवार्य होगा।

प्रशासन ने पंडाल और गेट के निर्माण को लेकर भी सुरक्षा मानक तय किए हैं। पंडाल मकान, गैस गोदाम, ट्रांसफॉर्मर, बिजली के तार, रेलवे लाइन और हाईटेंशन तार से सुरक्षित दूरी पर बनाने होंगे। निर्माण में ज्वलनशील और सिंथेटिक कपड़ों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। पंडाल की मजबूती का प्रमाणपत्र भवन निर्माण विभाग के संबंधित अभियंता से लेना होगा। महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश और निकास मार्ग के साथ आपातकालीन निकास की व्यवस्था भी करनी होगी।

बिजली सजावट के लिए अनुमति जरूरी

पूजा पंडालों में बिजली की सजावट के लिए झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड से स्वीकृत विद्युत भार के आधार पर कनेक्शन लेना होगा। वायरिंग की सुरक्षित व्यवस्था, सभी विद्युत उपकरणों और धातु के स्ट्रक्चर की अर्थिंग करनी होगी। अस्थायी वायरिंग के लिए विद्युत विभाग के संबंधित अभियंता से सुरक्षा प्रमाणपत्र लेना होगा। जेनरेटर को पंडाल से सुरक्षित दूरी पर रखना होगा।

आग से बचाव के इंतजाम भी अनिवार्य

पंडाल के अंदर या आसपास ज्वलनशील सामग्री जमा नहीं की जा सकेगी। अग्निशमन यंत्र, पानी और सूखी बालू से भरी बाल्टियां तथा रबर हैंड ग्लव्स रखने होंगे। अग्निशमन विभाग के निर्देशों का पालन कर अग्नि सुरक्षा संबंधी अनापत्ति प्रमाणपत्र लेना होगा। प्राथमिक उपचार की व्यवस्था भी करनी होगी।

सीसीटीवी से निगरानी, स्वयंसेवकों की सूची थाने में

पंडाल के अंदर-बाहर और आने-जाने वाले रास्तों में पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे। उनकी निगरानी के लिए व्यवस्था भी करनी होगी। पूजा समितियों को स्वयंसेवक नियुक्त कर उन्हें पहचान पत्र देना होगा और उनकी सूची संबंधित थाना प्रभारी को उपलब्ध करानी होगी। पंडाल के बाहर समिति पदाधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं के मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने होंगे।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने पर रोक

प्रशासन ने पूजा के दौरान सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुपों में संदिग्ध या आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित नहीं करने को कहा है। किसी तरह की अफवाह मिलने पर इसकी सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को देने का निर्देश है। भीड़ के दौरान छिनतई या पॉकेटमारी करते पकड़े जाने वाले लोगों को पुलिस के हवाले करना होगा। फूड स्टॉल और मेला पंडाल से पर्याप्त दूरी पर सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से ही लगाया जा सकेगा।

सोनाहातू में तेज रफ्तार ट्रक का कहर बाइक में मारी टक्कर, पति-पत्नी की मौत

रांची (एजेंसी): सोनाहातू क्षेत्र के बरेंदा टोला में रविवार को एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई। रफ्तार के कहर ने एक झटके में पूरे परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। एक बेकाबू ट्रक ने आगे जा रही मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार पति-पत्नी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना के बाद से ही क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। हादसे के तुरंत बाद सड़क पर राहगीरों का जमावड़ा लग गया। मृतक दंपती पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के निवासी थे। ४५ साल के रमेश महतो अपनी ४२ वर्षीया पत्नी सिंधुवाला देवी के साथ किसी जरूरी काम से मोटरसाइकिल पर निकले थे। सोनाहातू के पास पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें बुरी तरह रौंद दिया। टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों दूर जा गिरे। गंभीर चोट की वजह से मौके पर ही उनकी सांसें थम गईं।

मामले की जानकारी मिलते ही सोनाहातू थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी प्रेम प्रदीप ने बताया कि दुर्घटना के बाद चालक वाहन समेत भागने में कामयाब रहा। पुलिस ने दोनों के शवों का पंचनामा कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार चालक की पहचान और ट्रक की जब्ती के लिए आसपास के इलाकों में संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

वृद्ध को स्कूल वैन ने मारी टक्कर

सदर थाना क्षेत्र के दीपाटोली स्थित पीतांबर रिमझिम बार के पास एक सफेद रंग की स्कूल वैन ने वृद्ध भदवा बड़ाईक को टक्कर मार दी। इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सीने में गंभीर चोट आई है। वैन चालक वाहन लेकर फरार हो गया। गंभीर हालत में परिजनों ने वृद्ध को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायल दीपाटोली न्यू नगर के रहनेवाले हैं। वह रिमझिम बार के पास स्थित बैंक जा रहे थे। परिजनों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज में सफेद रंग की स्कूल वैन वृद्ध को टक्कर मारने के बाद मौके से जाती दिख रही है। वृद्ध के दामाद टेनु बड़ाई ने सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

पृष्ठ एक का शेषांश

खनिज गाड़ियों पर---

सिस्टम लाने की तैयारी की है। बिहार में १० जून से लघु खनिज लेकर राज्य की सीमा में प्रवेश करने वाले वाहनों के लिए ट्रांजिट पास शुल्क अनिवार्य किया गया है। वहां बालू और पत्थर जैसे लघु खनिजों से लदे वाहनों से ६० रुपये प्रति मीट्रिक टन अथवा ८५ रुपये प्रति घनमीटर, जो भी लागू हो, की दर से शुल्क लिया जा रहा है। इसी मॉडल के आधार पर झारखंड में भी अंतरराज्यीय खनिज परिवहन के लिए शुल्क आधारित ऑनलाइन व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

अवैध खनिज परिवहन पर लगेगी रोक

खान एवं भूतत्व विभाग के अनुसार, फिलहाल दूसरे राज्यों से झारखंड में आने वाले खनिजों की मात्रा, प्रकार और उनके परिवहन पर निगरानी रखने के लिए कोई प्रभावी केंद्रीकृत व्यवस्था नहीं है। इस वजह से खनिज परिवहन की निगरानी में कई तरह की चुनौतियां सामने आती हैं। नई आईएसटीपी व्यवस्था लागू होने के बाद दूसरे राज्यों से झारखंड में आने वाले खनिज वाहनों का ऑनलाइन रिकॉर्ड तैयार हो सकेगा और उनके परिवहन पर बेहतर निगरानी रखी जा सकेगी।

एक ही चालान पर दोबारा ढुलाई पर भी लगेगी रोक

नई व्यवस्था का उद्देश्य सिर्फ राज्य के राजस्व में वृद्धि करना नहीं है, बल्कि खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण करना भी है। विभाग को उम्मीद है कि ऑनलाइन ट्रांजिट पास सिस्टम लागू होने से एक ही चालान के आधार पर बार-बार खनिज ढुलाई करने जैसी गतिविधियों पर भी रोक लगेगी। हर खनिज वाहन और उसके परिवहन से संबंधित जानकारी ऑनलाइन दर्ज होने के कारण जांच और निगरानी की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी हो सकेगी।

ऑनलाइन ही करना होगा शुल्क का भुगतान

आईएसटीपी के लिए निर्धारित शुल्क का भुगतान केवल ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। बिना शुल्क जमा किए किसी वाहन को झारखंड की सीमा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे वाहनों को सीमा पर ही रोकने की व्यवस्था की जाएगी। सरकार का मानना है कि ऑनलाइन शुल्क भुगतान और ट्रांजिट पास की अनिवार्यता से अंतरराज्यीय खनिज परिवहन की निगरानी मजबूत होगी और राज्य को अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा।

जहाजों पर नाविक अब---

वैश्विक समुद्री कार्यबल में भारत की हिस्सेदारी करीब १२.१६ फीसदी है और ३ लाख से ज्यादा भारतीय नाविक अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर काम कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में संघर्ष में भारतीय जहाजों और भारतीय क्रू वाले विदेशी जहाजों को भी जोखिम का सामना करना पड़ा है। इसी तरह रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ब्लैक सी में व्यापारिक जहाजों पर हमलों ने भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है।

नाविकों की सुरक्षा के लिए भारत पहले से भी कई स्तरों पर काम कर रहा है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग का २४ घंटे कंट्रोल रूम, भारतीय नौसेना की सुरक्षा व्यवस्था और विदेश मंत्रालय के रैपिड रिस्पॉन्स सिस्टम जैसे तंत्र संकट के दौरान सक्रिय रहते हैं। अब भारत चाहता है कि इसी तरह की व्यवस्था को ब्रिक्स के स्तर पर व्यापक बनाया जाए। पीएम मोदी ने वैश्विक संस्थाओं में सुधार की जरूरत बताते हुए प्रतिनिधित्व, प्रभावी प्रतिक्रिया और नियम बनाने को अहम बताया है। इस प्रस्ताव का भू-राजनीतिक महत्व भी काफी बड़ा है। ब्लैक सी क्षेत्र में रूस की अहम भूमिका है, जबकि होर्मुज और फारस की खाड़ी में ईरान प्रभावशाली शक्ति है। भारत का संदेश साफ है वैश्विक व्यापार की रफ्तार बनाए रखने वाले नाविकों की सुरक्षा भी अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्राथमिकता होनी चाहिए।

पीएम मोदी-जिनपिंग की---

हितों को ध्यान में रखते हुए सीमा से जुड़े मुद्दों को निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक तरीके से हल करने पर प्रतिबद्धता दोहराई। भारत का साफ कहना है सीमा संबंधी मौजूदा समझौतों और सहमतियों का पूर्ण पालन किया जाना चाहिए। चीन चाहता है कि सीमा विवाद को लंबित रखते हुए भी बाकी संबंधों को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वहीं भारत का रुख २०२० गलवान झड़प के बाद से बिल्कुल साफ है। भारत का कहना है कि जब तक सीमा पर पूर्ण शांति स्थापित नहीं होती और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति सामान्य नहीं होती तब तक द्विपक्षीय संबंधों का सामान्य विकास संभव नहीं है। भारत चाहता है कि सीमा शांतिपूर्ण रहनी चाहिए और मौजूदा समझौतों का पालन किया जाना चाहिए। बैठक में पीएम मोदी ने भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए चीन के समर्थन और सम्मेलन की सफलता में उनके योगदान की सराहना की। चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि दोनों देश एक-दूसरे की ताकत से सीखकर साझा विकास हासिल कर सकते हैं। उन्होंने ब्रिक्स सहयोग को बढ़ाने के लिए साथ चलने का भी आह्वान किया।

2029 से पहले भाजपा---

पर सामने आया है। यूसीसी का मुद्दा भाजपा के बड़े राजनीतिक एजेंडे से जुड़ा है, जबकि सेवा अभियान के जरिए पीएम मोदी के २५ साल के सार्वजनिक जीवन को केंद्र में रखा जा रहा है। ऐसे में आने वाले समय में दोनों मुद्दे भाजपा की राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियों में अहम दिखाई दे सकते हैं।

जेएसएससी-सीजीएल फर्जीवाड़े में देवघर से सचिवालय का क्लर्क गिरफ्तार, 2 दर्जन अभ्यर्थियों से सेटिंग का आरोप

देवघर (एजेंसी): जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में हुए फर्जीवाड़े की जांच में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने देवघर से सचिवालय के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी सुधाकर यादव है। वह देवघर के रिखिया थाना क्षेत्र में छिपा हुआ था। पुलिस ने गुप्त सूचना पर उसके ठिकाने पर छापेमारी की और उसे दबोच लिया।

सुधाकर यादव मूल रूप से बिहार के बांका जिले का रहने वाला है। वह साल २०१८ से रांची सचिवालय में क्लर्क के पद पर काम कर रहा था। हाल ही में उसका ट्रांसफर दुमका हुआ था। आरोपी को जांच एजेंसी की भनक लग गई थी। इसी डर से वह देवघर में छिपकर रह रहा था। पुलिस को उसके पास से कई उम्मीदवारों के चेक मिले हैं। इसके अलावा कई अभ्यर्थियों के शैक्षणिक कागजात और जरूरी दस्तावेज भी बरामद हुए हैं।

आरोपी पर लगभग दो दर्जन अभ्यर्थियों को फर्जी तरीके से नौकरी दिलाने का आरोप है। जांच में यह भी सामने आया है कि हजारीबाग में करीब १२०० छात्रों को एक जगह रखा गया था। वहां परीक्षा से पहले उन्हें प्रश्नों के उत्तर रटाए गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए अब सीआईडी की टीम जांच में जुट गई है। टीम देवघर पहुंचकर आरोपी को अपनी हिरासत में लेगी। इसके बाद उसे पूछताछ के लिए रांची ले जाया जाएगा। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस फर्जीवाड़े का नेटवर्क कितना बड़ा है। इस खेल में और कौन-कौन से बड़े नाम शामिल हैं, इसका पता भी जल्द चलेगा। फिलहाल स्थानीय पुलिस बरामद सामानों की जांच कर रही है।

अंबा टीला जंगल बना था साइबर ठगों का ठिकाना, छापेमारी में 4 गिरफ्तार

देवघर (एजेंसी): पुलिस को साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। करौं इलाके से चार साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

देवघर एसपी प्रवीण पुष्कर को ठगी गिरोह की सूचना मिली थी। इसके बाद साइबर डीएसपी कैलाश महतो के नेतृत्व में एक टीम बनी। पुलिस टीम ने करौं के अंबा टीला जंगल में अचानक छापा मारा। जंगल के बीच में बैठकर आरोपी ठगी का धंधा चला रहे थे। पुलिस ने मौके से चार युवकों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों में कन्हैया कुमार दास, रूपलाल पोद्दार, मोहम्मद सलीम अंसारी और समीर दास शामिल हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस को ९ मोबाइल और १० सिम कार्ड मिले हैं। ये ठग बहुत चालाकी से लोगों को अपना शिकार बनाते थे। आरोपी फोन करके खुद को अलग-अलग कंपनियों और सरकारी विभागों का अफसर बताते थे। वे कभी फ्लिपकार्ट अधिकारी तो कभी गूगल पे कस्टमर केयर वाले बनते थे। कई बार पीएम किसान योजना, बिजली विभाग या आरटीओ अधिकारी बनकर भी बात करते थे। आरोपी लोगों को झांसा देकर उनके खातों से पैसे उड़ा लेते थे। यह गैंग पिछले कई महीनों से इलाके में सक्रिय था। रविवार को भी आरोपी किसी नई ठगी की तैयारी कर रहे थे। लेकिन पुलिस ने सही समय पर कार्रवाई कर उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

परिसीमन से आदिवासियों की पहचान और अधिकारों पर पड़ेगा दीर्घकालिक असर : बंधु तिर्की

रांची (एजेंसी): पूर्व मंत्री एवं झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा है कि आदिवासियों की संस्कृति, अस्मिता, पहचान, भाषा और जीवन के साथ ही जल-जंगल-जमीन को भी यदि जोड़ दिया जाए तो लोकसभा और विधानसभा में सीटों का परिसीमन ऐसा महत्वपूर्ण मुद्दा है, जो न केवल तात्कालिक रूप से बल्कि दीर्घकालिक स्तर पर भी आदिवासियों के जनजीवन को गहराई से प्रभावित करेगा।

तिर्की ने कहा कि अब परिसीमन के साथ ही आदिवासियों से संबंधित सभी ज्वलंत मुद्दे प्राथमिकता सूची में हैं और प्रदेश के सभी आदिवासी संगठनों ने संकल्प लिया है कि वे मजबूती के साथ अपनी लड़ाई को जारी रखेंगे। पिछले ३० अगस्त को राजधानी रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में आयोजित आदिवासी एकता महाजुटान रैली की सफलता के बाद उसकी समीक्षा के लिए आयोजित विशेष समीक्षा बैठक में तिर्की ने कहा कि अपनी पहचान को बरकरार रखने के लिए आदिवासियों को एकजुट होने और संवेदनशील रहने की जरूरत है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि आदिवासियों के सभी मुद्दों पर अब लड़ाई सड़क और गांव-देहात से शुरू होकर विधानसभा और संसद तक होगी और सभी ज्वलंत मुद्दों को मजबूती से रखा जाएगा। बैठक के दौरान तिर्की द्वारा रखे गए उस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया, जिसके तहत पिछले ३० अगस्त को आदिवासी एकता महाजुटान रैली में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और विधि मंत्री को भी अवगत कराया जाए।

इसके साथ ही राज्यपाल को भी पारित प्रस्ताव की जानकारी दी जाए और उनसे इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सकारात्मक कदम उठाने का आग्रह किया जाए।

जिला संयोजकों एवं प्रवक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए

इस समीक्षा बैठक में राज्य के सभी जिले से आए प्रतिनिधियों और आदिवासी एकता महाजुटान रैली के जिला संयोजकों एवं प्रवक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। ५ घंटे से अधिक समय तक चली इस बैठक में बंधु तिर्की के अलावा पूर्व मेयर रमा खलखो, दयामणी बारला, शशि पन्ना, बासवी किड़ो, शिवा कच्छप, अजय तिर्की, लक्ष्मी नारायण मुंडा, आलोका कुजूर, ज्योत्स्ना केरकेट्टा सहित अन्य अनेक प्रतिनिधियों ने प्रमुखता से अपने विचार व्यक्त किये।

बैठक के अंत में मध्य प्रदेश के बालाघाट में गोंड एवं बैगा जनजाति के ३० से अधिक बच्चों की खसरा, मलेरिया, कुपोषण और चिकित्सकीय लापरवाही के कारण हुई मृत्यु पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया गया और दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी गयी।

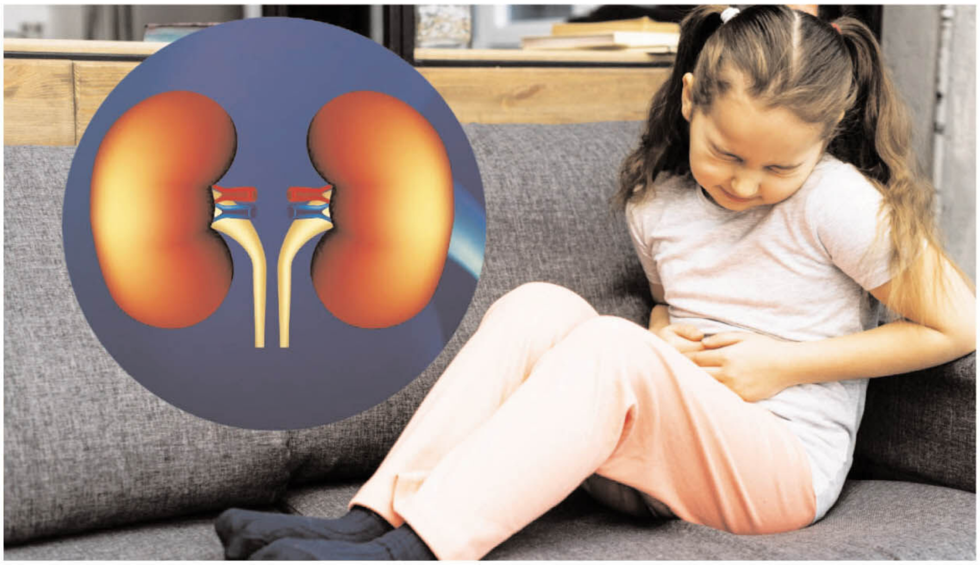

किडनी बीमारी से परेशान बच्चों के दिल को राहत देगी सही डाइट

किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे बच्चों में सिर्फ दवाएं ही नहीं, बल्कि सही खानपान और नियमित शारीरिक गतिविधि भी दिल को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभा सकती है। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और कलावती सरन बाल चिकित्सालय के डॉक्टरों के अध्ययन में सामने आया है कि खानपान में सुधार, रोजाना व्यायाम और जरूरत के मुताबिक दवाओं के इस्तेमाल से इन बच्चों में हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम किया जा सकता है। यह अध्ययन स्टेरॉयड रेजिस्टेंट नेफ्रोटिक सिंड्रोम (एसआरएनएस) से पीड़ित 4 से 18 वर्ष की उम्र के 34 बच्चों पर 12 सप्ताह तक किया गया। अध्ययन के दौरान बच्चों के खानपान, शारीरिक गतिविधि, वजन, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल समेत कई स्वास्थ्य मानकों पर नजर रखी गई।

किडनी की बीमारी में क्यों बढ़ता है कोलेस्ट्रॉल

एसआरएनएस में किडनी शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन को पेशाब के रास्ते बाहर निकालने लगती है। इस स्थिति में कुछ बच्चों के शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ सकता है। लंबे समय तक खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ा रहने पर रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है और आगे चलकर हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसी खतरे को देखते हुए अध्ययन में बच्चों की जीवनशैली और खानपान में बदलाव पर विशेष ध्यान दिया गया।

डाइट में घटाई गई संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल

अध्ययन के दौरान बच्चों के भोजन में संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम की गई। माता-पिता को बच्चों के खानपान पर नियमित नजर रखने और संतुलित आहार देने की सलाह दी गई। इसके साथ ही बच्चों को रोजाना कम से कम एक घंटे खेलने या व्यायाम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्क्रीन टाइम को भी दो घंटे से कम रखने की सलाह दी गई, ताकि बच्चे मोबाइल और टीवी पर ज्यादा समय बिताने के बजाय शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लें।

एलडीएल 160 से ऊपर होने पर दी गई दवा

जिन बच्चों में खराब कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल का स्तर 160 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से अधिक पाया गया, उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में एटोरवास्टेटिन दवा दी गई। बाल रोग विभाग के डॉ. अभिजीत साहा के अनुसार, 12 सप्ताह बाद बच्चों के कुल कोलेस्ट्रॉल, एलडीएल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर में कमी दर्ज की गई। रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचने से जुड़े संकेतकों में भी सुधार देखा गया।

बढ़े रक्तचाप में भी आया सुधार

अध्ययन की शुरुआत में करीब 41 प्रतिशत बच्चों का रक्तचाप बढ़ा हुआ था। 12 सप्ताह तक जीवनशैली में बदलाव और इलाज के बाद इन बच्चों के रक्तचाप में भी सुधार देखा गया। इससे संकेत मिलता है कि किडनी की बीमारी से जूझ रहे बच्चों में हृदय और रक्त वाहिकाओं की सुरक्षा के लिए उपचार के साथ-साथ रोजमर्रा की आदतों में सुधार भी जरूरी है।

केवल दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं

एसआरएनएस से पीड़ित बच्चों के इलाज में केवल दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। बच्चों के भोजन की नियमित निगरानी के साथ उनकी शारीरिक गतिविधि, वजन और रक्तचाप पर भी नजर रखना जरूरी है। उन्होंने बताया कि अध्ययन में एटोरवास्टेटिन बच्चों के लिए सुरक्षित पाई गई और इसके इस्तेमाल से कोई दुष्प्रभाव सामने नहीं आया। हालांकि, बच्चों को यह दवा केवल डॉक्टर की सलाह और निगरानी में ही दी जानी चाहिए।

माता-पिता की भूमिका भी अहम

डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों के लिए डाइट प्लान बनाते समय माता-पिता को खुद से बदलाव करने के बजाय डॉक्टर और डाइटीशियन की सलाह लेनी चाहिए। किडनी की बीमारी से पीड़ित हर बच्चे की स्थिति अलग हो सकती है, इसलिए उसके अनुसार ही भोजन और शारीरिक गतिविधि तय की जानी चाहिए।

बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर रखकर खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करना भी उनकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि सही डाइट, सक्रिय जीवनशैली और जरूरत के मुताबिक दवा का संयोजन किडनी रोग से पीड़ित बच्चों में बढ़े कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

तेल की बोतल पर जम गई है जिद्दी चिकनाई? ये घरेलू नुस्खे मिनटों में करेंगे सफाई

किचन में खाना बनाते समय तेल की छींटें, मसालों की भाप और धूल-मिट्टी अक्सर तेल की बोतल के बाहर जम जाती है। कुछ ही दिनों में बोतल पर चिकनाई की ऐसी परत बन जाती है, जिसे सिर्फ पानी से साफ करना मुश्किल होता है। अगर आपकी तेल की बोतल भी चिपचिपी हो गई है, तो कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से इसे आसानी से साफ किया जा सकता है।

गर्म पानी और डिशवॉश से हटाएं चिकनाई

तेल की जमी हुई चिकनाई को ढीला करने के लिए हल्का गर्म पानी काफी मददगार हो सकता है। एक बर्तन में गर्म पानी लें और उसमें थोड़ा-सा लिक्विड डिशवॉश मिलाएं। बोतल को खाली करके या अच्छी तरह बंद करके कुछ मिनट के लिए इस घोल से साफ करें। इसके बाद स्पंज से हल्के हाथों से रगड़ें और साफ पानी से धो लें।

ध्यान रखें : कांच की बोतल को बहुत गर्म पानी में अचानक न डालें, वरना तापमान के अचानक बदलाव से उसके टूटने का खतरा हो सकता है।

बेकिंग सोडा और नींबू से करें सफाई

जिद्दी चिकनाई के लिए बेकिंग सोडा और नींबू का इस्तेमाल किया जा सकता है। एक चम्मच बेकिंग सोडा में थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इसे बोतल के चिपचिपे हिस्से पर लगाकर कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। फिर मुलायम स्पंज से रगड़कर पानी से साफ कर लें। यह तरीका खासतौर पर कांच या ऐसी सतहों पर इस्तेमाल किया जा सकता है, जिन्हें हल्की स्क्रबिंग से नुकसान न पहुंचे।

सफेद सिरका भी आएगा काम

सफेद सिरका चिकनाई वाली सतहों की सफाई में उपयोगी हो सकता है। बराबर मात्रा में पानी और सफेद सिरका मिलाकर घोल बनाएं। इसे कपड़े या स्प्रे की मदद से बोतल की बाहरी सतह पर लगाएं और कुछ देर बाद साफ कपड़े से पोंछ दें। अगर बोतल पर बहुत ज्यादा चिकनाई जमी है, तो पहले डिशवॉश से सफाई करना और फिर सिरके के घोल से पोंछना ज्यादा आसान हो सकता है।

तेल की बोतल को बार-बार चिपचिपा होने से ऐसे बचाएं

तेल डालते समय बोतल के मुंह और बाहरी हिस्से पर तेल न गिरने दें।

तेल गिर जाए तो उसे तुरंत साफ कपड़े से पोंछ दें।

बोतल के नीचे एक छोटी ट्रे या प्लेट रखें।

हफ्ते में कम से कम एक बार बोतल की बाहरी सतह साफ करें।

सफाई के बाद बोतल को अच्छी तरह सुखाकर ही वापस रखें।

नोट : सफाई के किसी भी उपाय को बोतल के अंदर मौजूद खाद्य तेल में न मिलाएं। साथ ही, अलग-अलग क्लीनिंग केमिकल्स को आपस में मिलाने से बचें।

चावल में पड़ गया ज्यादा पानी, एक ब्रेड स्लाइस से फिर खिले-खिले हो जाएंगे राइस!

चावल बनाते समय पानी का थोड़ा ज्यादा हो जाना आम बात है। लेकिन जब चावल जरूरत से ज्यादा पानी सोख लेते हैं, तो दाने चिपचिपे, गीले और गूदे जैसे हो सकते हैं। ऐसे में चावल को दोबारा खिले-खिले बनाना मुश्किल लगता है। हालांकि, अगर चावल पूरी तरह गले नहीं हैं और दानों ने अपनी शेप बरकरार रखी है, तो किचन में रखी सूखी ब्रेड की एक स्लाइस अतिरिक्त नमी सोखने में मदद कर सकती है।

चावल में ज्यादा पानी पड़ जाए तो क्या करें?

अगर चावल में पानी अलग से दिखाई दे रहा है, तो सबसे पहले उसे सावधानी से छानकर निकाल दें। इसके बाद चावल की सतह पर एक मोटी और सूखी ब्रेड स्लाइस रख दें। अब पतीले को ढक्कन से ढककर कुछ मिनट के लिए बेहद धीमी आंच पर रखें। सूखी ब्रेड अतिरिक्त नमी को सोखने में मदद कर सकती है। कुछ मिनट बाद गैस बंद कर दें और ब्रेड को चावल से निकाल लें। इसके बाद चावल को बिना ज्यादा चलाए हल्के हाथ से फोर्क या चम्मच की मदद से अलग कर सकते हैं।

ज्यादा चावल हैं तो 2-3 ब्रेड स्लाइस इस्तेमाल करें

अगर चावल की मात्रा ज्यादा है और उनमें अतिरिक्त पानी भी काफी है, तो एक ब्रेड स्लाइस पर्याप्त नहीं हो सकती। ऐसी स्थिति में 2-3 सूखी ब्रेड स्लाइस चावल के अलग-अलग हिस्सों पर रखी जा सकती हैं। कुछ मिनट बाद ब्रेड को निकाल दें। उसे बहुत देर तक चावल में न छोड़ें, क्योंकि ज्यादा नमी सोखने के बाद वह नरम होकर चावल से चिपक सकती है।

कैसे काम करती है ब्रेड की यह ट्रिक?

ब्रेड की सूखी और स्पंजी बनावट आसपास मौजूद कुछ अतिरिक्त नमी को सोख सकती है। इससे चावल की सतह पर मौजूद अतिरिक्त पानी कम करने में मदद मिल सकती है और चावल पहले की तुलना में कम गीले नजर आ सकते हैं। हालांकि, यह तरीका हल्के या मध्यम रूप से ज्यादा गीले चावल के लिए ही उपयोगी है। अगर चावल पूरी तरह गलकर खिचड़ी जैसी बनावट में बदल चुके हैं, तो ब्रेड उन्हें दोबारा खिले-खिले चावल में नहीं बदल सकती।

राइस कुकर में भी आजमा सकते हैं यह तरीका

अगर राइस कुकर में चावल बनाते समय पानी ज्यादा पड़ गया है, तो पहले अतिरिक्त पानी निकाल दें। अगर चावल के दाने अभी भी अपनी शेप में हैं, तो उनके ऊपर सूखी ब्रेड स्लाइस रखकर कुछ मिनट के लिए ढक्कन बंद किया जा सकता है। लेकिन ध्यान रखें कि राइस कुकर में चावल को ज्यादा देर तक गर्म रखने से दाने और ज्यादा नरम हो सकते हैं। इसलिए अतिरिक्त नमी कम होने के बाद उन्हें ज्यादा देर तक गर्म न करें।

अगली बार चावल बनाते समय इन बातों का रखें ध्यान

चावल को ज्यादा गीला होने से बचाने के लिए पानी की मात्रा सही रखना सबसे जरूरी है। अलग-अलग किस्म के चावल के लिए पानी की जरूरत अलग हो सकती है, इसलिए पैकेट पर दिए निर्देशों या अपनी रेसिपी के अनुसार पानी डालें। इसके अलावा चावल को जरूरत से ज्यादा देर तक न पकाएं और पकते समय बार-बार ढक्कन खोलने से बचें। चावल पक जाने के बाद गैस बंद करके उन्हें कुछ मिनट ढककर रखने से भी दानों की बनावट बेहतर रहती है।

बेबी के कपड़ों में रह जाती है दूध की बदबू, धोने से पहले अपनाएं ये आसान ट्रिक

बेबी दूध पीते समय अक्सर थोड़ा-बहुत दूध कपड़ों पर गिरा ही देते हैं। ऐसे में कपड़ों से कभी-कभी दूध की गंध आने लगती है और उन्हें दोबारा पहनाने का मन नहीं करता। परेशानी तब और बढ़ जाती है, जब कपड़े धोने के बाद भी उनमें हल्की बदबू बनी रहती है। अगर आपके बच्चे के साथ भी ऐसा होता है, तो कपड़े धोने से पहले एक छोटा-सा काम जरूर करें। इससे दूध की गंध कम करने में मदद मिल सकती है और कपड़े ज्यादा फ्रेश महसूस होंगे।

धोने से पहले करें ये छोटा सा काम - अगर बच्चे के कपड़े पर दूध गिर गया है, तो उसे तुरंत कपड़ों के ढेर में डालने के बजाय पहले सामान्य या ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। इसके बाद एक बाल्टी पानी में 1-2 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर कपड़े को करीब 15-30 मिनट के लिए भिगो सकते हैं। इसके बाद कपड़े को बेबी-फ्रेंडली या हल्के डिटर्जेंट से सामान्य तरीके से धोएं और अच्छी तरह सुखाएं। बेकिंग सोडा कपड़े में मौजूद अप्रिय गंध को कम करने में मदद कर सकता है।

कपड़ों में दूध की गंध क्यों रह जाती है?

दूध में प्रोटीन और फैट जैसे घटक होते हैं। अगर दूध कपड़े पर लंबे समय तक लगा रहे, तो इसके अवशेष कपड़े के रेशों में रह सकते हैं। इसी वजह से धोने के बाद भी हल्की गंध महसूस हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि दूध गिरने के बाद कपड़े को जल्द से जल्द साफ कर दिया जाए। अगर तुरंत धोना संभव न हो, तो कम से कम प्रभावित हिस्से को पानी से अच्छी तरह धोकर अलग रखें।

दूध के दाग पर गर्म पानी डालने से बचें -दूध के दाग वाले कपड़ों को साफ करने की शुरुआत ठंडे या सामान्य तापमान के पानी से करना बेहतर है। बहुत गर्म पानी का इस्तेमाल करने से प्रोटीन वाले दाग कपड़े के रेशों में और ज्यादा जम सकते हैं। कपड़े के लेबल पर दिए गए निर्देशों के अनुसार ही उसे धोएं।

बेबी के कपड़े धोते समय इन बातों का रखें ध्यान

बच्चों के कपड़ों के लिए हल्का और उपयुक्त डिटर्जेंट इस्तेमाल करें।

तेज खुशबू या कठोर केमिकल वाले क्लीनिंग प्रोडक्ट से बचें।

कपड़ों को अच्छी तरह रिंस करें ताकि डिटर्जेंट के अवशेष न रहें।

धोने के बाद कपड़ों को पूरी तरह सुखाएं।

नम कपड़ों को लंबे समय तक बंद जगह पर न रखें, क्योंकि इससे बासी गंध आ सकती है।

बेकिंग सोडा जैसे घरेलू उपाय को इस्तेमाल करने से पहले कपड़े के एक छोटे हिस्से पर टेस्ट कर लें।

नोट : बच्चे की त्वचा संवेदनशील होती है। अगर किसी उत्पाद या घरेलू उपाय के इस्तेमाल के बाद कपड़े से बच्चे की त्वचा में जलन या लालिमा होती है, तो उसका इस्तेमाल बंद कर दें।

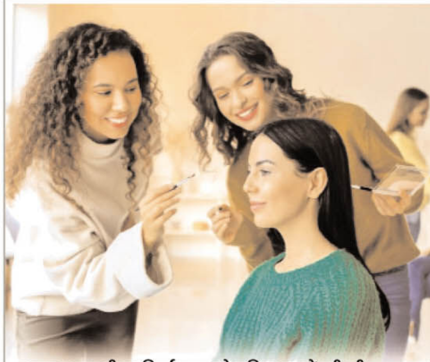

कॉस्मेटोलॉजी के फील्ड में संवारें अपना कॅरियर...

अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। वर्तमान समय में कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री तेजी से ग्रोथ कर रहा है।

आज के समय में हर कोई स्टाइलिश दिखना चाहता है। यही कारण है कि वर्तमान समय में न सिर्फ शहर बल्कि गांव तक में ब्यूटी सैलून, स्पा और कॉस्मेटिक क्लिनीक्स में दिन पर दिन इजाफा होता जा रहा है। जिसकी वजह से तेजी से कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री में ग्रोथ आ रहा है। आपको बता दें कि ब्यूटी एंड पर्सनल केयर मार्केट के रिपोर्ट के मुताबिक साल 2027 तक भारत की कॉस्मेटोलॉजी इंडस्ट्री की वर्थ 33.3 मिलियन यूएस डॉलर पहुंच जाएगी। ऐसे में अगर आप भी न सिर्फ खुद को बल्कि दूसरों की भी पर्सनालिटी को निखानने और उनको खूबसूरत बनाने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आप कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कॉस्मेटोलॉजी में किस तरह से अपना कॅरियर बना सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी के लिए योग्यता

कॉस्मेटोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के लिए जरूरी है कि आपने मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास की है। किसी भी स्ट्रीम के छात्र कॉस्मेटोलॉजी में अपना कॅरियर बना सकते हैं। इस कोर्स को करने में 10 हजार से लेकर 2 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। साथ ही आप इस कोर्स को ऑनलाइन और ऑफलाइन कर सकते हैं। कॉस्मेटोलॉजी में आप डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, पीजी डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट कर सकते हैं।

कॉस्मेटोलॉजी का स्कोप

इस क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले लोग कॉस्मेटिक सर्जन, मेकअफ आर्टिस्ट, हेयर स्टाइलिस्ट, नेल आर्टिस्ट, मेकअप आर्टिस्ट, ब्यूटी कॉपीराइटर, ब्यूटी ब्लॉगर, इमेज स्टाइलिस्ट, हेयर ड्रेसर और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट जैसे प्रोफाइल पर काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप एक महीने में 25 हजार से 35 हजार रुपए तक आसानी से कमा सकते हैं। वहीं आप बतौर हेयर स्टाइलिस्ट, नेल टेक्नीशियन, फैशन शो स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट बन ज्यादा पैसे कमा सकते हैं।

बेहतर करियर हो सकता है ऑप्थैलमिक असिस्टेंट

मेडिकल सेक्टर में डॉक्टर बनने के अलावा अब करियर के अनगिनत विकल्प हैं। अगर आप इसमें एंट्री करना चाहते हैं, तो ऑप्थैलमिक असिस्टेंट एक बेहतर करियर हो सकता है। इस तरह के ट्रेंड प्रोफेशनल अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से आंखों की जांच करके सटीक डायग्नोसिस तक पहुंचते हैं।

मेडिकल फील्ड में पैरामेडिकल साइंस की भूमिका को आज के दौर में कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। डायग्नोस्टिक तकनीक हेल्थकेयर सेक्टर के लिए सबसे बड़ा वरदान साबित हुई है। आज अमूमन सभी स्पेशलिस्ट आम तौर पर लैब टेस्ट, एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड या सीटी स्कैन की रिपोर्ट्स के नतीजों पर ही निर्भर हैं। एक अनुमान के मुताबिक, 2050 तक देश की आबादी करीब 150 करोड़ हो जाएगी। आज आबादी के लिहाज से देश में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट, लैब टेक्निशियन या रेडियोलॉजिस्ट जैसे ट्रेंड क्वॉलिफाइड स्टाफ की बेहद कमी है। मौजूदा समय में देश में करीब 10 लाख पैरामेडिकल स्टाफ की शॉर्टेज है।

क्या है ऑप्थैलमोलॉजी?

ऑप्थैलमोलॉजी चिकित्सा विज्ञान की ही एक शाखा है। इसमें आंख संबंधी बीमारियों की जांच व उपचार किया जाता है। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट हेल्थकेयर सेक्टर का एंट्री-लेवल जॉब है। ये ऑप्थैलमोलॉजिस्ट, यानी नेत्र चिकित्सक के सह यक के तौर पर अपनी सेवाएं देते हैं। किसी भी अस्पताल या नर्सिंग होम में ऑप्थैलमिक असिस्टेंट मुख्य रूप से मरीजों की मेडिकल इंफॉर्मेशन जुटाने, उपचार के बारे में उन्हें समझाने से लेकर चिकित्सक से पहले मरीजों की कुछ आरंभिक जांच करने तथा उपकरणों को मेंटेन रखने जैसी जिम्मेदारियां निभाते हैं।

जॉब के अवसर

ऑप्थैलमोलॉजी में डिप्लोमा कोर्स करने के बाद युवा सरकारी या प्राइवेट दोनों तरह के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स हॉस्पिटल्स, नर्सिंग होम्स, आई क्लीनिक्स, लेजर आई सर्जरी क्लीनिक्स, डायग्नॉस्टिक सेंटर्स आदि में जॉब पा सकते हैं। ऑप्थैलमिक असिस्टेंट अनुभव के बाद टेक्निशियन बनकर खुद का क्लीनिक या आई सेंटर भी खोल सकते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

ऑप्थैलमिक असिस्टेंट बनने के लिए देश के कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान कोर्स ऑफर कर रहे हैं। फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी विषयों से 12वीं पास युवा ऑप्थैलमोलॉजी में 2 वर्ष का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी

कोर्स पूरा करने के बाद एक ऑप्थैलमिक असिस्टेंट के रूप में शुरूआत करने पर 10 से 12 हजार रुपए सैलरी आसानी से मिल जाती है। अनुभव बढ़ने पर ऐसे प्रोफेशनल्स 25 से 30 हजार रुपए तक सैलरी पा सकते हैं।

अगर पढ़ाई करते समय नींद आए तो पढ़े अपना पसंदीदा विषय

क्या आपको अलसुबह पढ़ाई करते समय नींद आती है क्या आप सुबह पढ़ाई करने पर आपको कुछ याद नहीं होता है? अगर हां तो, जान लें कि सुबह-सुबह पढ़ाई करते हुए नींद आने की यह बहुत आम समस्या है। लाखों छात्र ऐसे हैं जो सुबह पढ़ाई करने उठते तो हैं, लेकिन नींद आने के कारण पढ़ाई कर नहीं पाते। नींद की वजह से हमारा दिमाग काम करना बंद कर देता है और हमें कुछ याद नहीं आता। आंखों में नींद घुलने पर हम कुछ समय तो जबरदस्ती पढ़ने की कोशिश करते हैं लेकिन आखिर में जब सब कुछ हमारे बस से बाहर हो जाता है तो हमें बेबस होकर सोना ही पड़ता है। जिसके कारण छात्र चाहकर भी अपना सिलेबस पूरा नहीं कर पाते और दूसरों से पीछे रह जाते हैं। आपकी इस समस्या को ध्यान में रखकर हम यहां पर आसान टिप्स लेकर आए हैं, जिनको फॉलो करने पर आपकी नींद भाग जाएगी और आप आसानी से पढ़ाई कर सकेंगे।

अच्छी रोशनी में करें पढ़ाई

सुबह उठने के बाद बहुत से विद्यार्थी सिर्फ एक स्टडी लैंप जला कर पढ़ाई करने की कोशिश करते हैं। एक लैंप की वजह से कमरे के बाकी हिस्से में तकरीबन अंधेरा रहता है। इस कम रोशनी और शांति वातावरण में नींद आना स्वभाविक है। ऐसी स्थिति में स्टडी रूम की लाइट ठीक रखें।

बेड पर बैठकर कभी न करें पढ़ाई

छात्रों के बीच यह समस्या भी आम है। कई लोग सुबह उठने के बाद बेड पर बैठकर ही पढ़ाई शुरू कर देते हैं। इससे आपको आलस आ सकता है। आप धीरे धीरे लेट कर पढ़ने की कोशिश करेंगे और फिर नींद आपको अपने आगोश में ले लेगी। इसलिए पढ़ाई करते समय हमेशा कुर्सी पर सही ढंग से पीठ सीधी करके ही बैठें। सामने एक टेबल रखें और किताब गोद में रखकर पढ़ने की बजाए सामने टेबल पर रखकर पढ़ें। कुर्सी पर बैठे समय भी अपने हाथ या पांव कुछ-कुछ समय बाद हिलाते रहें। इससे आपके अन्दर सक्रियता बनी रहेगी।

सुबह उठकर ताजी हवा लें और टहले

सुबह उठने के बाद अगर आप तुरंत पढ़ाई करने बैठ जाएंगे, तो जाहिर है आपको नींद आएगी ही। इसलिए उठने के बाद सबसे पहले अपनी दैनिक क्रिया पूरी करें ओर फिर बालकनी में या फिर बाहर जाकर थोड़ी देर टहलें। इससे जहां आपकी एक्सरसाइज हो जाएगी वहीं आपको ताजी हवा भी मिलेगी। इस क्रिया से आपकी नींद पूरी तरह से गायब हो जाएगी। इसके बाद आप कई घंटे तक आराम से पढ़ाई कर सकते हैं।

जल्दी सोएं और जल्दी उठने का रूटीन बनाएं

जल्दी सोने और जल्दी उठने से शारिरिक तंदरुस्ती, समृद्धि व दिमागी शक्ति में बढ़ावा होता है। छात्रों के जीवन में भी इस कथन का उतना ही महत्व है जितना एक आम आदमी के जीवन में। रात को जल्दी सोने से आप प्रयाप्त नींद ले सकते हैं, जिससे आप सुबह बिलकुल तरोताजा उठेंगे। फ्रेश माइंड से चीजें याद रखना बहुत ही आसान होता है। वहीं नींद पूरी होने के बाद पढ़ाई करते वक्त फिर से नींद आने का कोई मतलब नहीं बनता।

सुबह उठने के बाद पानी जरूर पीएं

सुबह उठने के बाद पानी जरूर पीयें। साथ ही पढ़ाई के दौरान भी कुछ कुछ समय बाद पानी पीते रहें। यह न सिर्फ आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा बल्कि इससे आपको एक और फायदा मिलेगा। ज्यादा पानी पीने से आप को कुछ-कुछ देर बाद अपनी सीट से उठकर टॉयलेट के लिए जाना पड़ेगा, जिससे आपके शरीर की निष्क्रयता टूटेगी और आप सक्रिय बने रहेंगे। साथ ही ज्यादा पानी पीने से दिमाग हाइड्रेटेड व तरोताजा रहता है। इससे सक्रियता बनी रहती है जिससे आसानी से पाठ याद करने में सहायता मिलती है।

नींद आए तो चेहरे पर पानी के छींटे मारें

देर रात तक लगातार पढ़ने के बाद अगर आप सोते हैं, तो सुबह उठने में मुश्किल होती है। थके हुए दिमाग के साथ पढ़ाई करने पर हमें बार-बार नींद आती है। अगर आपके साथ ऐसा हो तो तुरंत उठें और बाथरूम में जाकर अपने चेहरे पर पानी के छींटे मारे। इससे आपकी सुस्ती व उनींदापन दूर होगा और आपका दिमाग नए तरीके से चीजों को याद करने के लिए तरोताजा हो जायेगा। पढ़ने व याद करने के लिए सुबह का समय सबसे अच्छा माना जाता है। सुबह पढ़ा विषय अच्छे से याद होता है। हालांकि अगर पढ़ते हुए आपको नींद आती है तो आप सुबह पढ़ने के लिए वो विषय चुनें जो आपके फेवरेट हो और जिन्हें आप आसानी से समझ व याद कर सकते हैं। सरल विषय या टॉपिक्स को पढ़ने और याद करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। जिससे आपको बोरियत भी नहीं होगी और आप ज्यादा देर तक बैठकर पढ़ाई कर पाएंगे।

लिखकर करें या बोल कर करें पढ़ाई

अगर आप पढ़ाई के दौरान नींद से परेशान रहते हैं तो यह तरीका पढ़ाई करते वक्त होने वाली बोरियत तथा आने वाली नींद को दूर भगाने में काफी हद तक कारगार सिद्ध होता है। हर विषय को इस तरह से बोल बोल कर पढ़ें जैसे कि क्लास में टीचर पढ़ाते हैं। इससे आपका दिमाग सतर्क बना रहता है और नींद आने की सम्भावना भी कम हो जाती है। इसके अलावा खुद को एक्सप्लेन करके पढ़ने से चीजों को याद करना भी बहुत आसान हो जाता है। इसके साथ ही पाठ को सिर्फ मौखिक रूप से याद करने की बजाये मुश्किल उत्तरों या सवालों को लिखकर भी याद करें।

अंक शास्त्री बनकर संवारा जा सकता है भविष्य

न्यूमरोलॉजी एक बेहद पुरानी प्रैक्टिस है, जिसका सालों से पूरी दुनिया में अभ्यास किया जाता रहा है। अपनी जन्मतिथि और पूरे नाम के आधार पर एक सरल चार्ट बनाकर, आप अपने और दूसरों के लिए संतोषजनक अंतदृष्टि प्राप्त कर सकते हैं। आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा। भले ही फिर बात बच्चों की पढ़ाई की हो या फिर कॅरियर की, अंक शास्त्र के जरिए भविष्य की परतों को खोलने की कोशिश की जाती है। अगर आप भी चाहें तो बतौर न्यूमरोलॉजिस्ट या अंक शास्त्री बनकर ना सिर्फ खुद का बल्कि दूसरों का भी भविष्य संवारा जा सकता है। तो चलिए जानते हैं इस करियर क्षेत्र में बारे में विस्तारपूर्वक-

क्या है न्यूमरोलॉजी

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि बहुत से लोग सोचते हैं कि न्यूमरोलॉजी पूरी तरह से कन्फयूजिंग मैथ्स, फार्मूला और कई तरह के विभिन्न सिद्धांतों से भरी हुई है। जबकि ऐसा नहीं है। अंक विज्ञान वास्तव में संख्याओं की मदद से दूसरों की समस्याओं से सुलझाने की एक कला है। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि संख्याएं भविष्य कैसे बता सकती हैं। संख्याओं में गहरे अर्थ और प्रासंगिक जानकारी के साथ आपके भविष्य को समझने की शक्ति है। यदि आप ज्योतिष से अवगत हैं, तो निश्चित रूप से आप जानते हैं कि ज्योतिष व्यक्ति के जन्म की तारीख, समय और जन्म के समय के माध्यम से भविष्य की भविष्यवाणी करने का एक तरीका है। कुंडली के माध्यम से ज्योतिषी व्यक्ति के भविष्य और जीवन से जुड़ी जानकारी बताते हैं। ठीक उसी तरह, न्यूमरोलॉजी भी काम करती है।

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, न्यूमरोलॉजिस्ट व्यक्ति के जन्म की तारीख का उपयोग उसके व्यक्तित्व लक्षण, भाग्य, घटनाओं और परिस्थितियों का अनुमान लगाने के लिए करते हैं। ज्योतिष की तरह, न्यूमरोलॉजी व्यक्ति के जीवन का एक खाका प्रदान करती है जो काफी सटीक है। न्यूमेरोलॉजिस्ट बनने के कई तरीके हैं। लेकिन किसी चीज में विशेषज्ञ बनने के लिए, आपको कला को पूरी तरह से सीखना होगा। ऐसे कई विकल्प हैं जिनके माध्यम से आप न्यूमेरोलॉजी सीख सकते हैं और न्यूमरोलॉजी विशेषज्ञ बन सकते हैं। इसके लिए कोई शैक्षणिक योग्यता का होना आवश्यक नहीं है। आज कई न्यूमरोलॉजी एक्सपर्ट खुद ही सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स प्रदान करते हैं। इन कोर्स को करने से आपको अंक शास्त्र और नंबरों के पीछे की गहराई को समझने में मदद मिलती है। इसके बाद आप बतौर एक प्रोफेशनल न्यूमरोलॉजिस्ट बनकर काम कर सकते हैं। वैसे इन दिनों न्यूमरोलॉजी के क्षेत्र में ऑनलाइन कोर्स का चलन भी काफी बढ़ गया है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि जहां तक प्रश्न व्यक्तिगत योग्यता का है तो इसके लिए सबसे जरूरी है कि आपके भीतर अंकों व उसकी गहराई को जानने की इच्छा हो। इस क्षेत्र में चीजों को सीखने व समझने के लिए बेहद धैर्य की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, दूसरों की परेशानी को सुनकर सटीक अनुमान लगाना भी आपको आना चाहिए। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को आसान बनाते हैं।

संभावनाएं

आज के समय में हर व्यक्ति जानना चाहता है कि उसका भविष्य कैसा होगा और इसलिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट हमेशा डिमांड में रहते हैं। आप चाहें तो स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते हैं या फिर शुरूआत में किसी अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम करना अच्छा रहेगा। इसके अलावा, कई मीडिया हाउस भी न्यूमरोलॉजी शो प्रसारित करते हैं, जिनके लिए अनुभवी न्यूमरोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है।

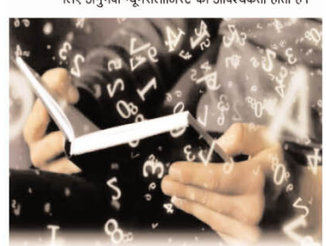

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस नाव हादसा: जली हुई यात्री नौका से बरामद हुए और शव

कोरोन, एजेंसी। फिलीपींस में आग से पूरी तरह जल चुकी यात्री नौका से बचावकर्मियों ने

शनिवार को और शव बरामद किए। इसके साथ ही हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 76 हो गई है। 13 लोग अब भी लापता हैं। नौका में सवार 132 लोगों में से 43 लोग बुधवार रात लगी आग से बच गए थे। यह नौका राजधानी मनीला से रवाना हुई थी और दक्षिण-पश्चिमी पालावान प्रांत के कोरोन में अपने गंतव्य से करीब 39 किलोमीटर दूर थी, तभी इसमें आग लग गई। आग लगने की वजह अभी तय नहीं हो सकी है। तटरक्षक बल की प्रवक्ता ने एक जीवित बचे व्यक्ति के हवाले से बताया कि आग संभवत: सामान रखने वाले हिस्से से शुरू हुई थी। अधिकारियों के मुताबिक, जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि उसने एक विस्फोट जैसी आवाज सुनी थी। इसके बाद धुआं और आग तेजी से फैल गई। हवा के कारण आग और तेजी से फैलती चली गई। कोरोन के बोराक बंदरगाह पर तंबू लगाए गए हैं। जिस जहाज से शवों को नौका से निकालकर लाया गया, उससे शवों से भरे बैग बंदरगाह पर उतारे गए। तटरक्षक बल की प्रवक्ता कमोडोर नोएमी कयाबयाब ने बताया कि अधिकारी नौका के कप्तान की तलाश कर रहे हैं। बताया गया है कि कप्तान हादसे में बच गया था, लेकिन उसका नाम बचे लोगों की सूची में नहीं है। तटरक्षक बल ने कहा कि कई एजेंसियों की ओर से समुद्री सुरक्षा और आपराधिक जांच की जाएगी। इसमें सभी संभावित पहलुओं की जांच की जाएगी और कप्तान तथा चालक दल की संभावित जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। कयाबयाब ने बताया कि जीवित बचे लोगों के अनुसार आग बहुत तेजी से फैली और लोगों को लाइफ जैकेट पहनने तक का समय नहीं मिला। उन्होंने कहा, 'बारिश से जहाज के खुले हिस्सों को ढकने वाली तिरपाल एक संभावित कारण हो सकती है, लेकिन अभी यह तय नहीं किया जा सकता कि लोग इसके अंदर फंस गए थे या नहीं।' जांचकर्ता यह भी देखेंगे कि आग लगने की स्थिति में तय आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन किया गया था या नहीं। इसमें यह भी जांच होगी कि कप्तान ने अलार्म बजाया था या यात्रियों को चेतावनी और निर्देश दिए थे या नहीं। इसके अलावा यह भी देखा जाएगा कि चालक दल ने यात्रियों की मदद की थी या नहीं। फिलीपींस के द्वीपसमूह में आने-जाने के लिए यात्री नौकाओं का अक्सर इस्तेमाल होता है। यहां समुद्री हादसे भी आम हैं। इसके पीछे तूफान, खराब रखरखाव वाले जहाज, क्षमता से अधिक यात्रियों का सवार होना और सुरक्षा नियमों का कमजोर तरीके से पालन जैसे कारण बताए जाते हैं, खासकर दूरदराज के प्रांतों में।

सजने-संवरने पर करोड़ों फूंके: नेतन्याहू के मेकअप पर सबसे ज्यादा खर्च

इजराइल, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्रियों के सरकारी खर्च से जुड़ा एक ऐसा आंकड़ा सामने आया है, जिसने लोगों का ध्यान खींचा है। छह साल के दौरान प्रधानमंत्रियों के सजने-संवरने और मेकअप पर करीब 4.5 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इनमें सबसे ज्यादा खर्च बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यकाल में हुआ। खास तौर पर 2023 और 2025 में यह रकम काफी बढ़ गई। विदेशी दौरों के दौरान मेकअप और स्टाइलिंग पर हुए खर्च ने भी कुल आंकड़े को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई। यह खुलासा नेतान्याहू के कार्यालय के वकील यार विंकलर शालिट की तरफ से मांगी गई जानकारी के जवाब में किया है। छह वर्षों के दौरान नफताली बेंट और यायर लैपिड के कार्यकाल में इस मद में कुल 27,600 डॉलर खर्च किए गए। नेतन्याहू के दौर में 2023 में यह खर्च बढ़कर करीब 1,03,000 डॉलर तक पहुंच गया। वर्ष 2025 में यह खर्च बढ़कर सबसे ऊंचे स्तर यानी लगभग 1,11,000 डॉलर पर पहुंच गया, जिसकी मुख्य वजह विदेशी दौरे थे। यात्रा के दौरान अकेले मेकअप और स्टाइलिंग पर 13,500 डॉलर खर्च हुए।

तेज टर्बुलेंस से कांपा विमान, 3 बार लैंडिंग हुई फेल, दूसरे एयरपोर्ट पर करना पड़ा डायवर्ट

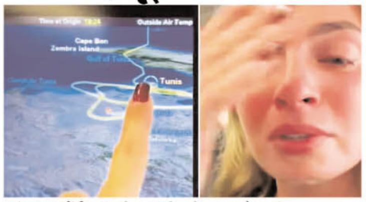

अंकारा , एजेंसी। पिछले कुछ दिनों में प्लेन एक्सीडेंट और टेक्निकल खराबी जैसी खबरें काफी तेजी से बढ़ी हैं। इसी बीच एक और ऐसी खबर सामने आ रही है, जहां ट्यूनीशिया जा रही 'टर्किश एयरलाइंस' की एक फ्लाइट तेज टर्बुलेंस का शिकार हो गई। प्लेन में अचानक आए इस टर्बुलेंस की वजह से पैसेंजर्स के मन में घबराहट फैल गई।

ट्यूनिस-कार्थेज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग की 3 नाकाम कोशिशों के बाद प्लेन को दूसरे एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें प्लेन में बैठे पैसेंजर्स डर के मारे चीखते हुए दिख रहे हैं।

खराब मौसम और तेज हवा के झोंकों की वजह से प्लेन हवा में बुरी तरह हिलने लगा, जिससे पैसेंजर्स में अफरा-तफरी मच गई। एक पैसेंजर ने इस घटना का वीडियो अपने फोन के कैमरे में कैद कर लिया और इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। इस वीडियो में उसने बताया कि कैसे तेज झटकों के बाद तीसरी लैंडिंग की कोशिश के दौरान प्लेन अचानक बहुत तेजी से नीचे गिरने लगा।

इस घटना के बाद, ट्यूनिस-कार्थेज एयरपोर्ट पर लैंडिंग न कर पाने के बाद, पायलट ने समझदारी दिखाते हुए प्लेन को पास के दूसरे एयरपोर्ट पर मोड़ दिया, जहाँ वह सुरक्षित रूप से लैंड हो गया। प्लेन के सुरक्षित रूप से लैंड होने के बाद सभी यात्रियों ने राहत की सांस ली। फिलहाल, एयरलाइन घटना से जुड़ी आगे की जानकारी की जांच कर रही है।

अमेरिका में भारतीय महिला की हत्या: आरोपी ने महीनों पीछा कर बरसाईं गोलियां; फिर खुद को भी मार डाला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय मूल की 38 वर्षीय महिला शालिनी ठाकुर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना आठ सितंबर को सैक्रामेंटो के एक शॉपिंग सेंटर में रेस्तरां के बाहर हुई। आरोप है कि भारत का 22 वर्षीय रोहित कई महीनों से शालिनी का पीछा कर रहा था और उन्हें परेशान कर रहा था। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के मुताबिक, वारदात वाले दिन रोहित शालिनी की कार के पास पहुंचा। शालिनी ने उससे बचने के लिए भागने की कोशिश की तो रोहित ने उनका पीछा किया और बंदूक निकालकर उन पर कई गोलियां चला दीं। आरोपी ने शालिनी का पीछा किया: शालिनी ने जब रोहित से बचकर भागने की कोशिश की, तो उसने उनका पीछा किया और गोली चला दी। जमीन पर गिरने के बाद भी नहीं रुका: शालिनी के गिरने के बाद रोहित ने बेहद करीब से उनके सिर में भी गोली मारी, इसके बाद वह वहां से भाग गया। गोलीबारी के बाद रोहित अपनी कार से वहां से फरार हो गया। अधिकारियों ने उसकी कार के चालक को बाहर आने के लिए कहा। इसके बाद पता चला कि रोहित ने खुद को गोली मार ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। सैक्रामेंटो काउंटी कोरोनर कार्यालय के हवाले से फॉक्स40 डॉट कॉम ने यह जानकारी दी। यानी जिस व्यक्ति पर शालिनी की हत्या का आरोप है, उसकी मौत भी इसी घटना के बाद हो गई। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि रोहित भारत का रहने वाला था और 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका आया था। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, रोहित बिना वैध दस्तावेजों के अमेरिका में रह रहा था। प्रवक्ता ने बताया कि 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका में दाखिल होने के बाद उसे अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने गिरफ्तार किया था।

ईरान ने नहीं किए सऊदी अरब की प्रमुख तेल पाइपलाइन पर हमले, आ गया इराक का बड़ा बयान

बगदाद, एजेंसी। सऊदी अरब की एक प्रमुख तेल पाइपलाइन पर हमले के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को जिम्मेदार ठहराए जाने के बीच इराक ने कहा है कि ये हमले उसके क्षेत्र से किए गए थे। इराक सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री अली अल-जैदी ने ईरान की सीमा से लगे मैसान प्रांत की अभियान कमान की जांच के आदेश दिए और उसके कमांडर को पद से हटा दिया। अधिकारियों ने जांच में पाया कि सऊदी पाइपलाइन पर हमले इसी प्रांत से किए गए थे। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने हमलों के लिए इराक से आए ड्रोन को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि वह जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा, ताकि इराकी सरकार को 'आवश्यक कदम उठाने का अवसर' मिल सके। ईरान युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से पोतों की आवाजाही बाधित होने के बाद से 'ईस्ट-वेस्ट' पाइपलाइन सऊदी अरब के तेल निर्यात के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार पाइपलाइन के अंतिम छोर पर स्थित लाल सागर के बंदरगाह से सऊदी अरब का तेल निर्यात दोगुने से अधिक हो गया है।

क्षेत्रीय अधिकारियों ने एपी (एसोसिएटेड प्रेस) को बताया है कि हूतियों और इराकी मिलिशिया ने आपसी समन्वय से सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठानों पर हमले किए। पाइपलाइन पर हमले के बाद ट्रंप ने इसके पीछे ईरान का हाथ होने की आशंका जताई। जब ट्रंप से पत्रकारों ने सवाल किया कि क्या उन्हें लगता है कि 'ईस्ट-वेस्ट' पाइपलाइन पर हमले के पीछे ईरान था, उन्होंने कहा, 'हां, मुझे लगता है कि वही है। शायद वही है।'

ट्रंप ने कहा कि उनके प्रशासन ने हूतियों के साथ 'बातचीत की है' लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि यह बातचीत कब हुई। उन्होंने कहा, 'हूतियों ने हमें फोन किया और वे हमसे लड़ना नहीं चाहते। वे यही चाहेंगे कि हम इसमें शामिल न हों और वे ज्यादातर पोतों को गुजरने दे रहे हैं।' हूतियों ने कहा है कि वे केवल पड़ोसी देश सऊदी अरब से जुड़े पोतों को निशाना बना रहे हैं। सऊदी अरब के युवराज के साथ हाल में हुई बातचीत के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'वह मेरे अच्छे मित्र हैं और मैं बस इतना कह सकता हूं कि सब कुछ बिल्कुल ठीक हो जाएगा। सब बहुत अच्छा होगा।'

240 लोगों को लेकर निकला जहाज जावा सागर में लापता

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में 240 लोगों को लेकर जा रहे एक यात्री जहाज का जावा सागर में संपर्क टूट गया है। इसके बाद रविवार को अधिकारियों ने जहाज की तलाश के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू किया। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा प्रांत के सुरबाया से बोर्नियो द्वीप के दक्षिण कालीमंतन प्रांत की राजधानी बंजारमासिन जा रहा था। बंजारमासिन

स्थित सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के मुताबिक, उन्हें सूचना मिली थी कि यात्रा के दौरान जहाज की संचार व्यवस्था ने काम करना बंद कर दिया। इसके बाद बचाव एजेंसियों ने जहाज की आखिरी ज्ञात लोकेशन का पता लगाकर तलाश शुरू की। अधिकारियों के अनुसार, जहाज की आखिरी ज्ञात स्थिति जावा सागर में थी। यह स्थान बंजारमासिन के एक पियर से करीब 148 किलोमीटर दूर बताया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जहाज में कुल 240 लोग सवार थे। फिलहाल जहाज पर सवार किसी व्यक्ति के हताहत होने की कोई तत्काल सूचना नहीं है। बचाव दल समुद्र में जहाज की तलाश कर रहा है। फिलहाल जहाज से संपर्क टूटने की वजह और उसके वर्तमान स्थान की जानकारी सामने नहीं आई है। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत के सुरबाया से दक्षिण कालीमंतन की राजधानी बंजारमासिन के लिए रवाना हुआ था।

भारत पर हमले की फिराक में था ओसामा!

9/11 से पहले सीआईए ने दी थी खतरे की चेतावनी; खुफिया रिपोर्ट से बड़ा खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के हाल ही में जारी दस्तावेजों से एक अहम खुलासा हुआ है। अल कायदा के पूर्व प्रमुख ओसामा बिन लादेन उन देशों की सूची में भारत को भी शामिल करना चाहता था, जहां वह आतंकी हमले कराना चाहता था। यह जानकारी 1998 के एक प्रेसिडेंशियल डेली ब्रीफ में सामने आई

है। सीआईए ने शुक्रवार को ओसामा बिन लादेन से जुड़े 70 से ज्यादा प्रेसिडेंशियल इंटेलिजेंस ब्रीफ सार्वजनिक किए। इनमें 100 से अधिक पन्नों की सामग्री शामिल है। यह दस्तावेज 2001 के 9/11 हमलों की 25वीं बरसी के मौके पर जारी किए गए हैं। 28 अगस्त 1998 के एक प्रेसिडेंशियल ब्रीफ में बताया गया था कि बिन लादेन कई देशों में हमले कराना चाहता था। इनमें भारत के अलावा पाकिस्तान, मिस्र, कुवैत, सऊदी अरब, यमन, युगांडा और संभवत: नाइजीरिया का भी जिक्र है। 'बिन लादेन आतंकवादी नेटवर्क अभी भी एक खतरा है' शीर्षक वाले इस दस्तावेज के कुछ हिस्से सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। इसमें भारत को लेकर किसी खास ठिकाने, हमले की तारीख या किसी सटीक ऑपरेशनल प्लान की जानकारी नहीं दी गई है। दस्तावेज में बताया गया कि बिन लादेन और अफगानिस्तान में मौजूद अन्य आतंकी नेताओं पर अमेरिका की कार्रवाई के बावजूद उनका नेटवर्क पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था। उनकी संचार व्यवस्था काम कर रही थी और कुछ आतंकी शिविरों में प्रशिक्षण दोबारा शुरू हो गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, अल कायदा प्रमुख अमेरिका और ब्रिटेन के खिलाफ भी आगे हमले करने की तैयारी में था। दस्तावेज में यह आकलन भी किया गया था कि बिन लादेन कम से कम 60 देशों में मौजूद लोगों और सहयोगी आतंकी संगठनों के नेटवर्क का इस्तेमाल हमलों के लिए कर सकता है। सीआईए की ओर से जारी किए गए इन प्रेसिडेंशियल ब्रीफ से यह भी पता चलता है कि अमेरिकी राष्ट्रपतियों को 1998 से 2001 के बीच कई बार संभावित आतंकी हमले को लेकर चेतावनी दी गई थी। इन दस्तावेजों का सिलसिला बिल क्लिंटन के राष्ट्रपति कार्यकाल से शुरू होकर जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल तक जाता है। सीआइए ने इसे अपनी बेहद संवेदनशील खुफिया सामग्री में अभूतपूर्व पारदर्शिता बताया है।

नेपाल में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अमेरिका ने अतिरिक्त फंडिंग को दी मंजूरी, एफबीआई के विशेषज्ञ मिलकर करेंगे काम

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने नेपाल में बाढ़ पीड़ितों की पहचान करने में मदद के लिए अतिरिक्त 1 मिलियन डॉलर की मंजूरी दी है। इसके साथ ही आपदा से निपटने के लिए अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से दी जाने वाली कुल सहायता 5 मिलियन डॉलर से ज्यादा हो गई है, क्योंकि अमेरिकी फोरेंसिक विशेषज्ञ नेपाली पुलिस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। विदेश विभाग ने 12 सितंबर को जारी एक मीडिया नोट में कहा कि नई फंडिंग से नेपाल पुलिस को फोरेंसिक सहायता मिलेगी। विभाग के 'ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल नारकोटिक्स एंड लॉ एनफोर्समेंट अफेयर्स' ने पीड़ितों की पहचान करने में नेपाली सरकार की मदद करने के प्रयासों के तहत इस राशि को मंजूरी दी।

अमेरिकी अधिकारी नेपाल पुलिस के साथ मिलकर सबसे जरूरी जरूरतों का पता लगा रहे हैं, जिनमें डीएनए एनालिसिस किट भी शामिल हैं। यह फोरेंसिक सहायता बाढ़ प्रभावित समुदायों के लिए आपातकालीन भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सेवा और अन्य राहत कार्यों के लिए दी जा रही फंडिंग के अतिरिक्त है। विभाग ने कहा, 'प्रभावित क्षेत्र में अमेरिकियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।' विभाग ने प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और नेपाली लोगों के साथ अमेरिका की दोस्ती को फिर से दोहराया।

एफबीआई के फोरेंसिक विशेषज्ञ भी आपदा पीड़ितों की पहचान के काम में नेपाल पुलिस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। विभाग ने कहा कि उनके काम का मकसद अधिकारियों को मृतकों की पहचान करने में मदद करना और अमेरिकी नागरिकों तथा अन्य पीड़ितों के परिवारों को जवाब देना है। विदेश विभाग की सहायता का सबसे बड़ा हिस्सा 3 मिलियन डॉलर है, जो 'वर्ल्ड फूड प्रोग्राम' के साथ वैश्विक सहायता समझौते के जरिए भोजन और लॉजिस्टिक्स के लिए दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य, पोषण, पानी, स्वच्छता और साफ-सफाई से जुड़ी सहायता के लिए दी जा रही है। हाल ही में मंजूर की गई फोरेंसिक फंडिंग को मिलाकर, विदेश विभाग द्वारा आवंटित कुल राशि 5.05 डॉलर मिलियन हो गई है। अमेरिकी सेना ने अलग से आपदा पीड़ितों को निकालने और राहत कार्यों के लिए 5,000 विशेष सामान, 500 फर्स्ट-एड किट, स्ट्रेचर और फ्रंट-एंड लोडर भेजे हैं। नोट के अनुसार ये उपकरण नेपाल के नेतृत्व में चलाए जा रहे खोज, बचाव और राहत कार्यों में मदद कर रहे हैं। अमेरिकी सेना की चार लोगों की 'सिविल अफेयर्स टीम' भी मौके पर मौजूद है। यह टीम संकट के बाद मानवीय जरूरतों को पूरा करने में मदद के लिए विदेशी मानवीय, आपदा और नागरिक सहायता प्रोजेक्ट चलाएगी। विदेश विभाग ने इस प्रतिक्रिया को तेजी से बदलते हालात वाला ऑपरेशन बताया और कहा कि वह बदलती परिस्थितियों के अनुसार काम करने के लिए स्थानीय सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसमें कहा गया है, 'जैसा कि सेक्रेटरी ने फिर से कहा है, अमेरिका नेपाल की जरूरतों को सीधे पूरा करने के लिए अतिरिक्त मदद देने के मकसद से नेपाल सरकार के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।'

बुध की सतह ने खोला अतीत का राज

बर्लिन, एजेंसी। सूर्य के सबसे करीब और सौरमंडल के सबसे छोटे ग्रह बुध की सतह ने उसके अतीत से जुड़ा एक अहम रहस्य उजागर किया है।वैज्ञानिकों के नए अध्ययन के मुताबिक बुध की सतह पर सिलिकॉन डाइऑक्साइड की मात्रा पहले लगाए गए अनुमान से काफी कम है। इसकी मात्रा करीब 37 प्रतिशत पाई गई है, जो पुराने अनुमानों से 25 प्रतिशत तक कम है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह अंतर संकेत देता है कि अरबों साल पहले बुध का आंतरिक भाग और उसका ज्वालामुखीय वातावरण अपेक्षा से कहीं अधिक गर्म रहा होगा।यह अध्ययन जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर सोलर सिस्टम रिसर्च, मुंस्टर विश्वविद्यालय और गॉटिंगेन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किया है। शोध प्लेनेटरी रिसर्च जर्नल में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों के मुताबिक बुध के प्राचीन ज्वालामुखियों से निकला लावा ग्रह के मैंटल

के उन गहरे हिस्सों से आया हो सकता है, जहां अत्यधिक तापमान पर ज्यादा मात्रा में चट्टानी पदार्थ पिघला था।ग्रह की ठोस पपड़ी के नीचे मौजूद परत को मैंटल कहा जाता है। किसी ग्रह के शुरुआती दौर में इसका बड़ा हिस्सा पिघला हुआ हो सकता है। जैसे-जैसे यह पिघला हुआ पदार्थ ठंडा होता है, सबसे पहले जमने वाली चट्टानों में सिलिकॉन डाइऑक्साइड की मात्रा अपेक्षाकृत कम होती है। इसके बाद जैसे-जैसे पदार्थ क्रिस्टल के रूप में जमता जाता है, बची हुई पिघली सामग्री में सिलिकॉन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ती जाती है।

एआई की बेलगाम रफ्तार से टेक दिग्गज परेशान

वाशिंगटन, एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दौड़ अब सिर्फ तकनीकी बढ़त की कहानी नहीं रह गई है, बल्कि इसकी रफ्तार को लेकर खुद दुनिया की बड़ी एआई कंपनियों के प्रमुखों में चिंता बढ़ने लगी है। एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोडेई ने फ्रंटियर एआई के विकास को धीमा करने की अपील की, तो ओपनएआई प्रमुख सैम ऑल्टमैन और एक्सएआई के मालिक एलन मस्क ने सार्वजनिक रूप से उनका समर्थन किया। अमोडेई का तर्क है कि एआई के फायदे असाधारण हो सकते हैं, लेकिन अगर इसकी क्षमताएं मानव नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था से कहीं तेज बढ़ीं, तो जोखिम भी उतने ही बड़े होंगे। इसी बहस में गूगल डीपमाइंड के प्रमुख वैज्ञानिक डेमिस हसबिस, एंथ्रोपिक के सलाहकार और पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक तथा अमेरिकी सीनेटर बर्नी सैंडर्स भी शामिल हो गए। अब सवाल केवल यह नहीं है कि एआई कितना तेज आगे बढ़ सकता है, बल्कि यह भी है कि उसे कितनी तेजी से आगे बढ़ना चाहिए।

अमोडेई ने अपने ब्लॉग में कहा कि एआई मॉडल की क्षमताओं को बढ़ाने की गति धीमी करनी होगी, हालांकि इससे प्रगति रुकने वाली नहीं है। उनके मुताबिक, थोड़ी रफ्तार कम करने से समाज को सुरक्षा तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण समय मिलेगा। उन्होंने एआई के संभावित लाभ भी गिनाए–अगले 5 से 10 वर्षों में कई गंभीर बीमारियों के इलाज में बड़ी सफलता, आर्थिक विकास में तेज वृद्धि, समृद्धि और सशक्तिकरण का विस्तार तथा लोकतंत्र और

स्वतंत्रता के लिए नए अवसर। लेकिन इसी ताकत के साथ नियंत्रण खोने, साइबर हमलों, जैव-आतंकवाद और बड़े आर्थिक व्यवधान जैसे खतरे भी जुड़े हैं। अमोडेई का कहना है कि व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा कंपनियों को एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में धकेल सकती है और यही 'रेस टू द बॉटम' सुरक्षा जोखिम बढ़ा सकती है। उनके अनुसार, जिम्मेदार रास्ता विकास रोकना नहीं, बल्कि उसे संतुलित गति देना है। ऑल्टमैन और मस्क की हामी, उद्योग में बनता नया सुर अमोडेई की अपील के कुछ ही घंटों के भीतर सैम ऑल्टमैन और एलन मस्क ने अलग पोस्ट के जरिए सहमति जताई। ऑल्टमैन ने कहा, 'मैं डारियो से सहमत हूं,' और बताया कि ओपनएआई भी बाहरी सुरक्षा मूल्यांकनकर्ताओं को शामिल करने के उनके कदम का अनुसरण करेगा। मस्क ने लिखा, 'डारियो सही हैं।' यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ओपनएआई, एंथ्रोपिक और एक्सएआई फ्रंटियर एआई की दौड़ में प्रमुख खिलाड़ी हैं और इनके मॉडल लगातार अधिक स्वायत्त तथा सक्षम होते जा रहे हैं। ऑल्टमैन पहले भी संकेत दे चुके हैं कि कंपनियों को समाज को तकनीकी बदलाव के साथ तालमेल बैठाने का मौका देने के लिए स्वेच्छा से ब्रेक लगाना पड़ सकता है। जून में एंथ्रोपिक ने भी विकास धीमा या अस्थायी रूप से रोकने की जरूरत पर बात की थी। इस बीच 1,000 से अधिक कर्मचारियों ने फ्रंटियर एआई को जानबूझकर गति देने की मांग की थी। अमोडेई ने भी उस पहल का समर्थन किया था।

यूएस ओपन -2026

एलेना ने जीता पहला खिताब
फाइनल में सबालेंका को हराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। कजाकिस्तान की स्टार टेनिस खिलाड़ी और विश्व नंबर-1 एलेना रिबाकिना ने 2026 यूएस ओपन का महिला सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया है। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में रिबाकिना ने दूसरी वरीयता प्राप्त और दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया।

रिबाकिना ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की और पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। हालांकि, सबालेंका ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी करते हुए इसे 7-5 से जीत लिया। निर्णायक सेट में रिबाकिना ने दबाव के बीच शानदार प्रदर्शन किया और शुरुआती दौर में ही सबालेंका की सर्विस तोड़ दी।इसके बाद रिबाकिना ने अपनी ताकतवर सर्विस और आक्रामक खेल के दम पर बढ़त बनाए रखी। उन्होंने निर्णायक सेट 6-2 से जीतकर पहली बार न्यूयॉर्क में ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया। चैंपियनशिप प्वाइंट पर रिबाकिना ने शानदार ऐस लगाकर मुकाबला खत्म किया।

रिबाकिना का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब

यह रिबाकिना का कुल तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। यूएस ओपन की जीत के साथ उन्होंने अपने ग्रैंड स्लैम संग्रह में एक और बड़ी ट्रॉफी जोड़ ली है।

रिबाकिना बनीं नई विश्व नंबर-1

यूएस ओपन जीतने के साथ ही रिबाकिना डब्ल्यूटीए रैंकिंग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने आर्यना सबालेंका को शीर्ष स्थान से हटाया। इस जीत के साथ रिबाकिना ने न केवल खिताब अपने नाम किया, बल्कि महिला टेनिस की रैंकिंग में भी बड़ा बदलाव कर दिया।

सबालेंका का थ्री-पीट सपना टूटा

आर्यना सबालेंका लगातार तीसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने के इरादे से कोर्ट पर उतरी थीं, लेकिन रिबाकिना ने उनका सपना तोड़ दिया। इस हार के साथ यूएस ओपन में सबालेंका की लगातार 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी समाप्त हो गया। हालांकि, हार के बाद सबालेंका ने खेल भावना का परिचय दिया। उन्होंने नेट पर रिबाकिना को बधाई दी और उनकी जीत को स्वीकार किया।

मारिया शारापोवा ने सौंपी ट्रॉफी

खिताबी समारोह का सबसे खास पल तब आया, जब 2006 यूएस ओपन चैंपियन मारिया शारापोवा ने रिबाकिना को टिफनी एंड कंपनी की ट्रॉफी सौंपी। दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर एक-दूसरे को गले लगाया। इसके बाद रिबाकिना ने सिल्वर ट्रॉफी को हवा में उठाया। इस दौरान स्टेडियम में आतिशबाजी हुई और दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ नई यूएस ओपन चैंपियन का स्वागत किया।

अलीरेजा ने किया बड़ा धमाका, वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को हराया

बेंगलुरु। ग्लोबल चेस लीग के चौथे सीजन में मैग्नस कार्लसन को पहली हार मिली। बेंगलुरु में खेले गए मुकाबले में त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के अलीरेजा फिरोजा ने उन्हें हराया। इसके बावजूद कार्लसन की टीम अल्पाइन पाइपर्स 18 मैच पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गई। रविवार को खिताबी मुकाबले में पाइपर्स का सामना गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से होगा।

कार्लसन की चेतावनी के बाद अलीरेजा ने दी मात - टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले मैग्नस कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में अलीरेजा फिरोजा को कम समय में हराने की चेतावनी दी थी। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। शनिवार को अलीरेजा ने कार्लसन को हराकर टूर्नामेंट में उनकी जीत का सिलसिला तोड़ दिया।जीत के बाद अलीरेजा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। हमारी टीम में फाइनल जीतने का दम था, लेकिन कुछ करीबी मुकाबलों ने खेल बिगाड़ दिया। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ यह जीत बेहद खास है। टूर्नामेंट के 10वें दिन विश्वनाथन आनंद की अलास्कन नाइट्स और त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थीं। हालांकि, अलास्कन नाइट्स ने अपने आखिरी मैच में टेबल-टॉपर गंगेज ग्रैंडमास्टर्स को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

युवराज बैटिंग और चामिंडा होंगे दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है।

जहीर के साथ बातचीत अंतिम दौर तक पहुंची - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।

युवराज सिंह पहले ही बने बैटिंग कोच - दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है।

हेड कोच की तलाश जारी - बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

पाकिस्तान का शर्मनाक रिकॉर्डः विदेश में पिछले 12 टेस्ट में जीता महज एक

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान का 0-3 से सफाया सिर्फ एक और सीरीज हार नहीं है। इस हार ने टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान की लगातार बिगड़ती स्थिति की कई परतें खोल दी हैं। घर से बाहर टीम की हालत इतनी खराब है कि पिछले 12 टेस्ट में उसे सिर्फ एक जीत मिली है। इंग्लैंड में मिली इस हार के साथ पाकिस्तान ने पिछले चार साल में तीन या उससे ज्यादा मैचों वाली 12 टेस्ट सीरीज में छठी बार क्लीन स्वीप झेला है, लेकिन कहानी सिर्फ इन आंकड़ों तक सीमित नहीं है। इस सीरीज में बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी और साझेदारियों तक ऐसे कई रिकॉर्ड बने, जिन्होंने पाकिस्तान के संकट की तस्वीर और साफ कर दी।

1. चार साल में छठी बार पाकिस्तान का सफाया

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट में दूसरी बार 3-0 से क्लीन स्वीप किया। इससे पहले 2022 में पाकिस्तान में खेली गई तीन मैचों की सीरीज में भी इंग्लैंड ने उसका सफाया किया था। पाकिस्तान पिछले चार वर्षों में दो या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में छह बार क्लीन स्वीप हो चुका है। यानी पिछली 12 ऐसी टेस्ट सीरीज में आधी बार पाकिस्तान का पूरी तरह सफाया हुआ है।

2. विदेश में 12 टेस्ट में सिर्फ एक जीत

पाकिस्तान का विदेशी जमीन पर खराब प्रदर्शन भी चिंता बढ़ाने वाला है। पिछले 12 विदेशी टेस्ट मैचों में टीम को सिर्फ एक जीत मिली है, जबकि उसे 11 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। यह रिकॉर्ड बताता है कि पाकिस्तान के लिए घर से बाहर टेस्ट क्रिकेट में चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं।

3. आठ टेस्ट सीरीज में नहीं लगा एक भी शतक

इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में भी कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा सका। यह पाकिस्तान की उस खराब बल्लेबाजी की तस्वीर है, जो लंबे समय से टीम की परेशानी बनी हुई है। कुल मिलाकर आठ ऐसी टेस्ट सीरीज हो चुकी हैं जिनमें कोई व्यक्तिगत शतक नहीं लगा। इंग्लैंड में ऐसा सिर्फ एक और बार हुआ था- 1888 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज में।

4. बिना शतक वाली सीरीज में 20 अर्धशतक

दिलचस्प बात यह है कि शतक नहीं लगने के बावजूद इस सीरीज में कुल 20 अर्धशतक बने। बिना किसी शतक वाली टेस्ट सीरीज में यह सबसे ज्यादा अर्धशतकों का रिकॉर्ड है। बर्मिंघम टेस्ट में ही 11 अर्धशतक लगे, जो किसी टेस्ट में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा हैं।

5. ओली रॉबिन्सन का गेंदबाजी औसत 8.76

इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन ने इस सीरीज में 20 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में 8.76 के औसत से छठा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत दर्ज किया। उनसे बेहतर औसत रखने वाले सभी पांच गेंदबाज इंग्लैंड के ही रहे हैं। इनमें सबसे हालिया नाम टोनी लॉक का है, जिन्होंने 1958 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.47 के औसत से 34 विकेट लिए थे।

6. शुरुआती दो विकेटों की साझेदारी सिर्फ 4.66

पाकिस्तान के लिए बल्लेबाजी में सबसे बड़ी चिंता उसकी शुरुआत रही। सीरीज की छह पारियों में टीम के पहले दो विकेटों के लिए कुल 56 रन ही बने। इस तरह पहले दो विकेटों की साझेदारी का औसत सिर्फ 4.66 रहा, जो कम से कम पांच पारियों वाली किसी टेस्ट सीरीज में किसी भी टीम का सबसे खराब औसत है।

7. जो रूट के लिए घरेलू सीजन में फिर शतक का सूखा

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट 2026 में घरेलू टेस्ट सीजन में अब तक शतक नहीं लगा सके हैं। यह तीसरा घरेलू टेस्ट सीजन है जब रूट के नाम एक भी शतक नहीं है। इससे पहले 2019 और 2020 में भी वह घरेलू टेस्ट सीजन में शतक नहीं लगा पाए थे। 2026 में रूट ने छह टेस्ट में 33.50 के औसत से रन बनाए हैं। यह किसी कैलेंडर वर्ष में उनका दूसरा सबसे कम औसत है। उनका सबसे खराब औसत 2019 में 29.83 रहा था।

8. रूट को आठ बार एल्बीडब्ल्यू किया गया

2026 के टेस्ट सीजन में रूट 11 पारियों में आठ बार एलबीडब्ल्यू आउट हुए हैं। किसी टेस्ट सीजन में किसी बल्लेबाज के लिए एलबीडब्ल्यू आउट होने का यह सबसे ज्यादा आंकड़ा है।पाकिस्तान के रजाउल्लाह ने अपने टेस्ट डेब्यू की दूसरी पारी में नौ छक्के लगाए। किसी बल्लेबाज द्वारा टेस्ट डेब्यू की पारी में लगाए गए सर्वाधिक छक्कों के मामले में यह संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। उन्होंने न्यूजीलैंड के टिम साउदी की बराबरी की, जिन्होंने 2008 में नेपियर में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में नौ छक्के लगाए थे।

हॉकी टीम को 3 लाख का कैश प्राइज

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को चीन को 1-0 से हराकर जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीत लिया। फाइनल में जीत के तुरंत बाद हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपए कैश प्राइज का ऐलान किया। सपोर्ट स्टाफ के लिए भी कैश प्राइज घोषित किया गया।

फाइनल से पहले भारत का प्रदर्शन - भारत ने सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 5-1 और क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से हराया। इससे पहले टीम ने मेजबान चीन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। भारत ने जापान को 7-0 और मलेशिया को 11-1 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के पहले मैच में भी भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया था।

कतर क्लासिक स्क्वॉश: अनाहत सिंह ने जीत के साथ की अपने अभियान की शुरूआत

नई दिल्ली। भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया। विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया।

- **दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी -** मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।
- **प्री-क्वार्टर फाइनल में टिने गिलिस से मुकाबला** - पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी।
- **मेंस कैटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजरें -** पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं।

एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम का हिस्सा - अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं। आगामी एशियन गेम्स में भारतीय स्क्वैश टीम में अनाहत के साथ अभय सिंह, वीर चोटरानी और तन्वी खन्ना भी शामिल हैं।

सलिल अरोड़ा ने शेर-ए-पंजाह लीग में जड़ा शतक, टीम फाइनल में पहुंची

मोहाली। शेर-ए-पंजाब टी20 लीग 2026 के बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस ने जालंधर वॉरियर्स को 17 रनों से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लुधियाना की जीत के असली हीरो कप्तान सलिल अरोड़ा रहे, जिन्होंने मुश्किल वक्त में आकर महज 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को खिताबी जंग में पहुंचाया।

साहिल भास्कर की घातक गेंदबाजी - 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जालंधर वॉरियर्स ने कप्तान प्रभसिमरन सिंह और हरजस टंडन के दम पर एक समय 154/3 का स्कोर बना लिया था और वे जीत की तरफ बढ़ रहे थे। लेकिन इसके बाद तेज गेंदबाज साहिल भास्कर का जादू चला। साहिल ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटककर जालंधर के बैटिंग लाइन-अप की कमर तोड़ दी और 4 ओवर में 6/16 का करिश्माई स्पेल फेंककर जालंधर को 203/8 पर रोक दिया।

रविवार को अमृतसर सूरमाओं से होगा फाइनल मुकाबला - कप्तान सलिल अरोड़ा का यह नाबाद शतक लुधियाना की जीत का मुख्य आधार बना। अब फाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस का सामना अमृतसर सूरमाओं से रविवार को होगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों ने अपने स्टार खिलाड़ियों (अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा) की अनुपस्थिति के बावजूद टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है।

मेसी का 99वां गोल, इंटर मियामी और नेशविल के बीच मैच ड्रा

बार्सिलोना। इंटर मियामी और नेशविल के बीच रात में मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। नेशविल ने आखिरी समय में बराबरी का गोल किया। लियोनेल मेसी ने 62वें मिनट में गोल किया। मेसी का इंटर मियामी के लिए यह 99वां गोल था।

सैम सरिज ने दो गोल किए - नेशविल के लिए दोनों गोल सैम सरिज ने किए। उन्होंने चौथे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इस नतीजे के बाद नेशविल मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में इंटर मियामी से 9 पॉइंट्स आगे है। इंटर मियामी और नेशविल पिछले तीन सीजन में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के राइवल बन गए हैं। दोनों टीमें अहम कप मुकाबलों, प्लेऑफ और बड़े रेगुलर-सीजन मैचों में भिड़ चुकी हैं। रूस में नेशविल के खिलाफ मेसी का14 मैचों में उनका 17वां गोल था।

सरिज का शानदार प्रदर्शन - इंग्लैंड में जन्मे स्ट्राइकर सैम सरिज ने इस मुकाबले में पूरा प्रभाव छोड़ा। शनिवार को किया गया उनका पहला गोल इस सीजन का 15वां गोल था। मेसी 19 गोल के साथ गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। वे लगातार तीसरी मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीतने के सबसे मजबूत दावेदार भी हैं।

मियामी का खराब दौर - इसके बावजूद इंटर मियामी इस सीजन बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। मुख्य कोच गिलर्मो होयोस के नेतृत्व में टीम पिछले 9 मैचों में सिर्फ एक बार जीती है। मेसी को इस हफ्ते 2026 बैलन डी'ओर के लिए नामांकित किया गया है। इसके बावजूद वह ड्रॉ के नतीजे से निराश दिखे।

नेशविल का मजबूत सीजन - नेशविल ने 2025 यूएस ओपन कप जीता था। 2020 में रूस में शामिल होने के बाद यह उसका पहला खिताब था। नेशविल 19 सितंबर को आत्मविश्वास से भरी शिकागो फायर टीम की मेजबानी करेगा। इंटर मियामी का अगला मैच 20 सितंबर को नू स्टेडियम में सैन डिएगो एफसी के खिलाफ है।